Vol.22, Issue 3 | Annual Subscription ₹ 480

@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

जनवरी 2023

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

Rotary

विशाखा विस्टा के शिल्पकार

रशीदा भगत

संयोजक महेश कोटबागी (रो ई निदेशक) और विशाखा विस्टा इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी किशोर कुमार।

विषयसूची

12
विशाखा प्रतिनिधियों को मेगा सेवा परियोजनाओं ने सम्मोहित किया

16
गावस्कर की तीसरी पारी - बच्चों की जान बचाना

20
भारत का विलक्षण परिवर्तन - दान लेने वाले से दान देने वाला राष्ट्र

24
पुणे के रोटेरियन सीएसआर की मदद से पर्यावरण - अनुकूल गांवों का निर्माण करते हैं

30
चलिए हम एक नई दुनिया में प्रवेश करें: माशेलकर

32
जल साक्षरता और समुदाय संचालित जल प्रबंधन शुरू करें

38
ज्वाला को जलाये रखें: अध्यक्ष जोन्स

48
साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक लम्बी दौड़

50
रोटरी के पास जीवन परिवर्तित करने की शक्ति हैं

62
पार्श्व गायन की पहली फीमेल सुपरस्टार शमशाद

70
सेलम में ड्रग्स के खिलाफ मैराथन

72
नए साल के लिए हरित संकल्प

76
जल, जीवन का अमृत

कलीना पार्क, क्लबों के लिए एक ट्रेंडसेटर

दिसंबर अंक की कवर फोटो मुंबई के कलीना जैवविविधता पार्क में कलियों, फूलों पर मंडराती हुई एक सुंदर तितली के साथ बहुत ही अद्भुत लग रही है, यह पार्क अन्य रोटेरियनों (जैसे रोटरी क्लब मुंबई वरसोवा के राजेश चौधरी) की मदद से रोटरी क्लब बॉम्बे द्वारा स्थापित किया गया। इस महान पहल के पीछे जितने भी लोग है उन्हें सलाम।

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने जाम्बिया में मलेरिया से प्रभावित परिवारों की दुखद कहानियां सुनाई और यह भी बताया कि कैसे रोटरी ने इसे मलेरिया मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए अथक प्रयास किए। संपादक का संदेश जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली वैश्विक समस्याओं और इस गंभीर आपदा को दूर करने के लिए विश्व नेताओं द्वारा किए जाने वाले प्रयासों को अच्छी तरह से बयां करता है। जहाँ रो ई निदेशक महेश कोटबागी उचित रूप से कहते है कि सेवा शुद्धिकरण का मार्ग है और हमें इसे नए साल का उपहार बनाने की कोशिश करनी चाहिए, वहीं रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश रोटेरियनों से आग्रह करते है कि हम जहाँ भी जाएं ब्रांड एंबेसडर के रूप में रोटरी पिन को पहनकर जाएं। संस्थान न्यासी अध्यक्ष इयान

रिसले का संदेश हमें TRF को उदारतापूर्वक दान देने हेतु प्रेरित करता है।

यह पढ़कर बहुत अच्छा लगा कि भारतीय गोल्फरों ने मोरक्को में नेशन कप जीतकर इतिहास रचा। अंगदान को बढ़ावा देने की डगर पर, रोटरी क्लब अलेप्पी द्वारा विकलांग बच्चों के लिए की गई परियोजना, रोटरी नेताओं की भारत के राष्ट्रपति से मुलाकात, मुंबई के छात्रों के लिए लंच ब्रेक, कैंसर रोगियों के लिए एक रोटरी हॉस्टल और नेत्रहीनों के लिए एक पुनर्वसन कार्यशाला जैसे अन्य लेख सभी पढ़ने लायक है। लेख मुकेश, दर्द के सम्राट वास्तव में दिलचस्प है। मंडल गतिविधियों की तस्वीरें और विवरण उत्कृष्ट है। टीम रोटरी न्यूज़ को धन्यवाद।

फिलिप मुलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - मंडल 3211

रो ई मंडल 3141 मुंबई को हरा-भरा बना रहा है पर कवर स्टोरी को पढ़कर अन्य क्लबों एवं मंडलों को भी पर्यावरण के अंतर्गत आने वाले ध्यानाकर्षण क्षेत्र के तहत अपने शहरों में ऐसी परियोजनाओं को शुरू करने हेतु प्रेरित होना चाहिए। शहरों के फेफड़े की उपमा शुरू में शहरी पार्कों के संरक्षण के लिए एक नारा था जो अब प्रदूषित शहरों में रहने वाले नागरिकों के लिए पार्क और अन्य हरियाली वाले क्षेत्रों के साथ एक चर्चा का विषय बन गया है।

के एम के मूर्ति
रोटरी क्लब सिकंदराबाद - मंडल 3150

दिसंबर अंक के सभी लेख अच्छे और प्रेरणादायक है लेकिन उनमें से मुझे अंग दान जागरूकता पर लिखित लेख सबसे अच्छा लगा। रोटेरियन सनील श्रीवत्स दूसरों को प्रेरित करते है क्योंकि स्वयं एक किडनी दानकर्ता होने के नाते उन्होंने अपने इस उद्देश्य हेतु समर्थन जुटाने के लिए 48 देशों की यात्रा की है। उन्होंने दुनिया भर के लाखों लोगों को अंग दान के लिए आगे आने हेतु GOLA *(गिफ्ट ऑफ लाइफ एडवेंचर)* की शुरूआत की। श्रीवत्स, उनकी पत्नी दीपाली और उनके बच्चों काव्या और सूर्या को सलाम। मैं उन्हें और उनकी टीम को शुभकामनाएं देता हूँ।

डॉ जगदीश वघासिया
रोटरी क्लब सूरत ईस्ट
मंडल 3060

दिसंबर अंक काफी जानकारीपूर्ण, आकर्षक और उपयोगी है। मुझे अपने पसंदीदा गायक मुकेश पर लिखित लेख को पढ़कर बहुत खुशी हुई क्योंकि यह लेख दिलचस्प और आनंददायक है। मैं पृष्ठ 63 के पैराग्राफ 2 पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा ताकि आपको यह सूचित कर सकूँ कि वहाँ पर उल्लिखित छह फिल्मों में से आखिरी एक फिल्म *जागते रहो* का पृष्ठभूमि स्कोर सलिल चौधरी द्वारा दिया गया था न कि शंकर जयकिशन द्वारा जैसा कि वहाँ पर उल्लेख किया गया है।

एस के नाथ
रोटरी क्लब संबलपुर - मंडल 3261

संपादक: पाठक एस के नाथ सही है। इस त्रुटि को ठीक करने के लिए आपका धन्यवाद।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिक रोटरी परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के लिए हमरी वेब साइट *www.rotarynewsonline.org* पर Rotary News Plus पर क्लिक करें।

कवर पर:
विशाखा विस्टा रोटरी ज़ोन इंस्टिट्यूट में एक नृत्य प्रदर्शन।
चित्र : रशीदा भगत

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	36,697
रोटरेक्ट क्लब	:	11,412
इंटरेक्ट क्लब	:	19,019
आरसीसी	:	12,660
रोटरी सदस्य	:	1,195,863
रोटरेक्ट सदस्य	:	199,073
इंटरेक्ट सदस्य	:	437,437

दिसंबर 8, 2022 तक

सदस्यता सारांश 1 दिसंबर 2022 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	136	6,673	7.70	65	336	55	243
2982	80	3,700	7.05	50	1,266	107	76
3000	131	5,448	10.39	100	1,629	320	215
3011	123	4,665	27.29	81	2,583	140	37
3012	150	3,765	22.92	73	1,400	90	61
3020	85	5,100	7.37	36	908	168	350
3030	100	5,436	15.16	124	2,217	368	382
3040	112	2,662	14.09	59	851	85	190
3053	74	2,962	17.89	35	545	54	128
3054	172	7,166	20.65	115	7,557	204	574
3060	105	4,995	15.10	66	2,457	81	152
3070	128	3,415	16.63	46	632	64	59
3080	108	4,364	13.29	148	2,715	211	118
3090	104	2,561	6.72	46	713	118	164
3100	100	2,100	9.62	14	91	37	151
3110	150	3,995	12.47	14	98	33	106
3120	92	3,740	16.10	49	526	36	55
3131	143	5,811	24.45	128	2,750	258	144
3132	91	3,633	12.61	35	522	126	168
3141	109	6,214	26.83	146	9,322	207	135
3142	104	3,977	21.05	89	2,664	148	88
3150	111	4,451	13.19	146	2,029	155	123
3160	78	2,743	9.55	32	354	20	82
3170	146	6,667	15.75	99	1,869	265	177
3181	87	3,680	9.81	36	461	222	117
3182	88	3,778	10.11	44	165	132	106
3190	167	6,973	20.09	213	5,537	286	73
3201	166	6,509	9.83	126	2,157	111	90
3203	94	5,061	8.10	74	712	241	39
3204	75	2,602	8.92	23	201	33	13
3211	158	5,194	8.66	8	113	30	133
3212	128	4,866	11.47	84	3,533	300	153
3231	97	3,627	8.74	34	299	99	417
3232	174	7,706	19.28	133	14,950	242	101
3240	110	3,785	17.28	69	1,505	414	226
3250	105	4,003	21.23	68	1,197	83	188
3261	93	3,346	19.49	17	50	26	44
3262	129	4,303	15.25	74	810	658	277
3291	160	4,140	25.27	137	2,085	111	694
India Total	**4,563**	**175,816**		**2,936**	**79,809**	**6,338**	**6,649**
3220	72	2,170	16.18	97	5,443	147	76
3271	143	3,117	17.52	159	2,488	245	28
3272	161	2,240	15.71	70	974	22	47
3281	310	7,979	18.72	280	2,724	156	207
3282	185	3,753	10.47	202	1,665	49	47
3292	155	5,937	18.26	182	5,339	144	133
S Asia Total	**5,589**	**201,012**		**3,926**	**98,442**	**7,101**	**7,187**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

आराम और देखभाल के माध्यम से संपर्क बनाएं

मोनिका लोज़िस्का

वर्ल्ड पोलियो डे 2022 एंड बियॉन्ड: अ हेल्दी फ्यूचर फॉर मदर्स एंड चिल्ड्रेन, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जिनेवा में आयोजित एक कार्यक्रम में रोटरेक्ट सदस्यों के साथ रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स।

रोटरी ने हाल ही में हमारे सदस्यों का सर्वेक्षण किया और कुछ ऐसा पाया जो आश्चर्यजनक तो नहीं है परंतु उसने फिर भी रोटरी नेतृत्व में हम में से कई लोगों को बैठकर सोचने हेतु मजबूर किया: सदस्य संतुष्टिकरण में एकमात्र सबसे महत्वपूर्ण कारक क्लब का अनुभव है। आप अपने क्लब में घर जैसा महसूस करते है या नहीं, क्लब की बैठकें कितनी कारगर साबित होती है और आप सेवा परियोजनाओं में स्वयं की कितनी भागीदारी महसूस करते है।

मैंने इस साल रोटरी जगत में यह पहली बार देखा है। जब सदस्य अपने क्लब के साथ भावनात्मक संबंध महसूस करते है तो वे छोड़ने की कल्पना भी नहीं कर सकते। और ऐसे संबंध अक्सर रोटरी क्षणों में निर्मित होते है जब लोग अपने आसपास मौजूद लोगों और उनके सेवा कार्य के प्रभाव से उस विशेष संबंध को महसूस करते हैं। हमारा *इमेजिन इम्पैक्ट टूर* उन रोटरी क्षणों पर प्रकाश डालने और हमारे सदस्यों को अपनी कहानियां बताने हेतु प्रोत्साहित करने के बारे में है।

लेकिन कुछ और है जो उस संबंध के निर्माण और उसे बनाए रखने में बहुत बड़ा अंतर प्रस्तुत करता है। यह हमारे सदस्यों - रोटेरियनों और रोटरेक्टरों दोनों का आराम और उनका ध्यान रखने के बारे में है। जैसा कि मेरे रोटरी मित्र टॉड जेनकिंस कहते है, लोग यह तो नहीं जान सकते कि आप क्या सोचते है लेकिन वे निश्चित रूप से आपके कार्यों को देख सकते है।

हम रिश्ते के व्यवसाय में है, और अगर हम एक-दूसरे का ध्यान रखते है और वास्तव में एक-दूसरे के प्रति चिंता व्यक्त करते है - तो हम जीवन भर के दोस्त बनाते है और हम उस दोस्ती के दायरे को बड़ा करने के लिए हर चीज़ करते है।

रोटरी नेतृत्व में मेरे जैसे लोग अपने क्लब के अनुभव को और अधिक मूल्यवान बनाने हेतु हर प्रकार की सलाह दे सकते है। लेकिन सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक रोटरी क्लब में हर कोई एक दूसरे को सुने और अपनी बात कहें। हमें अपने साथी रोटरी सदस्य के साथ यह साझा करने से नहीं डरना चाहिए कि हम अपनी सदस्यता से क्या उम्मीद करते है और ऐसा करने के तरीके के बारे में खुली चर्चा करें।

रोटरी क्लब का नेतृत्व करने के लिए इस तरह के संवाद को प्रोत्साहित करें और नए दृष्टिकोणों को अपनाने की कोशिश करें। अच्छा नेतृत्व करते हुए सबको मौका दें। दूसरों की ऊपर उठने में मदद करें। दूसरों को जीत महसूस करने दें।

क्लब के नेताओं से मेरा एक अंतिम अनुरोध है। हमें अभी भी अपनी महिला सदस्यता बढ़ाने के लिए दुनिया भर में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। इस साल इसमें थोड़ी वृद्धि हुई है लेकिन मुझे पता है कि हम और बेहतर कर सकते है और हमें ऐसा करना भी चाहिए। रोटरी फिर से बढ़ रही है। इस लेख को लिखते हुए मैं बताना चाहूँगा कि हम फिर से 1.2 मिलियन रोटेरियनों की सदस्यता को पार करने से बस कुछ मुट्ठी भर सदस्य की दूरी पर ही है। तो चलिए हम मिलकर बेहतरीन सदस्यों के साथ अपने क्लबों को मजबूत करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करें एवं उन्हें आराम से देखभाल प्रदान करके उनको जीवन भर अपने साथ रखें।

जेनिफर जोन्स
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

विशाखा विस्टा में मनोरंजक पल और स्पष्टवादिता

महामारी के बाद, रोटरी में विशिष्ट समारोहों के विशाल आयोजन धीरे - धीरे गति पकड़ रहे हैं और यह विशाखा विस्टा में साबित भी हो गया, हाल ही में विशाखापत्तनम में आयोजित ज़ोन इंस्टिट्यूट में, जिसमें लगभग 1,000 रजिस्ट्रेशन हुए थे। यह रो ई निदेशक और संयोजक महेश कोटबागी की निर्भीक परिकल्पना और पीडीजी किशोर कुमार की शांत और कुशल अध्यक्षता / शांतचित्त पीडीजी किशोर कुमार की कुशल अध्यक्षता के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिन्होंने ये स्वीकार किया कि शुरू में इस आयोजन के लिए जगह के चयन के बारे में उनके गृह नगर वाइजैग के नाम पर उठे सवाल और संशय ने उन्हें यहां तक सोचने पर मजबूर कर दिया था: अगर ये कार्यक्रम यहां आयोजित नहीं होगा, तो शायद मैं कार्यक्रम का अध्यक्ष ना रहूँ।

लेकिन जब कोटबागी ने भारत के पूर्वी तट पर स्थित इस शहर पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी, फिर मुड़कर नहीं देखा। प्रत्येक इंस्टिट्यूट प्रतिभागियों को एक शानदार और अविस्मरणीय अनुभव देना चाहता है। अंत में, VV इंस्टिट्यूट की सबसे यादगार चीज रहेगी टेक्नोलोजी का शानदार व व्यवहारिक उपयोग। और यह था इस आयोजन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने का प्रयास । जैसा कि कोटबागी ने कहा, रो इ के पर्यावरण को अपने फोकस के 7वें क्षेत्र के रूप में आत्मसात करने के साथ, कूड़ेदान, प्लास्टिक कचरे का निर्माण और अन्य प्रकार के अवशिष्ट, कचरे का विकल्प तो था ही नहीं। उनकी पहली प्राथमिकता यह थी कि आयोजकों का ध्यान पूरी तरह सफाई पर रहे। प्लास्टिक के बैनर और पोस्टरों की कोई जगह नहीं थी, इसकी जगह कपड़े और अन्य बायोडिग्रेडेबल या रिसाइकिल योग्य सामग्रियों का उपयोग किया गया। इंस्टिट्यूट की कार्यक्रम पुस्तिका, जिससे रद्दी कागज का ढेर इकट्ठा हो जाता है, और जिसे इंस्टिट्यूट की समाप्ति पर हर व्यक्ति फेंक देता है को रखा ही नहीं गया था, और सारा कार्यक्रम फोन ऐप पर उपलब्ध था। विशाल एलईडी साइड डिस्प्ले पैनल पर प्रदर्शित छवियों का अनुभव नवीन और सुखद था। इसलिए, प्रत्येक विषय के लिए, दर्शकों ने सभागार में रखे विशाल पैनलों में नृत्य करती रंगीन छवियों का भरपूर आनंद लिया।

अब चूंकि वैज़ाग में किसी भी होटल में 1,000 व्यक्तियों के एक साथ ठहरने की व्यवस्था तो है नहीं लिहाज़ा प्रतिनिधियों को कई होटलों में ठहराया गया था और आवागमन के लिए निरंतर उपलब्ध शटल सेवा की व्यवस्था इतनी बढ़िया थी कि जब भी परिवहन के नाम पर प्रतिनिधियों के पास शिकायत करने को कुछ भी नहीं था। परिवहन और होटल में ठहरने के बाद, हमेशा पेट पूजा की याद आती है। हालांकि वहां आये चक्रवात तूफ़ान मंडौस की वजह से माहौल बिगड़ गया था जिसकी वजह से लॉन और समुद्र तट पर मुक्ताकाश में आयोजित रात्रि भोज ज़रूर प्रभावित हुआ था, लेकिन दोनों रात का भोजन अत्यंत स्वादिष्ट था।

लेकिन अंत में... छोटी छोटी बातें और छोटे-छोटे लम्हे अलग से याद आते रहेंगे जैसे लकड़ी की रंगीन चूड़ियां, जिनकी व्यवस्था किशोर कुमार की पत्नी शोभा ने, महिला प्रतिनिधियों के लिए की थी और वो जबरदस्त हिट हुई, या मुफ्त में मिल रहा गोली सोडा पेय और जब दीप प्रज्वलन के समय हाथ में दीपक लिए युवा लड़कियों ने सभागार में प्रवेश किया, निश्चित रूप से अध्यक्ष जेनिफर जोन्स की आंखें चमक उठीं या जब उन्होंने *ऑपरेशन इमेजिन* के तहत हजारों सिलाई मशीनें, व्हीलचेयर आदि कतार में रखी देखीं, जिसका उन्होंने उद्घाटन किया था।

लेकिन मेरी जैसी लेखिका के लिए, जो हमेशा अच्छी खबर की तलाश में रहते हैं, वो भारत के वाटरमैन राजेंद्र सिंह थे, जिन्होंने कड़वी सच्चाइयों से रूबरू करा कर हॉल में सनसनी फैला दी थी। भारत में तेजी से घटते जलभृतों और भूजल स्तर की वजह से मंडराते खतरे के बारे में बताया और बोले कि उन्हें घुमा फिरा के बात करनी नहीं आती वो केवल सीधी भाषा में बात करना जानते थे, उन्होंने रोटेरियनों से अनुरोध किया, उनके जैसे जल कार्यकर्ताओं और सरकारों के बीच सेतु का कार्य करने और आवाज़ उठाने का । कई बार देखा गया है कि, पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचाने या पानी के अत्यधिक दोहन के लिए सरकारें उत्तरदायी होती हैं, जैसा कि भारतीय कृषि में देखा गया है। इनके सुगम और सरल समाधान उपलब्ध हैं ; फसल को वर्षा पैटर्न के अनुसार एकीकृत करें। ठेकेदारों के बजाय, जल प्रबंधन में समुदायों को सहभागी बनाएं। ''कृषि या जल प्रबंधन से लाभ को हटा दें और जब हम बादल से निकली हुई हर बूंद को प्यार से पकड़ना सीख लेंगे तो हमें पता चल जाएगा कि उस पानी को इज़्ज़त के साथ कैसे खर्च करना है,'' उन्होंने कहा।

कितना सटीक है!

रशीदा भगत

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 सेल्वनाथन वी
RID 2982 सरवनन पी
RID 3000 आई जेराल्ड
RID 3011 अशोक कंटूर
RID 3012 डॉ ललित खन्ना
RID 3020 भास्कर राम वी
RID 3030 डॉ आनंद ए झुंझुनूवाला
RID 3040 जिनेंद्र जैन
RID 3053 राजेश कुमार चुरा
RID 3054 डॉ बलवंत एस चिराना
RID 3060 श्रीकांत बालकृष्ण इंदानी
RID 3070 डॉ दुष्यंत चौधरी
RID 3080 कल्टा वी पी
RID 3090 गुलबहार सिंह रेटोले
RID 3100 दिनेश कुमार शर्मा
RID 3110 पवन अग्रवाल
RID 3120 अनिल अग्रवाल
RID 3131 डॉ अनिल लालचंद परमार
RID 3132 रुक्मेश पन्नालालजी जकोटिया
RID 3141 संदीप अग्रवाला
RID 3142 कैलाश जेठानी
RID 3150 तल्ला राजा शेखर रेड्डी
RID 3160 वोम्मिना नागा सतीश बाबू
RID 3170 वेंकटेश एच देशपांडे
RID 3181 एन प्रकाश कारंथ
RID 3182 डॉ जयगौरी हदीगाल
RID 3190 जीतेंद्र अनेजा
RID 3201 राजमोहन नायर एस
RID 3203 बी इलंगकुमारन
RID 3204 वी वी प्रमोद नयनार
RID 3211 के बाबूमोन
RID 3212 मुत्तु वी आर
RID 3231 पलनी जे के एन
RID 3232 डॉ नंदकुमार एन
RID 3240 कृषाणवा पाबि
RID 3250 संजीव कुमार ठाकुर
RID 3261 शशांक रस्तोगी
RID 3262 प्रबुदत्त सुबुद्धि
RID 3291 अजॉय कुमार लॉ

प्रकाशक एवं मुद्रक पीटी प्रभाकर द्वारा रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600 014 से मुद्रित एवम दुगर टावर्स, तीसरा फ्लोर, 34, मार्शल रोड, एग्मोर, चेन्नई से प्रकाशित। संपादक : रशीदा भगत।

प्रकाशित सामग्री में अभिव्यक्त विचार योगदानकर्ताओं के स्वतंत्र विचार हैं, और आवश्यक नहीं कि वे रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (आरएनटी) के संपादक या रोटरी इंटरनेशनल के ट्रस्टी के विचारों से मेल खाते हों। संपादकीय या विज्ञापन सामग्री से होने वाली किसी भी क्षति के लिए आरएनटी जिम्मेदार नहीं होगा। लेख और रचनाओं का स्वागत है किन्तु उन्हें संपादित किया जा सकता है। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

एक मूल्य वर्धित रोटरी इंस्टिट्यूट

विज़ाग में आयोजित एक बेहद सार्थक और बेहद सफल रोटरी इंस्टिट्यूट *विशाखा विस्टा 2022* और अबू धाबी में फॉर्मूला वन रेस ट्रैक पर ज़ोन 4,5,6,7,1बी, 9 और 10 में शामिल 25 देशों के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किए गए फुल थ्रॉटल, GETS और GNTS सत्रों के लिए हम सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह कई देशों के बीच विचार-विनिमय और सीमाहीन प्रेम से जुड़ा एक अंतर्राष्ट्रीय अनुभव था जिसने हमें 'अंतर्राष्ट्रीय' शब्द का सही मायनों में अर्थ समझाया।

हमारे पर्यावरण के अनुकूल और तकनीकी रूप से अत्यधिक उन्नत संस्थान में 1,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसे 15,000 से अधिक परिवारों द्वारा ऑनलाइन देखा गया। 4,000 लाभार्थियों के लिए *ऑपरेशन इमेजिन* सेवा परियोजना, 8,000 युवाओं के साथ रन टू रीड, रोटरेक्ट सेमिनार में 400 रोटरेक्टर, *वुमन इन रोटरी* सेमिनार में 400 महिलाएं, प्रमुख दानकर्ता मान्यता संगोष्ठी में 400 TRF प्रतिनिधि, मध्य वर्षीय समीक्षा में भाग लेने वाले सभी 41 DG, नवनिर्वाचित मंडल प्रशिक्षक और रो ई के 50 वरिष्ठ नेता एवं विदेशी मेहमान, सभी इस उत्साह और सफलता के लिए जिम्मेदार थे।

सुनील गावस्कर, रघुनाथ माशेलकर, एस बी मुजुमदार और डॉ कृष्णा एला जैसे उत्कृष्ट वक्ता और दिग्गजों को उनके क्षेत्रों में उनके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। फिल्म निर्देशक सुभाष घई ने हमें पुराने समय की बॉलीवुड हिट फिल्मों में वापस लेजाकर पुरानी यादें ताज़ा की और हमें उचित मार्गदर्शन एवं अपनी कहानी कहने के महत्व के बारे में समझाया।

जहाँ *इंडियन आइडल* की प्रतिभाशाली गायिका शनमुखा प्रिया ने शाम को मनोरंजक बनाया वहीं दिन के सत्र उद्देश्यपूर्ण वक्ताओं से भरे हुए थे, जैसे कि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना, गायत्री परिवार से चिन्मयी पांड्या, भारत के जलपुरुष राजेंद्र सिंह, नेपाल के गुरु आनंद और सारा गौतम, जिन्होंने 30,000 से अधिक महिलाओं को देह व्यापार से बचाकर उन्हें सशक्त बनाया।

हर घटना या गतिविधि उतनी ही अच्छी थी जितना कि उसके पीछे के लोग। हमें अपने कार्यक्रम के जोशपूर्ण एवं सावधानीपूर्ण संचालन के लिए चारों तरफ से शानदार समीक्षाएं और प्रतिक्रियाएं प्राप्त हो रही है। आप जैसे समर्पित टीम के सदस्यों की उपस्थिति एवं प्रयासों के कारण हम इस तरह के भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर पाएं है। बहुत सारे लोगों ने इस संस्थान के संचालन के तरीके और इसकी सार्थक सामग्री की पेशकश के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करने हेतु फोन किए और संदेश भेजें।

अंततः *विशाखा विस्टा* एक मूल्य वर्धित रोटरी संस्थान बन गया।

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

एक की शक्ति!

जैसा कि हम एक नए वर्ष में प्रवेश कर रहे है, हम में से अधिकांश लोग शायद नए साल के लिए अपने स्वयं के संकल्पों के बारे में सोच रहे होंगे। आइए हम इस नए साल में एक की शक्ति का पूरी तरह से उपयोग करने का संकल्प लें। मैं सोचता था कि कोई व्यक्ति बहुत कम कर सकता है और एक व्यक्ति को प्रभावित करने से वास्तव में कोई परिवर्तन नहीं आता है। यह सोच मेरी तब तक थी जब तक कि मुझे *भगवद गीता* की उत्पत्ति की याद नहीं दिलाई गई। यह एक व्यक्ति द्वारा केवल एक व्यक्ति को दी गई शिक्षाओं का एक समूह था और अब उसकी पहुंच देखिये!

यह जरूरी नहीं है कि दुनिया में अच्छाई के लिए किये जाने वाले काम बड़े पैमाने पर किये जाये। एक की शक्ति के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। हम में से प्रत्येक के पास हमारे शब्दों या कार्यों या दोनों के साथ कम से कम एक व्यक्ति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने की क्षमता है। हम में से हर कोई रोटरी का ब्रांड एंबेसडर बनने का चुनाव कर सकता है और हमारे संगठन के बारे में अच्छी बातें कर सकता है। एक पॉल हैरिस ने अपने विचारों को अपने तीन दोस्तों के साथ साझा किया और रोटरी का जन्म हो गया। हम में से प्रत्येक के पास यह प्रदर्शित करने की क्षमता है कि उदार होने के लिए, एक बड़ा बटुआ होना आवश्यक नहीं है। हमें बस एक बड़े दिल की जरूरत है। यदि हम रोटरी में दाताओं की सूची को देखते हैं, तो कई असंभव नाम हमारे सामने आते है। उन लोगों के नाम जो मानते थे कि उनमें परिवर्तन लाने की क्षमता है।

सभी बड़ी चीजें एक व्यक्ति के सपने साथ शुरू होती है। हमारा संकेतक पोलियो उन्मूलन अभियान भी ऐसा ही था। हम कुछ ऐसा सपना देख सकते हैं जो संभवतः दुनिया को बदल सकता है। ऐसा करना हम में से हर एक की क्षमता में होता है। हम में से हर कोई अपने चारों ओर देख सकता है और उन चीजों को बनाने का सपना देख सकता है जो एक निष्पक्ष और एक न्यायसंगत समाज बना सकती है, जो वर्तमान में नहीं हैं।

एक बूंद निश्चित रूप से सागर को नहीं भर सकती है। लेकिन सागर में एक बूँद के नहीं रहने से उसमें एक बूँद जितना पानी जरूर कम हो जायेगा। मैं आप में से हर एक से आग्रह करता हूं कि इस नए साल में आप एक की शक्ति को उजागर करने का संकल्प ले - वह शक्ति जो हम में से हर एक के भीतर है।

आप सभी को 'एक' नए वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

न्यासी मंडल

ए एस वेंकटेश RID 3232
रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट

डॉ महेश कोटबागी RID 3131
रो ई निदेशक

डॉ भरत पांड्या RID 3141
टीआरएफ ट्रस्टी

राजेंद्र के साबू RID 3080
कल्याण बेनर्जी RID 3060
शेखर मेहता RID 3291
पांडुरंगा सेट्टी RID 3190
अशोक महाजन RID 3141
पी टी प्रभाकर RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई RID 3060
सी भास्कर RID 3000
कमल संघवी RID 3250
गुलाम ए वाहनवती RID 3141

रो ई निदेशक-निर्वाचित

अनिरुधा रॉय चौधरी RID 3291
टी एन सुब्रमण्यन RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2022-23)

डॉ दुष्यंत चौधरी RID 3070
अध्यक्ष,गवर्नर्स काउंसिल

वेंकटेश एच देशपांडे RID 3170
सचिव, गवर्नर्स काउंसिल

डॉ एन नंदकुमार RID 3232
कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल

दिनेश कुमार शर्मा RID 3100
सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

सेवा करने के नए अवसर

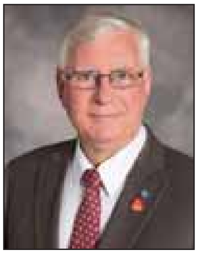

एक नया साल हमारे सामने है। चूंकि हम नई शुरुआत और नए अनुभवों के लिए तत्पर है, तो चलिए अपने दायरे से बढ़कर सोचें और रोटरी के माध्यम से सेवा करने के नए अवसर खोजें।

इस वर्ष एक सामुदायिक आर्थिक विकास परियोजना शुरू करने पर विचार करें। सामुदायिक आर्थिक विकास परियोजनाओं को इस प्रसिद्ध कहावत के माध्यम से समझें कि आज किसी को सिर्फ एक मछली देने से कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि उन्हें मछली पकड़ना सिखाना महत्वपूर्ण है ताकि वे जीवन भर खा सकें।

ये परियोजनाएं पशु धन प्रजनन व्यवसाय शुरू करने के लिए सूक्ष्म ऋण हो सकती है या वे एक गाँव को गोद लेने के दृष्टिकोण को अपना सकती है जिसमें रोटरी स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को स्थायी रूप से बढ़ावा देने के लिए बहुआयामी प्रयासों के माध्यम से समुदायों के साथ काम करती है।

वर्ष 2000 में, स्वतंत्रता मिलने के बाद, तिमोर-लेस्ते राजनीतिक हिंसा और विनाश से जूझ रहा था। समुदायों को न केवल आश्रय और बेहतर जीवन की आवश्यकता थी बल्कि एक नई अर्थव्यवस्था की आवश्यकता भी थी।

तभी ऑस्ट्रेलियाई रोटरी क्लब ईस्ट *तिमोर रूफिंग* परियोजना के साथ आगे आए ताकि नालीदार छत स्थापित कर सकें और बाद में पानी की टंकी स्थापित करने के साथ ही अनाज के भंडार भर सकें। जैसे-जैसे यह परियोजना आगे बढ़ी, इसमें अन्य संगठन भी शामिल हो गए जिसमें रोटरी फाउंडेशन भी शामिल था जिसने एक अनुदान देकर इस परियोजना को सफल बनाया।

जल्द ही, ईस्ट *तमोर रूफिंग* एक वित्तीय रूप से व्यवहार्य उद्यम बन गया जिसने घरों, स्कूलों, अनाथालयों और वाणिज्यिक भवनों के लिए छतों का निर्माण करने के लिए पर्याप्त धन जुटाया। अपना निर्वाह करने वाले किसानों को उनकी फसलों के लिए कोष्ठगार मिले। सैकड़ों तिमोर निवासियों ने बुनियादी निर्माण और प्रशासनिक कौशल में पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त किया। पानी की हजारों नई टंकियों ने यह सुनिश्चित किया कि युवतियां पानी लाने के बजाय स्कूल जा सकें।

छत परियोजना के रूप में जो शुरू हुआ, वह आज एक वाणिज्यिक उद्यम बन गया है जो स्थानीय लोगों को रोजगार देकर एक बड़ा प्रभाव ला रहा है। और आपके संस्थान ने इसका मार्ग प्रशस्त किया।

2023 में आपके सामने कौन से अनुभव मौजूद है? एक मंडल या वैश्विक अनुदान? या संभवतः मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरे घर से शुरू होने वाली एक सड़क यात्रा ताकि मुझे नए दोस्त बनाने, पुराने दोस्तों से दोबारा मिलने और 2023 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान परियोजनाओं के लिए साझेदार खोजने के अवसर प्राप्त हो सकें?

चलिए सीखने, आगे बढ़ने और सेवा करने के अवसरों का लाभ उठाने के लिए नए साल में एक संकल्प लें। और इस प्रक्रिया का आनंद लें। आखिरकार, यही तो रोटरी है।

इसलिए, मेरे मित्रों आगे बढ़िए और भविष्य की चिंता किए बिना पूरे वर्ष का आनंद लीजिए।

इयान एच एस राइसली
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

TRF के माध्यम से खुशियाँ फैलाना

कुछ हफ्ते पहले हमने रोशनी का त्योहार दिवाली मनाया था। जब मैं यह संदेश लिख रहा हूँ तो क्रिसमस - खुशी का त्योहार आने वाला है। ये त्यौहार रोटरी संस्थान के माध्यम से किए जा रहे हमारे कार्यों को दर्शाते है। TRF के कार्यक्रम के माध्यम से हम हर किसी के जीवन में रोशनी और खुशी ला सकते है। TRF के लिए और उसके माध्यम से हमारा काम हमारे अपने घर से शुरू होकर दुनिया के हर कोने तक फैलता है।

चाहे वह मधुमेह की देखभाल के लिए समर्पित एक पूर्ण पांच मंजिला अस्पताल को सुसज्जित करना हो, रक्त, नेत्र या त्वचा बैंकों की स्थापना करना हो; पूरे देश में WASH परियोजनाएं या रेडियोथेरेपी इकाई स्थापित करना हो; TRF के माध्यम से किया गया हमारा काम वास्तव में आपके जीवन को प्रभावित करने के साथ समुदायों में परिवर्तन ला रहा है। TRF हम पर निर्भर है। इसलिए हममें से प्रत्येक का फर्ज है कि हम TRF का समर्थन करें।

नवंबर में हमने मंडल प्रमुख दान और ज़ोन 4, 5, 6 और 7 के CSR प्रमुखों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया था। यह एक अच्छी तरह से व्यवस्थित, बड़ी संख्या में भाग लिया जाने वाला और उपयोगी रूप से संरचित कार्यक्रम था। प्रतिभागी प्रेरित होकर लौटे और मुझे यकीन है कि हमें आने वाले महीनों में प्रमुख उपहार और CSR-भारत अनुदान में इसके परिणाम देखने को मिलेंगे। EMGAs और दक्षिण एशिया कार्यालय के TRF कर्मचारियों को बधाई।

रोटरी संस्थान को दुनिया भर में मजबूत, फुर्तीला, ज्ञात और सम्मानित बनाने हेतु रोटेरियनों को TRF के लिए सर्वश्रेष्ठ करना चाहिए। जैसे ही नया साल शुरू होता है, हम कुछ संकल्प लेने के लिए तैयार होते है, तो आइए हम TRF को हर साल देने का संकल्प लें। जैसा कि हम रोटरी की कल्पना करते है, तो चलिए हम सभी मिलकर TRF को हमारी दुनिया में मानव कल्याण हेतु सबसे महत्वपूर्ण एजेंसी बनाने के लिए काम करें।

भरत पांड्या
ट्रस्टी, द रोटरी फौउंडेशन

New members from different groups in our communities bring fresh perspectives and ideas to our clubs and expand Rotary's presence. Invite prospective members from all backgrounds to experience Rotary.

REFER A NEW MEMBER
my.rotary.org/member-center

Rotary

FIND A CLUB

ANYWHERE IN THE WORLD!

Use Rotary's free Club Locator and find a meeting wherever you go!

www.rotary.org/clublocator

नवंबर 2022 तक मंडल टीआरएफ योगदान (मध्यकाल)

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	16,581	512	0	625	17,717
2982	8,988	1,695	3,001	33,116	46,799
3000	17,499	2,680	0	0	20,179
3011	20,229	9,193	127	155,057	184,607
3012	10,153	752	65,235	108,709	184,848
3020	89,467	3,773	30,000	0	123,240
3030	22,474	286	0	1,275	24,035
3040	14,442	1,790	0	16,105	32,337
3053	19,956	136	0	0	20,092
3054	4,221	25	0	0	4,246
3060	25,348	400	0	62,635	88,383
3070	41,537	2,253	33,929	8,967	86,686
3080	17,465	2,134	0	38,163	57,762
3090	4,054	0	4,447	0	8,501
3100	42,574	400	25,012	0	67,986
3110	11,720	454	25,317	531,923	569,414
3120	7,549	289	0	0	7,839
3131	209,662	6,724	35,303	133,183	384,872
3132	11,410	2,191	50,000	1,000	64,601
3141	356,385	28,281	87,003	734,886	1,206,555
3142	132,478	3,138	20,512	25	156,154
3150	36,228	1,993	17,000	313	55,534
3160	2,432	2,338	0	2,100	6,870
3170	47,611	22,284	7,006	380	77,281
3181	48,491	56	25	912	49,485
3182	26,079	388	100	0	26,568
3190	16,602	4,259	250	985	22,096
3201	65,398	18,551	12,195	258,901	355,044
3203	2,537	10,758	1,000	26,479	40,773
3204	3,825	350	0	152	4,327
3211	60,379	0	10,000	1,049	71,428
3212	77,913	19,156	0	31,646	128,714
3231	45,938	20,713	32,025	569	99,246
3232	46,000	32,196	18,138	56,014	152,348
3240	23,738	13,854	1,000	3,622	42,214
3250	9,966	200	0	10,500	20,666
3261	11,203	673	0	5,277	17,153
3262	6,906	453	700	27,771	35,830
3291	24,276	1,089	15,033	8,190	48,589
India Total	**1,639,713**	**216,420**	**494,359**	**2,260,528**	**4,611,020**
3220 **Sri Lanka**	21,353	3,333	2,000	226	26,913
3271 **Pakistan**	25	11,125	0	250	11,400
3272 **Pakistan**	405	61	0	5,000	5,466
3281 **Bangladesh**	45,685	2,396	20,125	62,333	130,539
3282 **Bangladesh**	39,029	6,701	2,000	4,319	52,049
South Asia Total	**1,746,210**	**240,036**	**518,484**	**2,332,657**	**4,837,387**

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र, विश्व कोष और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं।

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

विशाखा प्रतिनिधियों को मेगा सेवा परियोजनाओं ने सम्मोहित किया

जयश्री

वाह!

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने कहा, रो ई जोन इंस्टिट्यूट के विशाल *ऑपरेशन इमेजिन* स्थल से जहाँ हजारों साइकिल, सिलाई मशीनों और व्हीलचेयर दान के लिए अतिरोक थे। जोन्स ने मेगा सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जहां विशाखापट्टनम में 1,000 छात्राओं को साइकिल, 1,000 वंचित महिलाओं को सिलाई मशीन और 1,000 व्हीलचेयर विकलांगों को वितरित किए गए।

''शिक्षित लड़की एक सशक्त लड़की है। ये नई साइकिलें आपको स्कूल ले जाएँगी जहां आप अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं,'' उन्होंने स्कूल वर्दी में युवा लड़कियों के एक समूह को कहा। वहाँ उपस्थित महिलाओं से उन्होंने कहा, ''आप सभी आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकती हैं और अब आप सिलाई से कमाएंगी। यह देखना आश्चर्यजनक है कि रोटरी ने यह सब संभव किया है।''

ऊपर: स्कूली बच्चों के साथ रो ई निदेशक महेश कोटबागी और अमिता।

नीचे: ऑपरेशन इमेजिन स्थल पर रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स।

इस अवसर पर आरआईपीएन स्टेफनी अर्चिक, रो ई के निदेशक महेश कोटबागी, ड्रू केसलर और विकी पुलिज़, टीआरएफ ट्रस्टी ओरगे ओर्फ्रेंक, पीआरआईपी शेखर मेहता, पीआरआईडी कमल सांघवी, आरआईडीई अनिरुद्धा रॉयचौधरी और इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष किशोर कुमार उपस्थित थे।

ऑपरेशन इमेजिन के चेयरपर्सन पीडीजी लक्कराजू सत्यनरेन ने कहा कि इन परियोजनाओं की कुल कीमत ₹2.50

PRIP शेखर मेहता, प्रोग्राम चेयर पीडीजी लक्कराजू सत्यनारेन, टीआरएफ ट्रस्टी ओरगे ओर्फ्रेंक, अध्यक्ष जोन्स, पीडीजी रवि वदलामणि, राशी, रो ई निदेशक विक्की पुलिज़, इंस्टिट्यूट चेयर PDG किशोर कुमार और सोनल सांघवी की उपस्थिति में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए।

करोड़ है। पीडीजी रवि वदलामणि परियोजना सलाहकार थे।

साइकिल और सिलाई मशीनों को रो ई मंडल 3020 द्वारा प्रायोजित किया गया था। ''भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, हमने घोषणा की कि एक रोटरी क्लब द्वारा प्रायोजित प्रत्येक साइकिल/सिलाई मशीन के लिए, मंडल तीन के साथ इसका मिलान करेगा। मंडल के 80 रोटरी क्लबों में से 49 क्लबों ने भाग लिया,'' सत्यनरेन ने कहा।

लगभग 1,200 साइकिलें और 3,190 मोटर चालित सिलाई मशीनें खरीदी गईं, जिनमें से प्रत्येक की कीमत लगभग ₹6,000 थी। शेष साइकिल और सिलाई मशीन का वितरण विजयवाड़ा में किया जाएगा।

रो ई मंडल 3020 में छह राजस्व मंडल शामिल हैं और योग्य लाभार्थियों को सूचीबद्ध करना एक बहुत बड़ा काम था, उन्होंने कहा, ''हमने कक्षा 8-10 में अध्ययन करने वाली छात्राओं को

वितरण के लिए व्हीलचेयर, सिलाई मशीन और साइकिल।

रशीदा भगत

स्कूली छात्राएं अपनी साइकिल के साथ।

महिलाएं अपनी सिलाई मशीन के साथ।

छात्र के साथ सेल्फी लेते रो ई निदेशक कोटबागी।

साइकिल और उन महिलाओं को सिलाई मशीन उपहार में देने का फैसला किया, जिन्होंने अन्य सरकारी योजनाओं से लाभ नहीं उठाया है। दोनों उपहारों के लिए लाभार्थियों को बीपीएल परिवारों से होना आवश्यक था।'' रोटेरियन की एक समिति ने आवेदन पत्र की जांच की।

सत्यनरेन ने कहा कि व्हीलचेयर रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित की गई थी। इंस्टिट्यूट स्थल पर 1,000 व्हीलचेयरों में से, 500 भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, विजाग अध्याय को दिए गए थे; 250 भारतीय रेलवे को दिए गए थे और अन्य 250 पीएचसी को योग्य विकलांग लोगों को वितरण के लिए भेंट में दिये गए थे।

रो ई मंडल 3030 द्वारा प्रायोजित धुएं रहित चूल्हे, 500 आदिवासी महिलाओं को उनके रसोई के अनुभव को आरामदायक और आसान बनाने के लिए दिए गए थे।

डीजी भास्कर राम विश्वनाथ ने *ऑपरेशन इमेजिन* कार्यक्रम का समन्वय किया।

चित्र: हेमंतकुमार

आप सभी आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकती हैं और अब आप सिलाई से कमाएंगी। यह देखना आश्चर्यजनक है कि रोटरी ने यह सब संभव किया है।

जेनिफर जोन्स
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

VISAKHA VISTA

गावस्कर की तीसरी पारी - बच्चों की जान बचाना

रशीदा भगत

हर इंसान को ज़िंदगी में दूसरे मौके की आवश्यकता होती है; और एक बच्चे को तो और भी अधिक, क्योंकि जीवन एक अनमोल उपहार है। दूसरे मौके की अहमियत को कम ही लोग समझ सकते हैं, जैसे वो, क्योंकि दूसरे मौके के बिना, उनका करियर वो नहीं नहीं होता जो आज है बल्कि कुछ और ही होता, ये उदगार थे क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर के जो विशाखापत्तनम में आयोजित ज़ोन इंस्टिट्यूट विशाखा विस्टा को संबोधित कर रहे थे। आप ट्रस्टी हैं श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पतालों के जो जन्मजात हृदय रोगों वाले गरीब बच्चों का इलाज मुफ्त में करते हैं, यहां

सुनील गावस्कर ने इंस्टिट्यूट अध्यक्ष पीडीजी किशोर कुमार, पीडीजी रवि वडलामणि, पीआरआईडी कमल संघवी और विवेक गौर, ट्रस्टी, श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स, रो ई निदेशक महेश कोटबागी और पीआरआईपी शेखर मेहता से रोटरी का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त किया।

गावस्कर ने रोटरी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत रोटरी ने 2025 तक इन अस्पतालों में 2,025 शिशु हृदय शल्य चिकित्सा के लिए ₹5 करोड़ देने का करार किया है।

गावस्कर को रोटरी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाज़ा गया जो उन्होंने रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और PRIP शेखर मेहता की उपस्थिति में रो ई निदेशक महेश कोटबाग़ी से प्राप्त किया।

दूसरे मौके का क्या मतलब होता है इस पर प्रकाश डालते हुए क्रिकेटर ने कहा, ''मैं अपने क्रिकेट करियर का पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेल रहा था और सिर्फ 12 रन बना चुका था, अगली गेंद आई और मेरे बल्ले का बाहरी किनारा छूते हुए सेकन्ड स्लिप की तरफ गई जहां सर्वकालिक महान क्रिकेटर गैरी सोबर्स फील्डिंग कर रहे थे। और जैसा कि हमारे क्रिकेट सर्किल में कहते हैं न, वो डॉली कैच था... बैठे बिठाये झोली में आ गिरा। और उन्होंने वो छोड़ दिया और मुझे क्रिकेटिंग ज़िंदगी का दूसरा मौक़ा मिला। और इस दूसरे जीवनदान के साथ मुझे बैटिंग जारी रखने का दूसरा मौका मिला और मैंने अर्ध शतक बनाया था जिसकी वजह से मुझे अगले टेस्ट में भी रखा गया,'' पूरी तन्मयता से सुन रहे श्रोताओं से उन्होंने कहा।

गावस्कर ने जारी रखा, ''एक बार मैं 6 पर खेल रहा था, और एक फ़ास्ट बॉलर की आती हुई बॉल को ज़ोर से मारा और फिर से बॉल ने बैट का बाहरी किनारा छुआ और बॉल सीधे वहीं स्लिप पर खड़े गैरी सोबर्स के पास, ये वाकई एक मुश्किल कैच था। बाल उनके सीने से टकराई और इससे पहले की वो देखें, जमीन पर गिर पडी और इसके आगे खेलते हुए मैंने उसी मैच में अपनी पहली सेंचुरी बनाई। इसके बाद, उन्होंने टीम में अगले 17 वर्षों तक अपनी जगह बनाए रखने में कामयाबी हासिल की।

क्रिकेटर ने बताया कि वह पुट्टपर्थी के श्री सत्य बाबा के परम भक्त थे और उनके भक्त होने के अलावा, ''यह उद्देश्य बिलकुल वैसा है जैसा मेरे साथ हुआ क्योंकि एक बच्चे को जीवन में दूसरा मौका मिलते देखना साधारण नहीं एक अद्भुत कार्य है।'' ऑपरेशन के बाद जब डॉक्टर माता-पिता से कहते हैं कि अब उनका बच्चा स्वस्थ है, वो दृश्य और भी मार्मिक होता है। वहां आने वाले लगभग 99 फीसदी मरीज आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से थे और ज्यादातर गांवों और छोटे शहरों से आये थे।

''कभी-कभी उनके पास घर लौटने के लिए टिकट के पैसे भी नहीं होते हैं। वे घबराहट में अस्पताल आते हैं और पूरी तरह से हक्के बक्के रह जाते हैं; सबसे पहले, वे बच्चे को लेकर चिंतित रहते हैं, और फिर इतने सारे लोग, इतनी सारी इमारतों, कारों, हॉर्न आदि को देखकर वे और भी घबरा जाते हैं। जब कोई अपना बीमार होता है तो अस्पताल में डॉक्टरों का इंतजार करते-करते हम कितने घबरा जाते हैं, तो ज़रा सोचिये इन माँ बाप की क्या दशा होती होगी।''

तो ऑपरेशन के बाद जब डॉक्टर उन्हें कहते हैं कि उनका बच्चा ठीक है और अब एक सामान्य, स्वस्थ और लम्बी ज़िन्दगी जियेगा, ''उनके चेहरे पर आये चिंता के भाव जब तसल्ली में बदल जाते हैं तो यह ख़ुशी देखने लायक होती है। मैंने इसे देखा है और मैं आपको बताऊं कि इस काम में मुझे भारत के लिए डबल सेंचुरी बनाने से ज्यादा ख़ुशी मिली है।'' इन अस्पतालों में की जाने वाली सर्जरी की सफलता दर लगभग 99.4 प्रतिशत है।

गावस्कर ने फिर कहा: ''मेरी ज़िन्दगी की यह तीसरी पारी है। अपनी पहली पारी मैंने एक क्रिकेटर के रूप में खेली, दूसरी पारी, जो अभी भी चल रही है, लेकिन धीरे-धीरे समाप्ति की ओर है, जिसमें कुछ

प्रशासकीय कार्य, कुछ मीडिया, टीवी कमेंट्री करना, खेल के बारे में लिखना शामिल है। लेकिन सबसे संतोषजनक और सबसे फायदेमंद यह तीसरी पारी है जो कुछ साल पहले शुरू हुई थी।''

इस भावुक कार्य में सहायता के लिए रोटरी को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा: ''अपनी पहली पारी के दौरान, मैं हमेशा उस साथी की तलाश में रहता था जिसके साथ मैं अपनी टीम, भारत के लिए बड़ी पारी खड़ी कर सकूं। मेरे साथ कई पार्टनर करीब 19आये, जिन्होंने भारत के लिए मेरे साथ लम्बी पारी की शुरुआत की थी । कुछ बहुत अच्छे थे, कुछ सफल और कुछ केवल दो टेस्ट मैच खेले और हट गए। लेकिन मैं मानता हूँ कि रोटरी के साथ की गई ये यह सहभागिता लंबे समय तक चलने वाली है... साथ मिलकर हम कई हजार बच्चों की जान बचाएंगे।''

उन्होंने कहा कि भारत में ऐसे चार अस्पताल हैं, एक फिजी में, एक कोलंबो में और कई और आने वाले हैं, और जो अगले कुछ वर्षों में बन जायेंगे। ''उद्देश्य साफ और सीधा है, सिर्फ दिल, कोई बिल नहीं!''

इससे पूर्व, इंस्टिट्यूट में इस महान क्रिकेटर का स्वागत करते हुए, संयोजक महेश कोटबागी ने कहा, ''मेरे जीवन के दो बड़े नायक हैं, पहले गावस्कर और दूसरे अमिताभ बच्चन हैं, जो यहां नहीं आ सके।'' उन्होंने कहा कि जब उन्होंने संजीवनी अस्पतालों में से एक का दौरा किया, तो ये देख कर वो आश्चर्यचकित रह गए थे वह और बहुत प्रभावित हुए थे कि ''यह एक ऐसा अनोखा अस्पताल था जहां कोई बिलिंग काउंटर ही नहीं था, कोई बीमा दावा नहीं, कुछ भी नहीं था ... सब कुछ जुनून और प्यार में है।'' इसलिए रोटरी ने अपने गिफ्ट ऑफ लाइफ प्रोग्राम के तहत इन अस्पतालों के साथ सहभागिता करने का निर्णय किया था।

PRIP मेहता, गावस्कर और RID कोटबागी।

चित्रः रशीदा भगत

अगली रोटरी इंस्टिट्यूट बेंगलुरु में

जयश्री

बाएं से : पीडीजी के पी नागेश, उमा, RIDE टी एन सुब्रमण्यन, विद्या, शिप्रा, RIDE अनिरुद्धा रॉयचौधरी, टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या, माधवी, रूपा और पीडीजी समीर हरियानी।

''नम्मा बेंगलुरु में आपका स्वागत है,'' 2023 के लिए रोटरी जोन इंस्टिट्यूट *राइज़* के संयोजक RIDE टी एन सुब्रमण्यन ने कहा। यह 15 से 17 दिसंबर के बीच बेंगलुरु के चमारा वज्र कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाला है। उन्होंने समिति के सदस्यों का परिचय कराते हुए कहा कि GETS, GNTS और सहायक सेमिनार 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे।

RIDE अनिरुद्ध रॉय चौधरी सह-संयोजक होंगे। PDG के पी नागेश इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष और PDG समीर हरियानी इंस्टिट्यूट के सचिव होंगे। रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश सामान्य प्रशिक्षक होंगे। PDG दीपक पुरोहित और PDG गुरजीत सिंह सेखों क्रमशः GETS और GNTS के अध्यक्ष होंगे। ■

रो ई का पंच-वर्षीय वित्तीय पूर्वानुमान

वी मुत्तुकुमारन

रोई निदेशक और रो ई मंडल के कोषाध्यक्ष, ए एस वेंकटेश, ने कहा कि रोटरी अंतर्राष्ट्रीय में एक मजबूत वित्तीय प्रणाली स्थापित है ताकि रोटेरियनों से एकत्र इकट्ठे किए गए धन का पारदर्शी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके और सदस्यों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उस धन का उचित उपयोग किया जा रहा है।

जोन इंस्टिट्यूट में रोटरी का वित्तीय अवलोकन प्रदान करते हुए, उन्होंने कहा, ''बजट पांच साल पहले निर्धारित किया जाता है जिसमें सदस्यता वृद्धि और इस अवधि में प्रति व्यक्ति शुल्क पर कुछ धारणाओं को शामिल किया जाता है।''

वेंकटेश ने कहा कि आगे बढ़ते हुए पांच साल के विकास अनुमानों के बारे में केवल सूचित अंदाजे ही लगाए जाते है और विधान परिषद, जो हर तीन साल में बैठक करती है, ने अगले दो वर्षों में वार्षिक शुल्क को 4 डॉलर और 3.5 डॉलर से बढ़ाने का फैसला किया है। रो ई मंडल राजस्व और खर्चों के मिलान के साथ एक अच्छी तरह से संतुलित बजट तैयार करता है, और यह उस वित्तीय प्रक्रिया की निगरानी करता है ''और यह सुनिश्चित करता है कि सदस्यों, क्लबों और मंडलों को बेहतर सेवा प्रदान की जाए।''

कार्यक्रमों, परियोजनाओं और सदस्यता समर्थन में रो ई अपना निवेश जारी रखेगी।

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक

उन्होंने कहा कि राजस्व का लगभग दो-तिहाई हिस्सा सदस्यता शुल्क से आता है लेकिन वित्त वर्ष 2019 में अनुमानित सदस्यता की तुलना में वित्त वर्ष 2022 (2021-22) में सदस्यता में थोड़ी गिरावट आई है। रो ई मंडल ने वित्त वर्ष 2027 में 93 मिलियन डॉलर के राजस्व का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2023 से 74 मिलियन डॉलर से अधिक है। कार्यक्रमों, परियोजनाओं और सदस्यता समर्थन में रो ई अपना निवेश जारी रखेगी। *rotary.org* पर रोटरी लर्निंग सेंटर में नेतृत्व प्रशिक्षण और सदस्यों के लिए समर्थन पहल हेतु सभी संसाधन सामग्री उपलब्ध है,'' उन्होंने कहा।

जहाँ राजस्व का 57 प्रतिशत रोटेरियनों और उनके समर्थन कार्यक्रमों पर खर्च किया जाता है, वहीं 21 प्रतिशत संपत्ति, ब्रांडिंग आदि में निवेश किया जाता है और 22 प्रतिशत प्रशासन और अनुपालन खर्चों पर खर्च किया जाता है क्योंकि रो ई के सात देशों में कार्यालय है।

उन्होंने कहा कि 221 देशों और प्रदेशों में 37,000 क्लब होने के बाद अब रोटरी अपनी डिजिटल उपस्थिति को बढ़ाने और अपने सदस्यों की उम्मीदों पर खरा उतारने हेतु उत्सुक है। ''विभिन्न अवसरों पर, मुझसे सदस्यों द्वारा पूछा गया कि रोटरी उनसे इकट्ठे किए गए धन को कैसे खर्च करती है। निश्चित रहें; हमारे पास एक वित्तीय प्रणाली मौजूद है इसलिए आपके पैसे का कोई भी गलत इस्तेमाल करना असंभव है।'' ■

वी मुत्तुकुमारन

रो ई मंडल 3212 के DG वी आर मुत्तु ने रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश को विनीता और रो ई निदेशक महेश कोटबागी की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह भेंट किया।

भारत का विलक्षण परिवर्तन - दान लेने वाले से दान देने वाला राष्ट्र

रशीदा भगत

स्कूली बच्चों के साथ रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स।

वैज़ाग इंस्टिट्यूट के उदघाटन सत्र में रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने भारतीय रोटेरियनों को बधाई देते हुए कहा, ''आप शानदार सेवा प्रोजेक्ट्स कर रहे हैं,'' और अपनी कहानियां बाकी दुनिया को भी सुनाने का अनुरोध किया।

पिछले वर्षों के दौरान हुए उल्लेखनीय परिवर्तन पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वो कई वर्षों से भारत आती रही हैं लेकिन वर्तमान में जो बदला हुआ भारत वो देख रही हैं, ''वह काबिले तारीफ़ था; एक दान लेने वाले राष्ट्र से अब आप देने वाले राष्ट्र बन गए हैं।''

इमेजिन इम्पैक्ट टूर के अंतर्गत विश्व भ्रमण और इसकी वजह के बारे में उन्होंने बताया कि रोटरी के सात फोकस क्षेत्रों के तहत दुनिया भर में रोटरियनों द्वारा की जा रही उन अद्भुत सेवा परियोजनाओं को प्रकाश में लाना इस यात्रा का उद्देश्य था।

इनमें पहला स्वास्थ्य से संबंधित था, विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, और इसमें पोलियो उन्मूलन सर्वोच्च प्राथमिकता रही। इसलिए, ''मेरी पहली यात्रा पाकिस्तान की थी अगस्त 2022 में; वहां जा कर मैं अपने रोटरी के किस्से सुनाना चाहती थी। वाकई मैं उस देश में इसलिए जाना चाहती थी, क्योंकि यह पोलियो के दो बचे हुए स्थानिक देशों में से एक है। इसलिए भी, क्योंकि मैं फ्रंटलाइन पोलियो कार्यकर्ताओं से मिलना चाहती थी ताकि उन्हें दो बहुत महत्वपूर्ण शब्द - 'थैंक यू' कह सकूं। और आप तो जानते हैं, वे रोज़ अपने आप को खतरे में डाल कर उन आखिरी बच्चों को खोजने सड़कों पर निकल पड़ते हैं जिन्हें उन दो जीवन रक्षक बूंदों की जरूरत होती है।''

इंस्टिट्यूट में भाग ले रहे 1000 से अधिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, वो बोली, ''आप यहां सभागार में बैठे, किसी भी व्यक्ति की अपेक्षा बेहतर जानते हैं कि दुनिया में यह कार्य कितना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भी आप यहां हर साल करोड़ों बच्चों का टीकाकरण कर रहे हैं। मैं स्वयं यहां आ चुकी हूँ और आपके साथ ये कार्य किया है। हम बच्चों को ये बूँदें पिलाने के लिए साथ - साथ चले हैं। आप वो देश थे जिसके बारे में हमारा ख़याल था कि शायद पोलियो खत्म करने वाला आखिरी देश होगा। लेकिन आप तो दस साल पहले ही ये करिश्मा कर चुके थे। निश्चय ही आपको उस पर बहुत गर्व होना चाहिए,'' और सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा ।

जोन्स ने कहा उनकीदूसरी यात्रा जाम्बिया की थी, जहां रो ई ने 'मलेरिया मुक्त जाम्बिया' परियोजना की शुरुआत की है। ''यह एक मजेदार अनुभव था क्योंकि इतनेविशाल पैमाने का पहला कार्यक्रम है, और हम अपने अनुदानों के साथ एक परीक्षण कर रहे हैं।'' रो ई ने 2 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, गेट्स फाउंडेशन और वर्ल्ड विजन दोनों ने 2- 2 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। 6 मिलियन डॉलर की राशि के साथ, हमारा कार्य था 2,500 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को खोजना और जिस प्रकार रो ई ने पोलियो के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का उपयोग किया था, उसी मॉडल का प्रयोग करना। जाम्बिया में यह प्रयोग परीक्षण के तौर पर किया गया है ताकि हम जान सकें कि क्या हम देश से मलेरिया खत्म कर सकते हैं।''

उन्होंने माना कि ''ये लक्ष्य ऊंचे हैं और सपने बड़े हैं, रो ई अध्यक्ष ने कहा कि इसके उल्लेखनीय परिणाम आए हैं, एक वर्ष से भी कम समय में, जिन दो प्रांतों में यह परियोजना शुरू की गई थी, ''मलेरिया को 50 प्रतिशत तक समाप्त करने में सफल रहे हैं। यह बहुत बड़ी सफलता है... और इस सफलता के आधार पर अब देखने वाली बात ये है कि क्या हम इसे इस देश के बाकी हिस्सों, पड़ोसी देशों और शेष दुनिया में भी फैला सकते हैं।''

इसके बाद जोन्स ने वही किया जिसमें वो सबसे अच्छी है. .. एक मनोरंजक कहानी सुनाना। जाम्बिया में एक प्रांत के एक गाँव के चौक में, वह टिमोथी और उसके 11 वर्षीय बेटे नाथन से मिली थी, जिसने उन्हें उस तकलीफदेह वक्त के बारे में बताया जब नाथन में मलेरिया के लक्षण दिखाई देने लगे थे। यह बात इस परियोजना द्वारा चिन्हित

पाकिस्तान में अपने *इमेजिन इम्पैक्ट* दौरे के दौरान, मैं फ्रंटलाइन पोलियो कार्यकर्ताओं से मिलना चाहती थी ताकि उन्हें दो महत्वपूर्ण शब्द कह सकूं: थैंक यू।

किए गए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कार्य शुरू होने से पहले की है। उन्होंने अपने बेटे को अपनी पीठ पर बिठाया, और उसे इलाज के लिए क्लिनिक ले जाने के लिए काफी देर तक तक अपने दोपहिया वाहन पर सवार रहे थे। बच्चा उनके शरीर को पकड़े हुए था, और कई घंटों के बाद उसने महसूस किया कि उसके बेटे के पैर ठंडे हो पड़ गए हैं, और धीरे-धीरे उसे लगा कि उसका बेटा उसकी पीठ पर लुढ़क रहा है। आखिरकार वह क्लिनिक पहुंचा और 'मेरे बेटे को बचाओ' चिल्लाते हुए दौड़ पड़ा। उन्होंने उसे दवाइयां दीं और उसकी जान बच गई ।

लेकिन, रोते हुए टिमोथी बोला: मेरे पहले बेटे के साथ भी ऐसा ही हुआ था। लेकिन वो बच नहींसका था; मैंने अपना बेटा खो दिया...मैंने अपना बेटा खो दिया था।'

जोन्स ने कहा कि रोटेरियन को अपने आप को भाग्यशाली समझना चाहिए कि उनके पास यह क्षमता है कि इस तरह की चीजें न हों। ''मेरा जीवन इतना अच्छा है कि मुझे टिमोथी और नाथन से मिलने का मौका मिला मैं जानती हूं कि यहां बैठे आप में से हरेक के पास सुनाने के लिए ऐसी कई कहानियां हैं; कृपया उन्हें सुनाएं।''

युगांडा में उन्होंने रोटरी के एक और फोकस क्षेत्र - शांति - को कवर किया था और ''इसके बाद हम ताइवान जा रहे हैं वहां के किसानों से मिलने के लिए क्योंकि उन्होंने पारंपरिक फसलों

को उगाना बहुत आसान बना दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों से बहुत से पुरुष शहरों में चले गए और ये काम महिलाओं को करने के लिए छोड़ दिए जो बहुत मुश्किल है। हम पर्यावरण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं; और फिर शिक्षा और बुनियादी साक्षरता परियोजनाओं के प्रभाव को देखने के लिए ग्वाटेमाला और पानी और स्वच्छता के सम्बन्ध में हैती जा रहे हैं।''

जोंस ने एक और किस्सा सुनाया, जॉर्डन में एक हार्ट सर्जन डॉ मार्क से मुलाकात के बारे में, जहां वह ज़ोन इंस्टीट्यूट में भाग ले रही थी। वे लोग वहां एक सप्ताह के मिशन पर गए थे; जोन्स ने उसके साथ लम्बी बातचीत की कि वह बच्चों की हृदय शल्य चिकित्सा कैसे करते हैं। खैर, जब उनकी यात्रा समाप्त हो रही थी और वह हवाई अड्डे के लिए निकल ही रही थी कि उनको बताया गया कि डॉ. मार्क एक सर्जरी शुरू करने वाले हैं और पूछा कि क्या वह सर्जरी देखना चाहेंगी। ''बेशक, मैं तो चाहती ही थी और हम सीधे अस्पताल पहुंचे। शीघ्र ही मैं अस्पताल के कपड़े पहनकर ही क्षणों बाद कमरे में घुसी और वहाँ चुपचाप खड़ी हो गयी, साँस भी नहीं लेना चाहती थी।''

वह सांस रोके देख रही थी जब डॉ मार्क ने केवल छः महीने की छोटी बची सेल्मा,सीरिया से आई एक शरणार्थी की ओपन-हार्ट सर्जरी की थी। ''मैंने उन्हें बड़ी नफासत के साथ सिलाई करते हुए देखा, उन्होंने दिल को थपकी दी, और सिलाई कीथोड़ा और हिलाया। अंत में, उन्होंने एक गाँठ लगा दी, अपना हाथ बच्चे के दिल के नीचे रखा, उसे ज़ोर से झटका, एनेस्थेटिस्ट की ओर मुड़े और बोले 'ठीक है, इसे गर्म करो।' और उसी क्षण नन्हीं सेल्मा का दिल धड़कने लगा। मैंने उसे जीवन में लौटते देखा है ... मैं एक बेहतर इंसान हूं क्योंकि मुझे बेबी सेल्मा से मिलने का मौका मिला। आप लोगों ने कितनी सेल्मा की जिंदगी बचाई हैं, जोन्स ने पिछले सत्र का जिक्र करते हुए कहा, जिसमें रोटरी इंडिया ने 2025 तक 2,025 बच्चों के दिल की सर्जरी मुफ्त करने के लिए सत्य साईं संजीवनी अस्पताल के ट्रस्टी सुनील गावस्कर के साथ ₹5 करोड़ के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

ये कहते हुए उन्होंने अपने भाषण को विराम दिया, ''यह करते हैं हम, कौन हैं हम। हम सृजन करते हैं और चमत्कार करते हैं और इन बच्चों को, उस एक घंटे के भीतर, सचमुच जीवन का उपहार मिल जाता है। लोगों को हमारी कहानियां सुनाना बहुत ज़रूरी है ताकि वो समझ सकें कि रोटेरियन के रूप में हम क्या - क्या करते हैं। हम जितने भी भलाई के काम करते हैं, इसके साथ साथ हमें इन बच्चों की ज़िन्दगी बचाने की ज़रुरत है।''

उन्होंने समाज के अधिक से अधिक लोगों से रोटरी के बारे में चर्चा करने का आग्रह करते हुए कहा कि रोटरी के 7 फोकस क्षेत्र संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के समान थे, जिसके बारे में सब अच्छी तरह से जानते थे, वो आगे बोली: ''अपनी कहानियां सुना कर हमें दुनिया को बताने की बहुत जरूरत है कि हम एक क्लब से कहीं अधिक हैं या एक डिस्ट्रिक्ट से ... हम एक आंदोलन हैं।''

इंस्टिट्यूट के उद्घाटन पर संयोजक और रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने कहा कि अच्छी तरह से तैयार किया गया ये तीन दिवसीय आयोजन रोटरी नेताओं को भरपूर मनोरंजन और आतिथ्य प्रदान करेगा, उत्कृष्ट वक्ता उनका ज्ञान वर्धन करेंगे और कई नूतन विचारों पर मंथन करने के लिए तैयार करेंगे, साथ ही मिलेगा नए दोस्त और नेटवर्क बनाने का अवसर।

इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष का स्वागत करते हुए, पीडीजी किशोर कुमार ने कहा कि प्रतिनिधियों की हर अपेक्षा पर खरा उतरने का भरसक प्रयास किया गया है और बहुत सावधानी बरती गई थी और इस कार्यक्रम के लिए रिकॉर्ड 1,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था।

अध्यक्ष जोन्स के अलावा, RIPN स्टेफ़नी अर्चिक, PRIP शेखर मेहता, ट्रस्टी चेयर प्रतिनिधि और ट्रस्टी ओरगे ओफ़्रेंक, रो ई निदेशक विक्की पुलिज़ और ड्रू केसलर ने इंस्टिट्यूट में शिरकत की।

इंस्टिट्यूट की अन्य कहानियाँ अगले अंक में भी शामिल होंगी।

चित्र: रशीदा भगत

मेलबर्न में यादें बनाएं

ई वी ए रेमिजान — टोबा

मेलबर्न शहर के शानदार नज़ारे 27 से 31 मई तक होने वाले 2023 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आपके लिए अपने नए दोस्तों के साथ तस्वीरें खिंचवाने हेतु बेहतरीन पृष्ठभूमि प्रदान करते है।

मेलबर्न स्काईडेक खुद को दक्षिणी गोलार्ध के सबसे ऊँचे अवलोकन बिंदु के रूप में वर्णित करता है। शहर के प्रसिद्ध स्थलों - आर्ट्स सेंटर के शिखर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड तक - के 360 डिग्री परिप्रेक्ष्य के लिए यूरेका टॉवर लिफ्ट को 88वीं मंजिल पर ले जाएं। पोर्ट फिलिप बे को देखें और बादलों के छट जाने पर आप दूर के निचले पहाड़ों, डैंडेनोंग को भी देख सकते है।

युद्ध स्मारक श्राइन ऑफ़ रेमेम्बेरांस में, आपको इमारत की बालकनी से एक क्षितिजीय दृश्य देखने को मिलता है। अल्बर्ट पार्क में, चित्रात्मक डाउनटाउन के एक नज़ारे को देखने के लिए झील के दक्षिण की ओर खूबसूरत विदेशी और देशी पेड़ों से घिरे घुमावदार रास्तों पर जाएं।

मेलबर्न स्काईडेक से एक दृश्य।

ब्रेकआउट सत्रों और हाउस ऑफ फ्रेंडशिप के आयोजन स्थल, मेलबर्न कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर, के बाहर रुकें ताकि आप साउथ व्हार्फ प्रोमेनेड रिवरफ्रंट की चहल-पहल के साथ ही पास ही में फोटो लेने हेतु तैयार लंगर से बंधे हुए पोली वुडसाइड जहाज को भी देख सकें। इमारत के अंदर की विशाल खिड़कियों से डाउनटाउन के आसमान और नदी को देखने पर आप मेलबर्न में खोया हुआ महसूस करेंगे।

आप ऑस्ट्रेलियाई ओपन के गृह स्थल, रॉड लेवर एरीना, में सामान्य सत्रों के लिए मेलबर्न के खेल परिसर का दौरा करेंगे। विशाल गगनचुंबी इमारतों के बाहर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने हेतु एक तस्वीर लें या सम्मेलन के पसंदीदा: नए दोस्तों के साथ सेल्फी के लिए इंस्टाग्राम-योग्य रोटरी पृष्ठभूमि, के सामने स्थित बैठक स्थलों में से एक के अंदर पोज दें।

अधिक जानने और रजिस्टर करने के लिए ***convention.rotary.org*** पर जाएँ।

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

PHF मान्यता प्रक्रिया

फाउंडेशन रिकाग्निशन पॉइंट्स के हस्तांतरण के अनुरोध को डोनर सर्विसेज टीम द्वारा संसाधित किया जाता है और इसे क्लब रिकाग्निशन समरी में ऑनलाइन अपडेट होने में 5-10 कार्य दिवस लगते है। रिपोर्ट www.rotary.org पर मेंबर एक्सेस के माध्यम से क्लब के अध्यक्षों, सचिवों और क्लब संस्थान प्रमुखों के लिए उपलब्ध है। शायद सभी सदस्य PHF मान्यता प्राप्त करने की अर्हता नहीं रखते है या इसे हासिल नहीं कर पाए है, इसलिए हम क्लब अधिकारियों से इस रिपोर्ट की समीक्षा करने की अनुशंसा करते है और अगर उनके पास कोई प्रश्न हो तो हमें बताएं।

आप आगे की प्रक्रिया के लिए Manju.Joshi@rotary.org पर मंजू जोशी को दाता द्वारा हस्ताक्षरित किए गए PHF रिकाग्निशन पॉइंट्स ट्रांसफ़र फॉर्म (केवल PDF प्रारूप में) की स्कैन की गई प्रति भेज सकते है।

सेवाओं को बेहतर बनाने में हमारी सहायता करने के लिए और बातचीत की एक सकारात्मक संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु अपनी जिज्ञासा अनुसार निम्नलिखित पर अपने प्रश्न भेजें:

1 मंजू जोशी: *Manju.Joshi@rotary.org*- मान्यता यानी PHF/MPHF/लाभार्थी/ हस्तांतरण फॉर्म/जीवनसाथी का नाम जोड़ने/ विभिन्न IDयों का समेकन

2 मधु ममगैन: Madhu.Mamgain@rotary.org - प्रमुख दानकर्ता/योगदान सुधार/जीवनसाथी का नाम जोड़ने/विभिन्न खऊयों का समेकन

विस्तृत जानकारी के लिए *Ashwini.sharma@rotary.org* पर जाएं।

निर्देशित उपहार

निर्देशित उपहारों को एक नियत परियोजना (जिसे अभी अनुमोदित किया जाना बाकी हो) के लिए नहीं दिया जाना चाहिए, हालांकि भारत के दानकर्ताओं द्वारा ऐसा व्यापक रूप से किया जाता है। पूर्व में दाता/प्रायोजक इस बात से परेशान हुए जब एक विशिष्ट परियोजना के लिए दिए गए उनके उपहार को अयोग्य मानकर अस्वीकार कर दिया गया। हालांकि, अगर दानकर्ता ऐसा करना चाहते है, और क्लब एवं मंडल विशिष्ट परियोजनाओं के लिए उपहार लेने की योजना बनाते है, तो हमारे पास संबंधित क्षेत्रीय अनुदान अधिकारी द्वारा पूर्व-समीक्षा प्रक्रिया का प्रावधान है। आवेदन की पूर्व-समीक्षा होने के बाद ही उपहार दिया जाना चाहिए।■

UPLIFTMENT OF VILLAGE CLUSTER, VELHE
Project by
Rotary Club of Pune Riverside
CSR India Grant No. CS2200016
Supported by
DUROSHOX
INDIA

बाएं से: वेल्हे तालुक के एक गाँव में प्रीति नायर, मंजीत वारेकर, कार्यकारी, रोटरी फाउंडेशन, क्लब कोषाध्यक्ष अनुराधा मुंगे, रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड के अध्यक्ष गणेश नटराजन, पूर्व अध्यक्ष नीरू गोयल और निर्वाचित अध्यक्ष उमेश कुमार जालान।

Rotary PEOPLE OF ACTION

पुणे के रोटेरियन सीएसआर की मदद से पर्यावरण - अनुकूल गांवों का निर्माण करते हैं

रशीदा भगत

पुणे के दो रोटरी क्लब - रोटरी क्लब पुणे करवेनगर और रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड ने पुणे जिले के वेल्हे और भोर तालुकों के गांवों में पानी और स्वच्छता के साथ आय बढ़ाने वाली परियोजनाएं की हैं।

बात जुलाई 2019 की है, जब आशा अमोनकर और शिरीष पुराणिक, तत्कालीन और पूर्व अध्यक्ष, रो ई मंडल 3131 के रोटरी क्लब पुणे करवेनगर से सीएसआर फंडिंग के सिलसिले में सिंजेन्टा कंपनी के सीएसआर प्रमुख, पी एस जगदीश से मिले, तो उन्होंने कहा ने कहा कि वह आएंगे,ऑन बोर्ड जुड़ेंगे, बशर्ते इन पैसों से किये जाने वाले सर्विस प्रोजेक्ट जल परियोजनाओं से सम्बद्ध होंगे । यह शर्त इसलिए थी क्योंकि कंपनी कृषि उत्पादों का व्यवसाय करती है।

इस शर्त को ध्यान में रखते हुए क्लब ने पुणे जिले के भोर और वेल्हे तालुकों के दूर-दराज स्थित गाँव के नेताओं और स्कूल के शिक्षकों से बात कर सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के दौरान, क्लब ने महसूस किया कि दूरदराज गांव

स्थित जिला परिषद के इन स्कूलों में छात्रों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं था। वे सभी छात्र स्कूल में पानी की बोतलें लेकर जाते थे, लेकिन अक्सर कंटेनर का पानी स्कूल के समय में उनकी प्यास बुझाने के लिए काफी नहीं होता था।

स्कूलों में पानी की टंकियाँ तो थीं लेकिन इनमें की नदी, नालों का अनुपचारित पानी इकठ्ठा था। यह पानी पीने के लिए असुरक्षित था और परिणामस्वरूप कई छात्र जलजनित बीमारियों से बीमार पड़ गए, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा उनकी उपस्थिति और पढ़ाई पर भी असर पड़ा था। क्लब के नेताओं ने एक स्थायी सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए सीएसआर फंड का उपयोग करने का फैसला किया, जो साल दर साल बच्चों के लिए सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

एक सीएसआर पार्टनर के साथ मिल कर, क्लब ने कोटेशन आमंत्रित करवाई, उचित प्रकार के पानी के शुद्धिकरण के बारे में निर्णय लेने और पानी की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए कई प्यूरिफायर का मूल्यांकन किया और पानी के नमूनों का परीक्षण किया, और अंत में 25 LPH UV पर निर्णय किया, आमतौर पर घरों में इस्तेमाल होने वाला प्यूरिफायर मॉडल, सचिन अमोनकर कहते हैं, जो इस समय क्लब में आईटी के निदेशक हैं। ''यह भूजल के लिए उपयुक्त आरओ नहीं है,वह बताते हैं कि, इन गांवों में ग्रामीण नदी तक पहुँच सकते हैं और यह जल शोधक नदी के पानी के लिए उपयुक्त है।''

दोनों तालुकों के गांवों के करीब 52 स्कूलों में लगभग ₹26,000 की लागत वाले कुल 52 ऐसे प्यूरीफायर स्थापित किए गए, जिसमें सिंजेंटा ने ₹14.56 लाख की सीएसआर फंडिंग का योगदान दिया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्रामीणों की वाटर प्यूरिफायर में हिस्सेदारी हो, जो अब उनके बच्चों को सुरक्षित पेयजल प्रदान करेगा, ''हमने उनसे नदी से स्कूल तक पाइपलाइन के लिए धन का योगदान करने के लिए कहा। यह कोई बड़ी रकम नहीं थी - बस लगभग ₹4,000। हमारा मानना है कि कल्याणकारी परियोजनाओं की सफलता के लिए ग्रामीणों की भागीदारी महत्वपूर्ण है क्योंकि तब वे हमारी परियोजना में स्वामित्व की भावना महसूस करते हैं। हमने इस प्रोजेक्ट में गांव के सीनियर्स और स्कूल टीचर्स को भी शामिल किया है।''

9
गांवों में
8
एटीएम से
4,000
लोगों को
फायदा होगा

नीचे: रोटरी क्लब पुणे करवेनगर की अध्यक्ष गौरी कुलकर्णी ने डीजीएनडी शीतल शाह और सिनजेंटा के सीएसआर प्रमुख पीएस जगदीश की उपस्थिति में गुंजावने गांव के स्कूल में एक जल शोधक का उद्घाटन किया।

इस जल परियोजना का फायदा ये भी हुआ कि पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कई बच्चे जब अपने घरों से स्कूल जाते हैं, कभी-कभी 3-4 किमी की दूरी पर, अब उनकी प्यास बुझाने के लिए पानी की बोतलों में पर्याप्त सुरक्षित पानी उपलब्ध रहता है। अमोनकर बताते हैं कि कई गांवों में स्कूल से दूर रहने वाले छात्रों के लिए कोई परिवहन सुविधा नहीं है, जैसे बस, और पैदल स्कूल जाना ही एकमात्र विकल्प है।

जिस प्रोजेक्ट की चर्चा 2019 में शुरू हुई थी, उसमें देरी होने पर

अमोनकर, जिनकी पत्नी आशा उस साल क्लब की अध्यक्ष थीं, कहते हैं कि कोविड की वजह से कई बार प्रोजेक्ट का काम बाधित हुआ. दोनों लॉकडाउन ने भी उन्हें बुरी तरह प्रभावित किया क्योंकि स्कूल बंद थे और न तो स्टाफ और न ही कर्मचारी उपलब्ध थे।

लेकिन ''कई उतार चढ़ाव देखने के बावजूद हमने परियोजना पूरी कर ली है और नदी/जल धाराओं से स्कूलों को पंप किया जाने वाला पानी अब शुद्ध है और पीने के लिए सुरक्षित है। इस जल शोधन परियोजना से कुल मिलाकर 2,500 बच्चे लाभान्वित होंगे। प्यूरिफायर की निरंतरता और दीर्घकालिक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, क्लब ने इन इकाइयों का दो साल के लिए इंस्टॉलरों के साथ एक एएमसी किया है,'' वह कहते हैं।

परियोजना का उद्घाटन 2021 के अंत में तत्कालीन रो ई मंडल 3131 के DGND शीतल शाह ने किया था, जिन्होंने महामारी के साथ आई कई परेशानियों और कमियों के बावजूद सावधानीपूर्वक विस्तृत योजना बनाने और परियोजना के साथ डटे रहने के लिए क्लब की सराहना की। लगभग 25 वर्षों से छत्रपति शिवाजी की राजधानी राजगढ़ किले की तलहटी में स्थित गुंजावने गांव स्थित स्कूल में परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर सिजेंटा सीएसआर प्रमुख जगदीश और क्लब अध्यक्ष गौरी कुलकर्णी भी मौजूद थे।

छात्रों के साथ गुंजावने गांव के स्कूल के प्रधानाचार्य हेमंत कांबले।

वेल्हे तालुक के नौ गांवों में ₹52 लाख की परियोजना मुख्य रूप से ड्यूरोशॉक्स के सीएसआर कोष से वित्त पोषित है, जिसमें ₹7 लाख रो ई मंडल 3131 द्वारा दिए गए हैं।

जगदीश ने कहा: ''हमारे देश में समाज की उन्नति के लिए, रोटरी द्वारा दूरदराज स्थित गांवों में किए जा रहे कार्यों की मैं तहे दिल से प्रशंसा करता हूं। हमारी कंपनी इन जगहों के बारे में कभी नहीं जान पाती अगर हम रोटरी क्लब पुणे करवेनगर से जुड़े नहीं होते। हम भविष्य में भी रोटरी के साथ काम जारी रखना चाहेंगे।'' गुंजावणे स्कूल के प्रिंसिपल हेमंत कांबले और गांव के वरिष्ठ लोगों ने भी आभार व्यक्त किया और पिछले तीन वर्षों से स्कूल का सहयोग करने के लिए क्लब के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

रो ई मंडल 3131 द्वारा पोषित एक अन्य परियोजना के अंतर्गत, रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड, पुणे से लगभग 90 किमी दूर, वेल्हे तालुक में नौ गांवों के एक समूह का पर्यावरण के अनुकूल विकास कर रहा है, जिसके तहत ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध

कराने के साथ इन गांवों में सिंचाई के लिए अधिक पानी उपलब्ध हो सकेगा।

उमेश कुमार जालान, क्लब के अध्यक्ष-निर्वाचित ने बताया कि मुख्य रूप से ₹52 लाख की यह परियोजना सीएसआर की धनराशि से वित्त पोषित है, जिसमें ₹7 लाख डिस्ट्रिक्ट द्वारा जुटाए गए हैं। सर्वेक्षण के दौरान, क्लब के सदस्यों ने देखा कि इस परियोजना के वेल्हे तालुक के नौ गांवों के समूह के लगभग 4,000 लोग, जो पानी पी रहे हैं, वह अत्यधिक दूषित है। ''उनके पानी का मुख्य स्रोत नदी, जल धाराओं या संग्रहीत वर्षा जल है और हम यह जानकर चौंक गए कि वे पीने के उस पानी को कपड़े से भी नहीं छानते, मोमबत्ती फिल्टर का प्रयोग तो बहुत दूर की बात है।''

जिसकी वजह से वे आये दिन जल संक्रामक रोगों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए, क्लब के सदस्यों ने ग्रामीण लोगों को पीने और खाना पकाने के लिए सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने के लिए इन गांवों में जल वितरण एटीएम लगाने का निर्णय लिया।

जालान कहते हैं, ''हमने नौ गांवों में आठ एटीएम लगाए हैं और इस पर्यावरण-अनुकूल परियोजना से लगभग 4,000 लोगों को फायदा होगा।'' वह बताते हैं कि प्रत्येक बार प्री-लोडेड एटीएम कार्ड का उपयोग कर एक बार बटन दबाने से एटीएम से 20 लीटर सुरक्षित और फ़िल्टर्ड पानी निकाला जा सकता है। ''यह बैंक के एटीएम कार्ड की तरह ही हैं और स्थानीय पंचायत के नेता, जिन्हें इन एटीएम को बनाए रखने और चलाने की जिम्मेदारी भी दी गई है, यह तय कर सकते हैं कि हर 20 लीटर के लिए कितना शुल्क लिया जाए, ₹3 या ₹5।

इनलेट और आउटलेट वाटर स्टोरेज टैंक वाले एटीएम, एक्वा प्लस-मेक फिल्ट्रेशन यूनिट, केबिन खड़ा कर उसके भीतर, गांवों के बीच स्थापित किए गए थे।

इन एटीएम के अलावा, किसानों को उनकी सिंचाई के लिए पानी की नियमित आपूर्ति में मदद करने के लिए क्लब के सदस्यों ने वर्षा जल संचयन के माध्यम से खेत के भीतर 20 तालाब भी बनाए हैं। जालान बताते हैं कि ये मुख्य रूप से उपेक्षित समूहों के, हाशिये पर पहुंचे किसानों के लिए बनाये थे ताकि वे एक साल में दूसरी या तीसरी फसल भी ले

वाटर प्यूरीफायर, प्रत्येक की कीमत

₹26,000, 52

स्कूल में स्थापित किए गए थे

नीचे: *वेल्हे तालुक के एक गांव में रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड द्वारा स्थापित बायोडाइजेस्टर गैस प्लांट।*

सकें। टैंक की भंडारण क्षमता 300,000 से 500,000 लीटर के बीच है और इन तालाबों में पानी की प्रचुर उपलब्धता ने इन किसानों को मछली पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय बढ़ाने के अवसर दे दिए हैं।

पर्यावरण के अनुकूल, अगली स्थायी परियोजना थी, 60 बायोडाइजेस्टर गैस संयंत्र स्थापित करना जो टिकाऊ है और दीर्घकालिक हैं क्योंकि वे गाय के गोबर से गैस पैदा कर सकते हैं। बायोगैस संयंत्र एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें ऑक्सीजन रहित स्थिति में अवायवीय पाचन हो सकता है। सीधे शब्दों में कहें, यह एक कृत्रिम प्रणाली है जिसमें आप कचरे को स्थायी ऊर्जा और उर्वरकों में बदल कर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल

रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड के अध्यक्ष गणेश नटराजन ने वाटर एटीएम का उद्घाटन किया।

सकते हैं। बायोडाइजेस्टर टैंकों या गड्ढों में गोबर और पानी डालने से रसोई गैस उत्पन्न होती है, जो गैस ट्यूब के माध्यम से घर में रखे गैस स्टोव तक पहुँचती है। यह लकड़ी जलने से बचाता है, खाना जल्दी बनाता है, जिससे समय की बचत होती है। इसका मुख्य लाभ ग्रामीणों और उनके पशुओं को है जिन्हें जीने के लिए स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल वातावरण मिलता है, जालान कहते हैं।

क्लब के अध्यक्ष गणेश नटराजन बोले कि ₹52 लाख लागत की इस

कृषि उत्पाद बनाने वाली कंपनी सिंजेन्टा ने अपने सीएसआर फंड में से ₹14.6 लाख दिए।

सीएसआर परियोजना की अधिकाँश राशि क्लब की पूर्व अध्यक्ष नीरू गोयल की अपनी कंपनी डुरोशॉक्स द्वारा वित्त पोषित है, जबकि ₹7 लाख रो ई मंडल के अनुदान से मिले हैं। यह परियोजना सितंबर 2020 में पूरी हुई थी।

रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड क्लब के सदस्य ग्रामीणों की जरूरतों का निरंतर आकलन कर रहे हैं और क्लब उनकी अतिरिक्त सहायता कर सकता है "ताकि हम वास्तव में, गांव में पूर्ण रूप से पर्यावरण के अनुकूल का परिवेश विकसित कर सकें।" ■

चलिए हम एक नई दुनिया में प्रवेश करें: माशेलकर

वी मुत्तुकुमारन

प्रख्यात वैज्ञानिक और गांधीवादी इंजीनियरिंग के अग्रणी आर ए माशेलकर ने कहा कि भारत को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एक नए प्रतिमान पर छलांग लगाने के लिए टियर-2 शहरों और गांवों में जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जिससे समाज में एक क्रांतिकारी एवं स्थायी परिवर्तन उत्पन्न होगा।

विशाखा विस्टा के उद्घाटन अवसर पर इस प्रख्यात वैज्ञानिक, जो पेशे से एक केमिकल इंजीनियर है, ने कहा, ''देश को छोटी छलांग नहीं बल्कि लंबी छलांग लगाने के बारे में सोचना होगा ताकि युवा वैज्ञानिक, टेक्नोप्रेन्योर और विचारक उनके दृष्टिकोण को समझ सकें। यह क्रांतिकारी परिवर्तन एक नई दुनिया के लिए उत्पादों एवं सेवाओं के एक पूर्णतम नवीन सेट के साथ एक सामाजिक क्रांति लाएगा।'' भारतीय वैज्ञानिकों को केवल सर्वोत्तम प्रथाओं से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि 'अगले अभ्यास' के लिए तैयार रहना चाहिए। ''जोखिम भरे विचारों पर दांव लगाने के मेरे प्रयोगों ने साबित कर दिया है कि 3टी - टैलेंट (प्रतिभा), टेक्नॉलजी (प्रौद्योगिकी) और ट्रस्ट (विश्वास) - विकास के प्रमुख चालक है। मोबाइल टेलीफोनी में रिलायंस जियो के प्रवेश के बाद भारत पिछले कुछ वर्षों में मोबाइल डेटा उपयोग में 155वें स्थान से प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। मोबाइल कनेक्टिव की गति और पैमाने नई ऊंचाइयों पर पहुँच गए है,'' उन्होंने कहा।

स्थानीय अन्वेषकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए रिलायंस इनोवेशन काउंसिल (RIC) की स्थापना की। ''RIC में बियॉन्डर्स नवोदित और युवा ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए एक मेंटरशिप कार्यक्रम है... जिन लोगों के पास अपने खुद के पथ-प्रदर्शक विचार है जिससे बड़े पैमाने पर स्थायी उत्पाद का निर्माण किया जा सकता है - यह एक लंबी छलांग लगाने का प्रयास है,'' CSIR के पूर्व महानिदेशक ने कहा। वर्तमान में रिलायंस की न्यू एनर्जी काउंसिल के प्रमुख, माशेलकर ने कहा कि बायोसेंस के सह-संस्थापक मिश्किन इंगावले और अगतसा के संस्थापक-सीईओ, राहुल रस्तोगी जैसे युवा वैज्ञानिकों ने अपनी विघटनकारी, नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ वैश्विक सुर्खियां बटोरी है।

जहाँ इंगावाले ने एक सुई-मुक्त, दर्द रहित हीमोग्लोबिन परीक्षण और मूत्र परीक्षण के लिए

वैज्ञानिक आर ए माशेलकर को रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और RIPN स्टेफनी अर्चिक ने PRIP शेखर मेहता और रो ई निदेशक महेश कोटबागी की उपस्थिति में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया।

एक स्मार्टफोन ऐप का आविष्कार किया, वहीं रस्तोगी ने दिल की जांच के लिए एक पॉकेट-साइज ECG डिवाइस, संकेत लाइफ डिजाइन किया है और स्तन कैंसर की जांच के लिए कम लागत और बिना चीर-फाड़ वाली जांच का आविष्कार किया है। उन्होंने कहा, ''अगर नवाचार किफायती, बड़े पैमाने का, सार्वभौमिक (अनुप्रयोगों में) और लचीला हो तो लंबी छलांग में सफलता सुनिश्चित है। लेकिन जोखिम से बचने की मानसिकता आमूल-चूल परिवर्तनों के लिए घातक है।''

उन्होंने कहा कि भारत के यूनिकॉर्न (एक बिलियन डॉलर से अधिक बाजार पूंजीकरण वाले स्टार्टअप) में एक नया वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की अपार क्षमता है। गोवा के माशेल गांव में एक गरीब परिवार में जन्मे, ''जहाँ दिन में दो बार का भोजन प्राप्त करना भी तब एक चुनौती थी और मैंने स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ाई की। मैं तब स्कूल छोड़ने ही वाला था कि तब मुझे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए ₹60 प्रति माह की टाटा छात्रवृत्ति मिली। उद्देश्य और दृढ़ता के साथ, मानव के धीरज, कल्पना और उपलब्धियों की कोई सीमा नहीं होती,'' उन्होंने आगे कहा।

इंस्टिट्यूट को संबोधित करते हुए मिजोरम के राज्यपाल के हरि बाबू ने कहा कि आज हम पोलियो के वैश्विक उन्मूलन की दहलीज पर खड़े हैं और इतनी बड़ी सफलता रोटरी और सरकारों की सहभागिता के बगैर संभव नहीं थी जिसने इसके हितधारकों में आपसी समन्वय स्थापित किया था।

रो ई अपने निष्पक्ष, व्यापक दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है जो विश्व में शान्ति लाने और प्रसन्न समाज के निर्माण में क्रियाशील है। इसने 4-वे टेस्ट के साथ एक सार्वभौमिक आदर्श की रचना की है।''

अमेरिकी विश्वविद्यालयों और अमेरिकी रक्षा विभाग के बीच हुई साझेदारी को

मिजोरम के राज्यपाल के हरि बाबू (बाएं से दूसरे) को PRID पी टी प्रभाकर और रो ई निदेशक कोटबागी द्वारा सम्मानित किया गया। चित्र में संस्तान के अध्यक्ष किशोर कुमार और उनकी पत्नी शोभा और पीडीजी रंजन ढींगरा भी शामिल हैं।

याद करते हुए, जिसने 1980 के दशक के प्रारम्भ में इंटरनेट के विकास के लिए अति उच्च कोटि के शैक्षणिक अनुसंधान को वित्त पोषित किया, बाबू ने कहा, ''इस सहयोग को धन्यवाद है, आज हमारे पास अद्भुत तकनीकी उपकरण हैं जो मानवता के लिए कई प्रकार से लाभदायक हैं।'' सरकारों को अपने कार्यक्रमों और कल्याणकारी योजनाओं की सफलता सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ काम करने के लिए रोटरी और रेड क्रॉस सोसाइटी जैसे गैर सरकारी संगठनों की आवश्यकता है।

भारत में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और रतन टाटा ट्रस्ट जैसे निजी दानदाता हैं जो कई चुनौतियों का सामना करते हुए विभिन्न मोर्चों पर कार्य करते हैं। हाल ही में, मराठवाड़ा क्षेत्र में कुशल सिंचाई मॉडल प्रदान करने और जल संरक्षण पर जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रहे महिला किसानों के एक समूह स्वयं शिक्षण प्रयोग ने मिस्र में COP 27 जलवायु परिवर्तन वार्ता में लोकल अडॉप्शन चैम्पियन पुरस्कार जीता है। उन्होंने कहा कि एक अन्य सक्रिय समूह क्राई-चाइल्ड राइट्स एंड यू- केंद्र और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में गरीब बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवा रहा है।

रोटरी और सरकारों के बीच साझेदारी के बिना पोलियो उन्मूलन की सफलता संभव नहीं होती।

राज्य के पूर्व विधायक और पूर्व सांसद ने कहा कि विशाखापत्तनम में रोटरी इंस्टिट्यूट का आयोजन ''स्थानीय सरकार को समुदायों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचने में सहायक होगा। इसके अलावा, 1,000 से अधिक रोटेरियन के यहां आने से ये और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा।''

इससे पहले गवर्नर का परिचय देते हुए, PRID पीटी प्रभाकर ने कहा कि ''भारत सरकार ने पोलियो के खिलाफ लड़ाई में रोटरी के साथ हाथ मिलाया है और पोलियोप्लस अभियान और जागरूकता अभियानों की बड़ी सफलता को हमारे सहयोगी दृष्टिकोण के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।'' सेवा परियोजनाओं के इष्टतम परिणामों के लिए, ''रोटरी को सरकार द्वारा सहायता और सुविधा की आवश्यकता है। पोलियो के बाद, भारत सरकार ने खसरा और रूबेला उन्मूलन कार्यक्रमों में हमारे साथ अनुबंध किया है। इसी तरह, हम बेहतर पहुंच और प्रभाव के लिए कैंसर स्क्रीनिंग और रोकथाम जैसी अन्य स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाओं के लिए भी साझेदारी कर सकते हैं।''

चित्र: रशीदा भगत

जल साक्षरता और समुदाय संचालित जल प्रबंधन शुरू करें

रशीदा भगत

वैज़ाग इंस्टिट्यूट में सबसे प्रभावशाली और मुखर सत्रों में से एक रो ई अध्यक्ष पद के उम्मीदवार स्वर्गीय सुशील गुप्ता की स्मृति को समर्पित था, जिन्होंने जल संरक्षण और बचाव को रोटरी के नक्शे पर रखा था।

जल प्रबंधन परियोजनाओं पर रोटरी के साथ काम कर चुके भारत के जल पुरुष के नाम से मशहूर मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह ने लोगों को पानी का इस्तेमाल ''सम्मान के साथ'' करने की सीख देने की जोरदार अपील करते हुए कुछ खतरनाक आंकड़े भी प्रस्तुत किए। ''भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, भारत के 72 प्रतिशत भूजल संसाधनों का आवश्यकता से अधिक दोहन हो रहा है। रोटरी ने भारत से पोलियो को उन्मूलित करने का महान काम किया है और अभी भी दुनिया के बाकी हिस्सों से इसे खत्म करने के लिए इसका काम जारी है। लेकिन एक और अधिक खतरनाक और चिंताजनक समस्या हमारे अत्यधिक इस्तेमाल किए जा चुके भूजल संसाधन की है। एक बार जब आपकी पृथ्वी पर पानी नहीं होगा, तो आरबीआई की मुद्रा का भी कोई मूल्य नहीं होगा क्योंकि केवल पानी की उपस्थिति से ही हमारा जीवन आराम से कट सकता है।''

''हमारी आधुनिक शिक्षा प्रणाली जो निष्कर्षण, प्रदूषण और अतिक्रमण'' पर जोर देती है, पर बरसते हुए, सिंह ने कहा कि उस सुबह जब वह दर्शन के लिए विजाग के सबसे प्रसिद्ध मंदिर गए, तो ''मैंने पाया कि मंदिर के

जब आपकी पृथ्वी पर पानी नहीं होगा, तो आरबीआई की मुद्रा का भी कोई मूल्य नहीं होगा क्योंकि केवल पानी की उपस्थिति से ही हमारा जीवन आराम से कट सकता है।

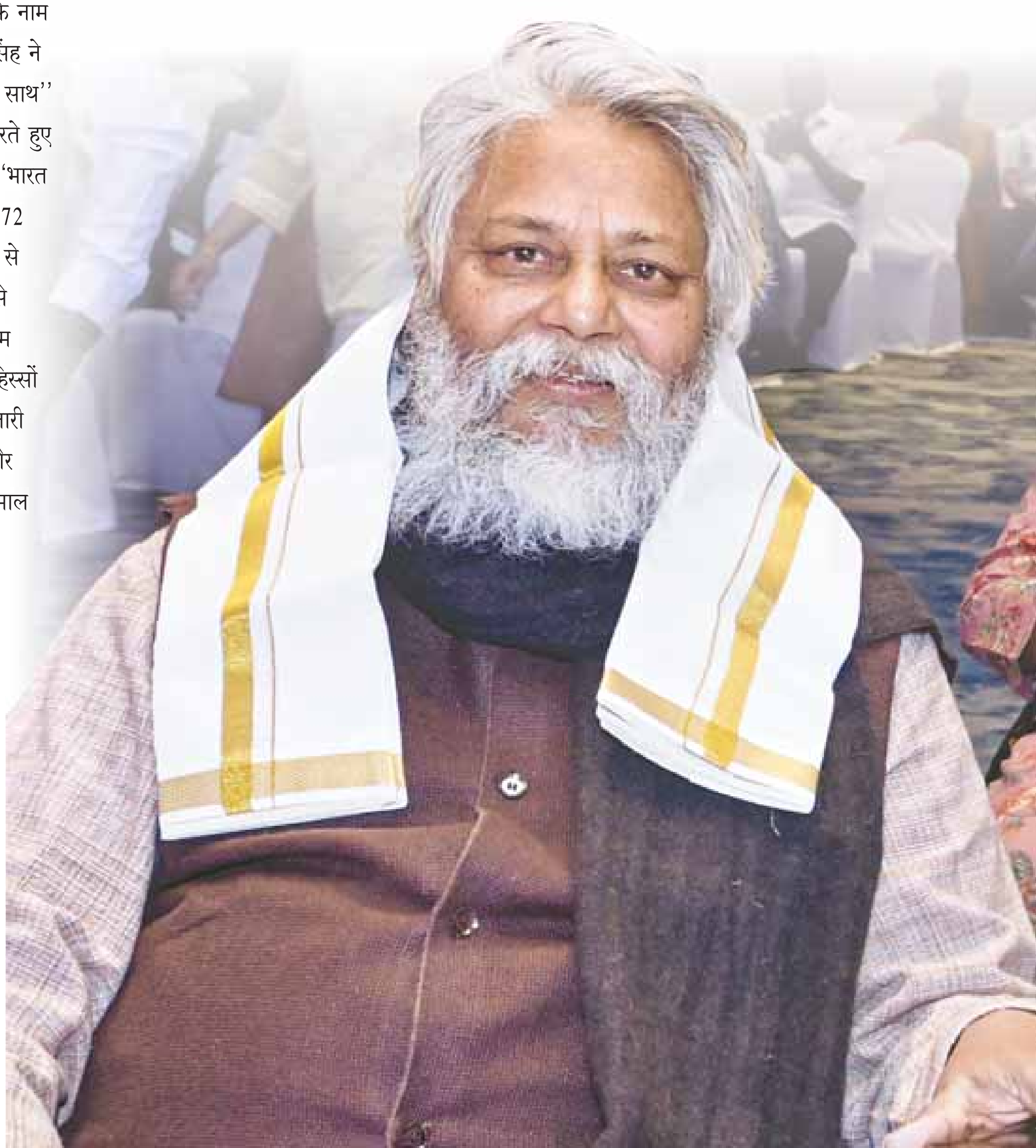

सामने स्थित मुनी पर्वत बुरी तरह से नष्ट हो चुका था। अब उस पहाड़ को किसने काटा? आंध्र प्रदेश सरकार। हमारी सरकारों और समुदायों को लगता है कि शिक्षा को हमें प्रकृति और उसके संसाधनों को नष्ट करना सिखाना चाहिए; और हमारी तकनीक और इंजीनियरिंग हमें सिखाती है कि कैसे न्यूनतम समय में हम जमीन से अधिकतम निष्कर्षण कर सकते है। अगर ऐसे इंजीनियरों/निष्कासकों को इतने बड़े-बड़े पैकेज मिलते है, तो हमारी आधुनिक शिक्षा प्रणाली में बहुत खामियाँ है।''

दर्शकों में PRIP शेखर मेहता की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने कहा, ''शेखर बहुत उत्साहित है और अगले 10 वर्षों में वह हजारों तालाब, रोधक बांधों, जल निकायों का निर्माण करना चाहते है और हमारी सरकार भी इस बात से बहुत उत्साहित है कि कुछ ही समय में वह सभी को पानी प्रदान कर पाएगी। जिसका लोकप्रिय नारा है हर घर में नल हर घर में जल। लेकिन ये सब खोखली बातें है क्योंकि इन वादों को पूरा करने के लिए हमारी पानी की टंकियों में पानी नहीं है।''

यहीं पर रोटरी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है; रोटेरियनों को सरकार को यह समझाना होगा कि ''निष्कर्षण पर ध्यान केंद्रित करने वाली शिक्षा के बजाय हमें इसे प्रकृति के अनुकूल बनाना चाहिए। जब तक आप शिक्षा प्रणाली को नहीं बदलेंगे तब तक आप प्रदूषण, निष्कर्षण या अतिक्रमण को रोक नहीं सकेंगे। आज सबसे बड़ी अतिक्रमणकारी और शोषक सरकार है। अगर इस देश को जल समृद्ध बनना है, तो हमें हर किसी की भलाई के बारे में सोचना होगा और केवल रोटरी जैसे संस्थान ही हमारी सरकारों को आईना दिखा सकते है।''

लोकप्रिय नारा *हर घर में नल हर घर में जल* खोखली बातें है क्योंकि इन वादों को पूरा करने के लिए हमारी पानी की टंकियों में पानी नहीं है।

भारत के वाटरमैन राजेंद्र सिंह और राष्ट्रीय जल मिशन की निदेशक अर्चना वर्मा।

संस्थान में वरिष्ठ रोटेरियनों के लिए सिंह का महत्वपूर्ण संदेश सरल था: ''उस अत्यावश्यक पुल के भूमिका निभाइए; जब मैं बात करता हूँ, तो हमेशा सीधे शब्दों में बात करता हूँ, लेकिन आप इसे सही तरह से अभिव्यक्त कर सकते है, जो मैं नहीं कर सकता क्योंकि मैंने ऐसा करना कभी सीखा नहीं है!''

लेकिन रोटेरियन सरकार को उचित ढंग से अभिव्यक्त करके समझा सकते है कि हम प्रत्येक नागरिक तक जल पहुंचाने के लिए जितना भी पैसा खर्च कर रहे है, और हर घर में जल पहुँचाने का जो सपना देख रहे है वो केवल तभी ''फलीभूत होगा जब हम बादल से निकली हुई हर बूंद को अपने प्यार से पकड़ना सीख लेंगे। एक बार जब हम ऐसा कर लेंगे तो हमें पता चल जाएगा कि उस पानी को इज़्ज़त के साथ कैसे खर्च करना है।''

सरकार से बात करते हुए, रोटरी जैसे संगठन ही यह समझा सकते है कि ''हमें पानी का कुशल उपयोग करना सीखना होगा वरना भले ही हम कितने भी बांध या जल निकाय बना लें, यह कभी पर्याप्त नहीं होंगे।''

विकेंद्रीकृत जल प्रबंधन की वकालत करने के बाद, सिंह ने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण

हमारी फसल और बारिश के पैटर्न को एकीकृत करें

भारत के जल पुरुष' राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में पानी की बढ़ती कमी से संबंधित एक बड़ी समस्या कृषि के लिए भारत में पानी का प्रचुर उपयोग है। ''जब कृषि में 80 प्रतिशत पानी का उपयोग किया जा रहा है, और जब आपकी कृषि आपका व्यवसाय बन गई है, तो आप केवल अपनी खेती पर भारी मात्रा में पानी खर्च करेंगे।''

उन्होंने आगे कहा कि पिछले 15 वर्षों से ''मैं हमारी सरकार को बता रहा हूँ कि भारत कई भू-पारिस्थितिक जलवायु क्षेत्रों में विभाजित है, इसलिए हमारी जलीय विविधता का सम्मान किया जाना चाहिए और हमारे कृषि पैटर्न को हमारे बारिश के पैटर्न से एकीकृत किया जाना चाहिए। जिस दिन भारत अपने कृषि पैटर्न को हमारे बारिश के पैटर्न से जोड़ देगा, उस दिन से हम वर्तमान में कृषि में उपयोग किए जाने वाले जल का 40 प्रतिशत हिस्सा बचाने में सक्षम होंगे,'' उन्होंने कहा।

संदेह जताते हुए, उन्होंने कहा कि यह काम कौन करेगा। ''कोई नहीं, क्योंकि इस काम में कोई पैसा नहीं है, कोई अनुबंध नहीं है; और बिना पैसे के काम सरकारे नहीं करती। सरकारें तभी सुनेंगी जब रोटरी

आवश्यकता ''जल साक्षरता आंदोलन की है। इसके बिना बड़ी जल परियोजनाएं सफल नहीं होंगी क्योंकि हमारे फसल पैटर्न ऐसे है जिन्हें भारी मात्रा में जल की आवश्यकता होती है। इसके अलावा हम उन उद्योगों का समर्थन कर रहे है जो हमारी जल धाराओं को प्रदूषित करके हमारे जल स्रोतों को नष्ट कर रहे है। देखिए गोदावरी नदी कैसे प्रदूषित हो गई है।''

मेहता और रोटरी से जल साक्षरता आंदोलन शुरू करने का आग्रह करते हुए, उन्होंने कहा कि पानी का अधिकांश काम छोटी धाराओं के माध्यम से करना होगा। इस आंदोलन को सरल रखें। अगर यह संस्थान विकेंद्रीकृत जल संरक्षण और पानी के कुशल, प्रभावशाली एवं विचारशील उपयोग को गति दे पाएगा, तो ''मैं आपसे वादा करता हूँ कि विश्व सूखा एवं बाढ़ आयोग के हाल ही में नियुक्त अध्यक्ष के रूप में 10 साल के अपने कार्यकाल के दौरान मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह विश्व आयोग आपका समर्थन करें।''

अपना भाषण समाप्त करते हुए, PRIP मेहता ने उन्हें मौके पर आश्वासन दिया कि ''हम 10,000 जल-विभाजक और जल कायाकल्प कार्यक्रम करने की योजना बना रहे

बाएं से: पीडीजी रंजन ढींगरा, राजेंद्र सिंह और रो ई निदेशक महेश कोटबागी।

जैसे मजबूत और प्रभावशाली संगठन इस बात का दबाव बनाएंगे।''

रोटेरियनों से देश में अच्छा करने के लिए बोलने का आग्रह करते हुए, सिंह ने कहा: ''यह बोलने का समय है; भारत के घटते भूमिगत जल संसाधनों की मांग है कि आप अपनी आवाज़ उठाएं।''

उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में वह 127 देशों में गए है और देखा है कि कैसे पानी से जुड़े विभिन्न कारणों से लोग विस्थापित हुए है। आज दुनिया में बहुत संकट है और बाढ़ एवं सूखे के कारण लोग बड़ी संख्या में विस्थापित हुए है। ''लोगों को दूसरे देशों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है जहाँ उनका स्वागत नहीं किया जाता। जब अफ्रीकी लोग विस्थापन की वजह से यूरोप पहुँचे तो यूरोपीय लोगों ने उन्हें जलवायु शरणार्थी कहकर बुलाया।''

इसलिए तनाव बढ़ता है; पहले के दो विश्व युद्ध की वजह और तरीके अलग थे, लेकिन अगर तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो इन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता को डर है कि वह पानी की वजह से लड़ा जाएगा और हर जगह लड़ा जाएगा; इस तीसरे विश्व युद्ध से कोई भी नहीं बच पाएगा।

है और आपसे वादा करते है कि सभी कार्य केवल सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से किए जाएंगे।''

जल सत्र को संबोधित करते हुए, राष्ट्रीय जल मिशन की निदेशक अर्चना वर्मा ने एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अपने तैयार भाषण को एक तरफ रखते हुए, उन्होंने कहा कि जब बात पानी की हो तो शब्दों को ''दिल से निकलना चाहिए।''

उन्होंने सभी नागरिकों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आग्रह करते हुए कहा कि ''पानी एक प्राकृतिक उत्पाद है, इसलिए इसे बर्बाद न करें। मेरा एकमात्र मिशन पानी को लेकर विकृत मानसिकता को तोड़ना है। मेरे लिए सतही जल, भूजल, पेयजल जैसा कुछ नहीं है। पानी तो पानी है, लेकिन नीतिगत कार्यान्वयन के लिए हमने इसे विविध मानसिकताओं में विभाजित किया है और मेरे हिसाब से समस्या यहीं है क्योंकि मनुष्यों की तरह पानी विविधताओं में मौजूद नहीं हो सकता।''

जब हम बादल से निकली हुई हर बूंद को अपने प्यार से पकड़ना सीख लेंगे। एक बार जब हम ऐसा कर लेंगे तो हमें पता चल जाएगा कि उस पानी को इज़्ज़त के साथ कैसे खर्च करना है।

जल मिशन के निदेशक के रूप में उनका ''दृष्टिकोण विकृत मानसिकताओं को तोड़ना'' था और इस उद्देश्य के लिए 5 और 6 जनवरी को भोपाल में जल संसाधन के लिए राज्य मंत्रियों की पहली बैठक आयोजित की जाएगी। यहाँ जल प्रशासन, बुनियादी ढांचे, संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी आदि जैसे विषयों पर चर्चा होगी जो जल मिशन के मुख्य उद्देश्य थे। वे पानी के आंकड़ों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर भी चर्चा करेंगे ताकि जनता भी इसे आसानी से देख सकें।

उनकी एक अन्य परिकल्पना जल संरक्षण थी और ''यहीं पर एक नागरिक के रूप में आपकी भूमिका शुरू होती है। हम PDG रंजन

रोटरी कुछ बोलो

जल कार्यकर्ता राजेंद्र सिंह ने दर्शकों के लिए कुछ कठिन सवाल छोड़े। "जिस देश के भूमिगत जल संसाधनों के 72 प्रतिशत से अधिक हिस्से का आवश्यकता से अधिक दोहन किया जा चुका हो वह देश कैसे बचेगा? और आप ऐसे देश के लोगों को झूठे वादे कैसे दे सकते है जैसे कि हर घर में नल, हर घर में जल? अगर आप चाहते है कि हर नल में पानी आये, तो पहले अपने तालाबों में थोड़ा पानी दें।"

एक बार फिर PRIP मेहता को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, "अगर आप को काम करना है शेखर भाई तो फिर बोलना पड़ेगा.. सिर्फ प्यार से काम नहीं चलेगा। यदि रोटरी सार्थक काम करना चाहती है तो रोटेरियनों को बोलना होगा, सरकार के साथ बातचीत शुरू करके उसे समुदाय-संचालित, विकेंद्रीकृत जल प्रबंधन की पूर्ण आवश्यकता के बारे में समझाना होगा, जो केवल तभी संभव है जब जल परियोजनाओं को ठेकेदारों से मुक्त किया जाएगा।"

ठेकेदारों से मुक्त ऐसे जल प्रबंधन का एक सफल उदाहरण देते हुए, सिंह ने कहा कि जब देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र (जो भारी जल संकट का सामना करता है) के मुख्यमंत्री बने, "उन्होंने मुझसे बात की और कहा 'अब जब मैं मुख्यमंत्री बन गया हूँ तो मुझे बताएं कि मुझे महाराष्ट्र की जल समस्याओं के बारे में क्या करना चाहिए।' इसलिए मैंने उनसे कहा, 'सबसे पहले, बड़े बांधों/जल निकायों का निर्माण बंद करें और जल युक्त शिवर स्थापित करें।' उन्होंने मुझे दिशानिर्देश और जमीनी स्तर के नियम तय करने के लिए कहा। मैंने कहा कि मैं ऐसा एक ही शर्त पर करूंगा कि इस बार काम ठेकेदारों द्वारा नहीं बल्कि समुदाय द्वारा करवाया जाएगा।"

ठेकेदारों पर उनकी आपत्ति इसलिए है क्योंकि "जब वे जल परियोजनाएं करते है, तो उनका एकमात्र उद्देश्य केवल लाभ प्राप्त करना होता है, लेकिन जब समुदाय शामिल हो जाता है, तो उन्हें चिंता होती है कि सभी लोगों को पानी मिलें। बेशक, समुदाय में भ्रष्ट लोग भी है लेकिन ऐसा काम करते समय वे केवल लोगों के सामान्य कल्याण के बारे में सोचते है।"

फडणवीस ने उनकी सलाह मानी और जल युक्ति शिवर के लिए पहले वर्ष 300 करोड़ और अगले वर्ष ₹700 करोड़ आवंटित किए। लेकिन फिर अचानक एक निर्णय लिया गया कि ₹3 लाख से अधिक का सारा काम एक ठेकेदार द्वारा किया जाएगा और फिर भ्रष्टाचार शुरू हो गया और काम बंद हो गया, उन्होंने कहा।

सिंह ने आगे कहा, "लेकिन वह जानते थे कि जब रोटरी जल संरक्षण या संवर्धन का काम करती है, तो इसमें स्थानीय समुदाय शामिल होता है। मुझे पता है कि (PDG) रंजन ढींगरा ने राजस्थान के शिखर में क्या किया था और जब सुशील गुप्ता भी जीवित थे, वह जल से संबंधित सभी कार्य समुदाय द्वारा करवाते थे। जब समुदाय इस तरह के काम का स्वामित्व लेता है, तो भ्रष्टाचार पीछे छूट जाता है।"

ढींगरा की अध्यक्षता वाले रोटरी इंडिया जल संरक्षण ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के अंतिम चरण में है।"

सत्र को संबोधित करते हुए, PDG ढींगरा ने दिवंगत RIPN गुप्ता को श्रद्धांजलि दी और जल संरक्षण से जुड़े सभी मुद्दों के लिए उनके जुनून एवं दिल्ली में उनके द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को याद किया जिसमें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भाग लिया था। गुप्ता ने रोई एजेंडे के पौधे को पानी दिया और रोटरी इंडिया जल संरक्षण ट्रस्ट की स्थापना की जिसने तब से लेकर अब तक यूपी, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों में ग्रामीणों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए 500 से अधिक रोधक बांध और अन्य जल-विभाजक संरचनाएं स्थापित की है। वह जल जागरूकता, संरक्षण, कुशल उपयोग और वर्षा जल संचयन के लिए व्यापक और समग्र कार्यक्रम के लिए जिम्मेदार थे, जो अब PRIP मेहता के नेतृत्व में कार्यशील है।"

सरकारें तभी सुनेंगी जब रोटरी जैसे मजबूत और प्रभावशाली संगठन इस बात का दबाव बनाएंगे। यह बोलने का समय है; भारत के घटते भूमिगत जल संसाधनों की मांग है कि आप अपनी आवाज़ उठाएं।

अब जल निकायों के संरक्षण और कायाकल्प में और भी बड़े एवं महान लक्ष्य गुप्ता की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार थे। ढींगरा ने आगे कहा, "वह पानी के उपयोग के प्रति इतने समर्पित थे कि अपने जीवन के अंतिम दिनों के दौरान भी उन्होंने मुझे हमारे द्वारा किए जा रहे काम और भावी योजनाओं पर एक प्रस्तुति तैयार करने के लिए कहा।"

चित्रः रशीदा भगत

रूसी रोटरी नेताओं का दिल्ली में प्रशिक्षण

टीम रोटरी न्यूज़

PRID मनोज देसाई (दाएं से चौथे स्थान पर) और PRID मिकेल अहलबर्ग (दाएं) आगरा में ताजमहल में रूसी प्रतिनिधियों के साथ।

कोविड महामारी के चलते अंतर्राष्ट्रीय यात्रा बेहद मुश्किल हो गई है और यूक्रेन में चल रहे युद्ध ने समस्याएं और बढ़ा दी है, हाल ही में रूस के महत्वपूर्ण रो ई मंडल 2223 के रूसी रोटरी नेताओं, DG अलेक्जेंडर, DGE मारिया गौरिलीवा और DGN एलेक्सी ने अपने पांच क्षेत्रीय निदेशकों के साथ दिल्ली में रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के दक्षिण एशिया कार्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त किया, भारत के पूर्व रो ई निदेशक मनोज देसाई कहते है।

PRID देसाई और PRID मिकेल अहलबर्ग, रो ई मंडल 2410, ने सह-अध्यक्ष के रूप में, PDG बिना देसाई के साथ मिलकर दिल्ली में प्रशिक्षण का संचालन किया। ''पिछले तीन वर्षों के दौरान स्पष्ट कारणों की वजह से व्यक्तिगत बैठक संभव नहीं हो पाई थी, लेकिन रोटरी के सभी महत्वपूर्ण मापदंडों जैसे सदस्यता, TRF को योगदान और रोटरी की सार्वजनिक छवि में सुधार करने हेतु दिया जाने वाला प्रशिक्षण, मंडल से सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने और रोटरी सदस्यों को रोटरी का आनंद लेने के लिए सभी आवश्यक अनुभव प्रदान करने के लिए आवश्यक था। रो ई स्टाफ लॉरी और फराह ने भारत में रूसियों को प्रशिक्षित करने के इस विचार का समर्थन किया और कई चुनौतियों से पार पाने में मदद की,'' देसाई ने कहा।

उन्होंने राजीव रंजन के नेतृत्व में दिल्ली में RISAO कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को भव्य, सफल और यादगार बनाने हेतु कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए धन्यवाद दिया। यह प्रशिक्षण 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित किया गया था और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए थे। उन्होंने आगे कहा, ''हम उन्हें आगरा का ताज महल दिखाने ले गए थे और वे वास्तव में रोमांचित थे।''

प्रतिनिधियों के लिए ICC अध्यक्ष नम्रता सूरी द्वारा एक रात्रिभोज भी आयोजित किया गया था और PDG शरत चंद्र और DGE नीरव द्वारा आगरा में दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया गया था।

देसाई ने आगे कहा कि इस यात्रा के दौरान रूसी रोटरी नेताओं ने जाना कि ''कैसे भारतीय रोटरी समुदाय को आगे बढ़ाते हुए उस पर बड़े प्रभाव डाल रही है और वे इस उत्साह को दोहराने एवं 11 समय ज़ोन में फैले रूस के सभी पांच क्षेत्रों में वांछित परिणाम प्राप्त करने हेतु कड़ी मेहनत करने के लिए प्रतिबद्ध है।''■

PRID गण देसाई और अहलबर्ग, और पीडीजी बीना देसाई (दाएं) रूसी प्रतिनिधियों के साथ।

ज्वाला को जलाये रखें: अध्यक्ष जोन्स

जयश्री

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स

मुझे यकीन है कि आप सभी बैचेन होंगे और अपने कार्यकाल को यादगार बनाने के लिए बहुत सारे विचारों के साथ योजनाएं तैयार कर रहे होंगे। मुझे भी विभिन्न अवसरों पर ऐसा ही महसूस हुआ, जिसमें हाल ही में वो समय भी शामिल था जब मैंने आपके अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। इसका अर्थ यह है कि आप परवाह करते है, और आप अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहते है।'' इस ज्वाला को जलाये रखिये, अबू धाबी में GETS/GNTS सेमिनार में DGE और DGN को संबोधित करते हुए रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने कहा।

उनका ज़ोर टीम को आराम और देखभाल प्रदान करने पर था। ''आप ऐसा सोचते होंगे कि आप अपना काम अच्छी तरह से कर सकते है, लेकिन यदि आप उन लोगों को विकसित करने, प्रशिक्षित करने, प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने में समय नहीं बिताते हैं जो आपके साथ काम करने जा रहे है, तो आप सफल नहीं होंगे,'' उन्होंने कहा और यह भी बताया कि कैसे एक बीमार क्लब सदस्य से मिलकर उन दोनों को खुशी हुई। जब वह हाल ही में उनकी क्लब की बैठक में शामिल हुई, तो उन्हें पता चला कि क्लब के सदस्यों में से एक को दौरा पड़ा था। ''मैंने सुझाव दिया कि हमें उनसे मिलने जाना चाहिए। लेकिन उनमें से कुछ ने कहा कि यह एक लंबी यात्रा होगी और बहुत अधिक ट्रैफिक भी मिलेगा। कुछ ने कहा कि हम उन्हें कॉल कर सकते है या ज़ूम पर उनके साथ संपर्क कर सकते है। पर मैं उनसे मिलने गई और इससे हम दोनों को बहुत खुशी हुई। मैंने उनका हाथ पकड़ा और हम दोनों रोने लगे। लेकिन यात्रा के अंत में, मैं उन्हें शांत और प्रसन्न देख सकती थी।''

आगामी मंडल नेतृत्वकर्ताओं से अपने विचार व्यक्त करते हुए, रो ई अध्यक्ष ने कहा, ''अपने सदस्यों का ख्याल रखें। भागें नहीं और न ही आसान रास्ता चुनें। अतिरिक्त कदम उठाएं। सुनिश्चित करें कि आप उनके लिए वहाँ मौजूद है क्योंकि वे भी आपके लिए मौजूद है। अपना सर्वोत्तम करें। हम सभी कहते है कि रोटरी में कोई राजनीति नहीं है। लेकिन हम जानते है यहाँ भी बहुत सारी शिकायतें और बहुत सारे आरोप लगते है। हमें एक-दूसरे के साथ बेहतर होने की जरूरत है। रोटरी को बेहतर बनाने की कोशिश करें। अपने मन से 'मेरा वर्ष' शब्द हटा दें, क्योंकि यह 'हमारी रोटरी' है।''

जोन्स ने सलाह दी कि खरपतवारों को पोषित न करें। ''आपको लंबे-लंबे ई-मेल प्राप्त होंगे, और वे आपके द्वारा किए गए हर काम के बारे में नकारात्मक बात कहेंगे। इसके बजाय फूलों को पानी देने में समय बिताएं, उन लोगों का पोषित करें जो आपके साथ आगे बढ़ना चाहते है और आप अपने कार्यकाल के अंत तक एक विकसित हो जायेंगे। मुझे पता है कि मैं पांच महीने पहले की तुलना में अब एक अलग व्यक्ति बन गई हूं।''

RIPN स्टेफनी अर्चिक की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए, जोन्स ने टिप्पणी की कि उन्हें अब तक अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में औपचारिक रूप से उनका स्वागत करने का मौका नहीं मिला। हम एक दशक से अधिक समय से दोस्त है, उन्होंने कहा, और सभी DGN को बताया, ''जब आप स्टेफनी के साथ गवर्नर के रूप में सेवा कर रहे है,

बाएं से: अबू धाबी में GETS/GNTS के उद्घाटन कार्यक्रम में, PRID कमल संघवी, सोनल, रो ई अध्यक्ष जोन्स, DGN निक क्रायसीच, अमिता, रो ई निदेशक गण महेश कोटबागी और ए एस वेंकटेश, विनीता, उज़्मा, रो ई निदेशक फ़ैज़ किदवई, और RIDE गण अनिरुद्धा रॉयचौधरी और टी एन सुब्रमण्यन।

तो अपने नेता के रूप में उनसे बेहतर किसी के बारे में नहीं सोच सकते है।''

अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ अमेरिका से सेमिनार में आए रो ई निदेशक डू केसलर का जिक्र करते हुए, जेनिफर ने कहा, ''हमारे बच्चों, पोते-पोतियों और परिवारों के साथ मिलाकर हम सभी रोटरी में इस यात्रा को एक साथ तय करते हैं। जब भी आप अपने मंडलों में कार्यक्रमों की योजना बनाये, तो इस बात को भी सुनिश्चित करें कि आप अपने परिवार को भी साथ ले जाये। इस तरह हमें अगली पीढ़ी के नेता मिलेंगे।''

जोन्स ने प्रतिनिधियों से पूर्व नेतृत्त्वकर्ताओं की सेवाओं को स्वीकार करने और उसे याद रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''जितना ध्यान हम युवा पीढ़ी को शामिल करने पर देते है, उतना ही ध्यान हमें अतीत पर भी देना होगा। हमें जश्न मनाने और उन लोगों को ऊपर उठाने की जरूरत है जिन्होंने हमें आज इस कमरे में रहने का सौभाग्य दिया है।''

पेशे से एक जनसंपर्क और संचार विशेषज्ञ जोन्स आगामी मंडल नेतृत्वकर्ताओं को बताती हैं कि कैसे एक अच्छी एक्शन तस्वीर रोटरी की छवि को प्रभावित कर सकती है। ''हम कार्रवाई करने वाले लोग हैं। हमें यह दिखाने की जरूरत है कि हम कौन हैं और हम क्या करते हैं। जब आप अपने मंडल में एक सेवा परियोजना का उद्घाटन करते हैं, तो लाभार्थियों और उनके प्रसन्न चेहरों पर अपना कैमरा केंद्रित करें। जब आप अपने प्रशिक्षण सत्र करते हैं, तो बातचीत में लगे रोटेरियन की तस्वीरें लें, न कि उनके मगशॉट्स। लोगों को यह देखने की जरूरत है कि हम उद्देश्य और उत्कृष्टता वाले लोग हैं। इस तथ्य को कम मत आंकिये कि हमें दुनिया को बदलने का अवसर दिया गया है।''

रो ई उपाध्यक्ष निकी स्कॉट, महासचिव जॉन ह्यूको और RID गण महेश कोटबागी, ए एस वेंकटेश, मुहम्मद फैज किदवई, विकी पुलित्ज और केसलर की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए, जोन्स ने मजाकिया लहजे में कहा, ''बोर्ड के लगभग 90 प्रतिशत सदस्य यहां मौजूद है और मुझे लगता है कि हम बोर्ड की बैठक बुला सकते है। यदि आप में से कोई भी रोटरी में कुछ बदलना चाहता है, तो हम यहां ऐसा कर सकते हैं।''

दो दिवसीय सेमिनार विजाग में आयोजित *विशाखा विस्टा* ज़ोन इंस्टीट्यूट की प्रस्तावना था और इसे रो ई के निदेशकों महेश कोटबागी और मोहम्मद फैज किदवई द्वारा संयुक्त रूप से जोन 4, 5, 6 और 7 (भारत, श्रीलंका और नेपाल) और 1B, 9 और 10 (पाकिस्तान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, फिलीपींस, ताइवान और हांगकांग) के DGE और DGN के लिए बुलाया गया था।

''जब आप खुले दिमाग से लोगों से मिलते-जुलते और सीखते है, तो आप चमत्कार कर सकते है। हमने आपको प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने, ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने और आप जो भी करते हैं उसका आनंद लेने का रास्ता दिखाया है,'' कोटबागी ने कहा, आगे यह कहते हुए कि यह आयोजन महत्वपूर्ण था ''क्योंकि आपके पास रो ई अध्यक्ष, अध्यक्ष-मनोनीत, रो ई महासचिव और निदेशक मंडल है जो आपका मार्गदर्शन और समर्थन करते है क्योंकि आप जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार है।''

यह जोन 1बी, 9 और 10 के नवनिर्वाचित मंडल नेताओं के लिए तीन वर्षों में आयोजित पहली भौतिक संगोष्ठी है। किदवई ने उनसे पर्यावरण परियोजनाओं पर अधिक जोर देने का आग्रह किया। ''हमें अब पौधे लगाने से आगे बढ़ना चाहिए। रोटरी नेताओं के रूप में हमें जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना करने वाले विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए नीति निर्माताओं को प्रभावित करने हेतु अपनी बात रखनी चाहिए।

मेरा मानना है कि दुनिया के 1.4 मिलियन रोटेरियनों में से प्रत्येक के पास लोगों को प्रभावित करने की शक्ति है।'' उस शक्ति को प्रज्वलित करें।

सामान्य प्रशिक्षक PRID कमल सांघवी ने प्रतिनिधियों से ''वहाँ पर संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया जहाँ अन्य लोग हताश हो जाते है। दुनिया की अवश्यकताऐं अधिक विविध एवं विशाल है।

दुनिया को न्यायसंगत और न्यायपूर्ण बनाना बहुत बड़ी चुनौती है मगर आपके पास ऐसा करने की शक्ति है। अपनी पूरी जान लगा दीजिए क्योंकि आप अपने मंडल और रोटरी के नेतृत्वकर्ता है।''

चित्र: जयश्री

विशाखा विस्टा झलकियाँ

रशीदा भगत

सनी का ऑटोग्राफ बैट ₹45 लाख में नीलाम!

जब सनी गावस्कर ने अपना भाषण पूरा किया, तो उनसे रो ई निदेशक महेश कोटबागी सहित कुछ रोटेरियनों ने गेंद खेलने का अनुरोध किया, और लिटिल मास्टर ने अपने बैट से गेंद, हलके से दर्शकों की तरफ उछाल दी, गेंद टेनिस बॉल ही थी।

गावस्कर को एक बार फिर से बैट उठाते देख श्रोता खुशी से चहक उठे थे, उसी समय रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स के सुझाव पर, PRIP शेखर मेहता ने पोडियम पर कदम रखा और क्रिकेटर से बल्ले पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया, जिसकी बाद में नीलामी होगी। शर्त: हर बोली जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों के लिए प्रायोजित की जाने वाली सर्जरी की संख्या के गुणक में होगी; प्रत्येक ऑपरेशन की लागत ₹1.3 लाख है। जोश- जोश में कुछ बोलियां 5 सर्जरी के साथ शुरू हुईं, लेकिन ये बेशकीमती बल्ला 35 सर्जरी (₹45.5 लाख) का आश्वासन देने वाले रो ई मंडल 3110 के डीजी पवन अग्रवाल के अधिकार में चला गया।

स्पष्ट रूप से गावस्कर, उदार परिचय, प्रशस्ति पत्र, लाइफटाइम अचीवमेन्ट पुरस्कार और रोटरी के वरिष्ठ नेताओं से प्राप्त हुए अन्य स्मृति चिन्ह पा कर अभिभूत थे, उन्होंने हल्के अंदाज में कहा: ''मैं एक छोटे से कैरी-ऑन बैग के साथ एक रात रुकने के लिए तैयार होकर आया था, लेकिन आपने जो ढेर सारे उपहार दिए हैं, मुझे लगता है कि कैरी-ऑन ला कर मैंनें गलती की, मुझे बड़ा बैग लेकर आना चाहिए था। लेकिन सच कहूँ बैग और उपहारों से ज़्यादा, आपके स्नेह और प्यार और इन सम्मानों ने मुझे भावविभोर कर दिया है। आज, आपने वास्तव में मुझे बहुत ही खास महसूस कराया है।''

इसमें यहां दिया गया ''मेरा ज़बरदस्त परिचय शामिल है, क्योंकि अमूमन जब मैं भारत में किसी कार्यक्रम में जाता हू, तो मेजबान या एमसी अक्सर यह कह कर परिचय ख़त्म कर देते हैं, 'ओह, सुनील किसी परिचय का मोहताज नहीं है।' ''

पर्यावरण - अनुकूल इंस्टिट्यूट

विशाखा विस्टा के संयोजक और रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने रोटरी के नवीनतम फोकस क्षेत्र - पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ज़ोर देने की आवश्यकता को फिर से दोहराया। इस इंस्टिट्यूट की परिकल्पना और योजना का क्रियान्वयन करते समय, किशोर (पीडीजी किशोर कुमार), ''मैंने और हमारी सभी टीमों ने इस बात पर विशेष गौर किया था कि इस आयोजन से ज़रा भी प्रदूषण ना फैले, प्लास्टिक कचरा पैदा न हो, आदि। इसलिए यहां आपको

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स, PRIP शेखर मेहता और रो ई निदेशक महेश कोटबागी, सुनील गावस्कर के साथ।

रशीदा भगत

कोई होर्डिंग नज़र नहीं आएगा, (प्लास्टिक) बैनर, या प्लास्टिक के झंडे। यहां तक कि नाम के बैज भी कार्डबोर्ड और कपड़े के बैनर से बनाए गए थे। इस तरह, अवशिष्ट उत्पादन कम से कम रखा गया है।''

पर्यावरण के प्रति जागरूक इस इंस्टिट्यूट की भावना के अनुरूप, यह योजना इतनी गहन थी कि *रन टू रीड* कार्यक्रम के बाद भी, जिसमें लगभग 1,000 लोगों ने भाग लिया था, जिन सड़कों और क्षेत्र से लोग गुजरते थे वहां कुछ ना कुछ कूड़ा तो होता ही था लेकिन वहां मौजूद स्वयंसेवकों और नगर निगम कर्मियों द्वारा इस अवशिष्ट को तुरंत साफ कर दिया जाता था। कोटबागी ने कहा कि विशाखा विस्टा में कोई कार्यक्रम पुस्तिका नहीं छापी गई, ''जो कार्यक्रम के तुरंत बाद कूड़ेदान में चली जाती है। सब कुछ डिजिटल में उपलब्ध था।''

लकड़ी की रंग-बिरंगी चूड़ियाँ, गोली-सोड़ा

एक तरफ जहाँ वाइजैग सम्मेलन ने प्रतिनिधियों को टेक्नोलोजी के स्मार्ट उपयोग और समय समय पर यथोचित संगीत की लहरियां बिखेरते एक लाइव बैंड ने प्रभावित किया, वहां छोटे छोटी बातें भी गौर करने लायक थीं। उधर सत्र के बाहर भी छटा देखते ही बनती थी उदाहरण के लिए, इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी किशोर कुमार की पत्नी शोभा ने पड़ोस के एक गांव एतिकोप्पाका के कारीगरों द्वारा तैयार की गई लकड़ी की रंगबिरंगी चूड़ियों की स्टाल पर नज़र आईं, और इसकी स्टॉल, प्रदर्शनी क्षेत्र के एक कोने में होने के बावजूद, महिला प्रतिनिधियों की भीड़ लगी रही । मैं अपनी सहयोगी जयश्री सहित बहुत से लोगों की आवाजें सुन सकती थी, क्या वो और खरीद सकती थीं। ''नहीं मैडम; यह मुफ़्त है लेकिन एक महिला के लिए सिर्फ एक, साफ़ जवाब मिलता था!''

इंस्टिट्यूट में उपलब्ध गोली सोडा एक और जोरदार आकर्षण था, और इस बार संयोजक कोट बाग़ी को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। उन्होंने *रोटरी न्यूज़* को बताया, ''जब हम बच्चे हुआ करते थे गोली सोडा बहुत पॉपुलर था और यहां पर कई बार आने पर, एक बार जब मेरी इस पर नज़र पडी तो मैंने अपनी टीम से कहा हमें इसको शामिल करना चाहिए!'' ये जबरदस्त हिट हुआ है, आप देख सकते है कितने सारे डेलीगेट्स अपने हाथ में रंग बिरंगी बोतलें लिए घूम रहे हैं।

एटिकोप्पक्का गांव से लकड़ी की चूड़ियां।

सबसे युवा प्रतिनिधि

रो ई निदेशक ड्रयु केसलर वाइजैग इंस्टिट्यूट में शरीक हुए थे अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ - जैक्सन और ब्रेंडेन - और बहुत जल्द वे सभी की आँख का तारा बन गए थे। किसी की नज़र से नहीं छूटे होंगे दो सभ्य और सुसंस्कृत बच्चे, जो अधिकांश सत्रों में बिलकुल चुपचाप बैठे रहे। एक का कहना तो ये है कि ज़्यादातर डेलीगेट्स की तुलना में उन्होंने विशाखा विस्टा के सर्वाधिक सत्रों में भाग लिया! निदेशक कोटबागी ने उन्हें मंच पर बुलाकर पुरस्कृत किया और उन्हें फरारी कार का मॉडल भेंट किया, जो प्रत्येक युवा के सपनों की कार है! ■

जयश्री

रो ई निदेशक ड्रू केसलर के बेटें जैक्सन और ब्रैंडन के साथ रो ई निदेशक कोटबागी।

Prachi & Pawan Agarwal
District Governor, RID 3110

District 3110

Approved Global Grants for Rotary 2022-23

It is heartening to note that 3 Global Grants have so far been approved by TRF in our district. The brief description of these Grants is as below :

PDG Devender Kr. Agarwal
ARRFC

PDG Sharat Chandra
DRFC

RC Rudrapur

Grant Title : **"To Treat Varicose Veins, Foot Ulcers, and Other Associated Diseases at a Charitable Hospital at Rudrapur"**.

Project Cost : US$ 38,500

RC Nainital

Grant Title : **"To Provide Medical Equipment & Ambulance for a Charitable Hospital at Bhimtal, Uttarakhand"**.

Project Cost : US$ 38,131

RC Mathura Central

Other Clubs : RC Kashipur, RC Bareilly Heights, RC Aligarh Central & RC Kanpur

Grant Title : **"Thermal Coagulation Equipment and Training for Pre-Cervical Cancer Treatment in 5 Hospitals in UP & Uttarakhand"**.

Project Cost : US$ 30,038

प्रज्ञान
RYLA
ROTARY YOUTH LEADERSHIP AWARDS - 2022-23

Host Club : Rotary Club of Mathura Central
6, 7 & 8 January 2023

Host Club : Rotary Club of Bareilly Central
11, 12 & 13 January 2023

Host Club : Rotary Club of Atulya Kanpur
6, 7 & 8 January 2023

Do follow us: @Rotary3110

District 3110 in ACTION

Mobile Mammography Van

Health Check-up Camp

Cyber Crime Workshop

Children Day Celebration

Traffic Awareness - Slogan

Children Day Celebration

E Learning Kit Distribution

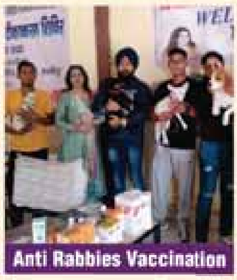
Anti Rabbies Vaccination

Food Items Distribution

Eye Check-up Camp

Rtn. Raj Mehrotra
CDS (Admin)

विशाखा विस्टा से कुछ पल

अध्यक्ष नामित स्टेफनी अर्चिक के साथ रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स। चित्र में DGN निक क्रायासीच और TRF ट्रस्टी ओरगे ओफ़्रेंक भी शामिल हैं।

सोनल संघवी, PRIP शेखर मेहता और राशि।

RIDE अनिरुद्धा रॉयचौधरी, शिप्रा और RIDE टी एन सुब्रमण्यन।

RID गण महेश कोटबागी और ए एस वेंकटेश के साथ अमिता और विनीता। RID विक्की पुलिज़ सबसे बाईं ओर दिखाई दे रही है।

रो ई निदेशक ड्रू केसलर, उनकी जीवनसाथी विक्की और बेटे जैक्सन और ब्रैंडन।

विनीता वेंकटेश और अमिता कोटबागी।

महिलाएं आंध्र प्रदेश के आदिवासी नृत्य धिम्सा का प्रदर्शन करती हुई।

बाएं से: रो ई मंडल 3141 के डीजी संदीप अग्रवाला, माधवी, टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या, रो ई मंडल 3232 के पीडीजी एस कृष्णास्वामी और उनकी पत्नी जनक।

RIPN स्टेफनी अर्चिक के साथ इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष PDG किशोर कुमार और उनकी पत्नी शोभा।

RID कोटबागी और अमिता, RRFC हिरोशी शिमुटा और ब्राज़ील के रॉटरेक्टर लियोनार्डो।

PRID कमल संघवी और सोनल के साथ RID कोटबागी और अमिता।

RID केसलर ने अमिता, RID कोटबागी, टीआरएफ ट्रस्टी ओरगे ओफ़्रेंक, डीजीएन क्रायासीच, RID विक्की पुलिज़, रो ई अध्यक्ष जोन्स और RIPN स्टेफनी अर्चिक के साथ एक सेल्फी ली।

बाएं से: RID कोटबागी, PRID पी टी प्रभाकर, RID विक्की पुलिज़ उनके जीवनसाथी तिमोती पुलिज़ और नलिनी प्रभाकर।

बाएं से: RID कोटबागी, शोभा, अमिता और पीडीजी किशोर कुमार।

RID विक्की पुलिज़, अमिता के साथ।

दाएं से: विनीता, अमिता, पीडीजी राज्यलक्ष्मी वडलामणि, शोभा किशोर कुमार और जीजा वलसराज।

सार्जेंट एट आर्म्स (बाएं से): सुधीर लातुरे, पीडीजी शिरीष रायाते, टॉकिन ज़मींदार, रिज़वाना ज़मींदार, पीडीजी अनीश शाह, डीजी जिनेंद्र जैन, अंजना मैत्रा, पीडीजी शिवनारायण राव और नितिन कुडाले।

क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर के साथ रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश। टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या चित्र में बाईं ओर दिखाई दे रहें हैं।

मंडल पुरस्कारों के साथ RID 3232 के IPDG जे श्रीधर, उनकी पत्नी पुनीता और पूर्व DRFC एम अम्बलवाणन।

चित्र: रशीदा भगत और जयश्री

कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक लम्बी दौड़

टीम रोटरी न्यूज़

इंस्टिट्यूट के संयोजक रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने कुछ महीने पहले एक इंस्टिट्यूट समिति की बैठक में 'रन टू रीड' कार्यक्रम साझा किया था। उन्होंने कहा, हमें एक विशाल सेवा परियोजना और एक सार्वजनिक छवि का अभ्यास करना चाहिए। इसलिए, ''हम कुल साक्षरता और महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 5k/10k रन - *रन टू रीड* प्रोजेक्ट के साथ आए,'' पीडीजी जी ओलिवण्णन ने कहा। इस सुझाव को स्वीकार कर लिया गया और उन्हें कार्यक्रम की अध्यक्षता करने के लिए कहा गया।

इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी किशोर कुमार ने विशाखापट्टनम में विभिन्न क्लबों के प्रतिबद्ध रोटेरियन के एक छोटे समूह के साथ एक समिति का गठन किया। रो ई मंडल 3212 के डीजी वी आर मुत्तु मुख्य प्रायोजक थे।

उनकी पहली बड़ी चुनौती थी, आयोजन के लिए आवश्यक 5,000 लोगों को प्राप्त करना, जो कि रो ई निदेशक कोटबागी द्वारा निर्धारित न्यूनतम लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से भारतीय नौसेना, पूर्वी तटरक्षक बल, सीआईएसएफ और आंध्र विश्वविद्यालय और गीतम विश्वविद्यालय जैसे शैक्षणिक इंस्टिट्यूटों को लाने से आयोजकों को 'रन टू रीड' के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने में मदद मिली।

घटना से एक महीने पहले तक पंजीकरण की संख्या बड़ी नहीं थी, लेकिन इससे टीम का आत्मविश्वास और उत्साह कम नहीं हुआ। विशाखापट्टनम में कॉलेज के छात्रों ने पंजीकरण शुरू कर दिया, धीरे - धीरे संख्या बढ़ गई और निर्धारित समय से एक सप्ताह पहले 8,000 अंक तक पहुंच गई, जिससे आयोजकों को पंजीकरण बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जैसा कि हर कोई बेसब्री से डी - डे का इंतजार कर रहा था, विज़ाग में मौसम बदल गया और शहर पर बादल मंडराने लगे। पहले दिन बारिश शुरू होने के कारण आयोजकों को कई चिंताजनक क्षण मिले। 11 दिसंबर को भी ओलिवनान और उनकी टीम ने सुबह चार बजकर 45 मिनट तक बारिश होने और आसमान खुलने के साथ निराशा देखी। लेकिन आयोजकों ने अपनी व्यवस्था जारी रखी। सुबह 5.30 बजे बारिश थम गई, लेकिन हल्की बूंदाबांदी जारी रही।

और 20 मिनट बाद, सूरज चमक रहा था और हरे रंग की टी - शर्ट पहने हंसमुख प्रतिभागियों का आगमन शुरू हो गया। जल्द ही, 1,000 से अधिक लोग एकत्र हुए और मिजोरम राज्यपाल के हरिबाबू ने शिवमणि परमेश, अतिरिक्त महानिदेशक, भारतीय तट रक्षक; पीआरआईपी शेखर मेहता और रो ई निदेशक कोटबागी के साथ इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष किशोर कुमार और गीतम विश्वविद्यालय के प्रो वीसी गौतम राव ने युवा और ऊर्जावान रो ई निदेशक ड्रू केसलर को दौड़ का नेतृत्व करते हुए देखा।

रो ई निदेशक गण महेश कोटबागी और ड्रू केसलर।

DG वी आर मुत्तु; शिवमणि परमेश, अतिरिक्त महानिदेशक, भारतीय तट रक्षक; मिजोरम के राज्यपाल के हरिबाबू; PRIP शेखर मेहता, रो ई निदेशक महेश कोटबागी, अमिता, इवेंट चेयरमैन पीडीजी जी ओलिवानन, इंस्टिट्यूट चेयरमैन किशोर कुमार रन टू रीड कार्यक्रम स्थल पर।

जबकि मेहमान जाने ही वाले थे, सड़क के दक्षिणी छोर पर, अधिक प्रतिभागियों की एक बड़ी भीड़ शुरुआती बिंदु की ओर बढ़ गई तथा एक दौड़ और शुरू करनी पड़ी। बिना किसी अड़चन के धावकों ने 3 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। स्नैक्स का वितरण किया गया था।

स्वयंसेवकों और नगर निगम के संरक्षण कार्यकर्ताओं को धन्यवाद, जो कार्यक्रम समाप्त होने के तुरंत बाद पूरे खंड को कूड़े से मुक्त कर दिया गया।

इस टीम में रोटेरियन सुरेखा, प्रसाद पटनायक, वेंकटेश्वर कोंडुपुडी, कैप्टन काली प्रसाद, जीजा वलसराज, प्रमीला जैन, राम बाबू, जीके मूर्ति, डीवी वर्मा, उषा रेड्डी, वर्मा राजू, जोस, जीपी राजू, ए वेणुगोपाल, सतीश, यू सरमा और सुबोध शामिल थे। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

चेन्नई टीम ने जीता आईएफसीआर का मिनी विश्व कप

टीम रोटरी न्यूज़

कप्तान विश्वनाथ कृष्णन के नेतृत्व में आईएफसीआर – क्रिकेट प्रेमी रोटेरियन – चेन्नई टीम ने ढाका में आईएफसीआर मिनी विश्व कप जीता, जिसमें नेपाल, श्रीलंका, मेजबान बांग्लादेश और भारत की 12 टीमों ने भाग लिया था।

आठ प्रतिस्पर्धी और चार त्योहारी टीमों के साथ, 14 –18 नवंबर तक आयोजित टूर्नामेंट ने प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच मैदान पर और बाहर अच्छी दोस्ती दिखाई। कृष्णन के नेतृत्व में चेन्नई की टीम ने अपने सभी लीग मैच और फाइनल जीते। वर्षों से, प्रत्येक आईएफसीआर – चेन्नई अध्यक्ष ने टीम के साथियों के बीच फैलोशिप का पोषण किया है। वर्तमान अध्यक्ष जगन्नाथन मरईमलाई उर्फ जगन और उनकी टीम ने फेलोशिप को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। ''गौरव जैन मिनी विश्व कप में बल्ले और गेंद दोनों के साथ लगातार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज बने,'' जगन ने कहा। अपना पहला आईएफसीआर दौरा खेलते हुए, लक्ष्मण ने सभी मैचों में अपने बड़े हिट के साथ एक अच्छा प्रभाव डाला।

एक क्रिकेट टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं, जबकि आईएफसीआर – चेन्नई ने 20 खिलाड़ियों के साथ ढाका का दौरा किया और हमने उन सभी को समान अवसर दिए। एक खिलाड़ी राम एन राममूर्ति ने चेन्नई हवाई अड्डे पर विजयी टीम के लिए भव्य स्वागत की व्यवस्था की थी। रो ई मंडल 3232 के डीजी नंदकुमार ने टीएनसीए क्लब में आईएफसीआर की स्थायी परिषद की बैठक में चेन्नई टीम के अध्यक्ष जगन को सम्मानित किया। ■

रोटरी के पास जीवन परिवर्तित करने की शक्ति हैं

जयश्री

विशाखापट्टनम के रोटरी जोन इंस्टिट्यूट में PRIP शेखर मेहता ने कहा, ''भगवान ने हमें दूसरों की ज़िंदगियों को छूने का सबसे बड़ा उपहार दिया है और अगर हम ठान लें तो एक साथ मिलकर हम लाखों लोगों के जीवन को बदल सकते है।'' उन्होंने आगे कहा, ''अब पेंसिल, इरेज़र और स्कूल बैग का वितरण नहीं होगा। अब समय आ गया है कि हम स्कूलों का निर्माण और पुनर्निर्माण करें, सरकार के साथ काम करें और ऐसा प्रभाव डालें कि अगली बार जब सरकार जल, साक्षरता या स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर कोई नीति लागू करना चाहे, तो वह सुझावों के लिए रोटरी को आमंत्रित करें।''

ऑपरेशन इमेजिन कार्यक्रम जिसमें 1,000 लड़कियों को साइकिल, वंचित महिलाओं को 1,000 सिलाई मशीनें, विकलांगों को 1,000 व्हीलचेयर और आदिवासी महिलाओं को 1,000 धुआं रहित चूल्हे वितरित किए गए, पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा कि उन्हें ''यह जानकर खुशी हुई कि इस संस्थान का मुख्य आधार सेवा है,'' और इसके प्रबंधन एवं प्रक्रियाओं के लिए इंस्टिट्यूट समन्वयक महेश कोटबगी एवं अध्यक्ष किशोर कुमार की तारीफ की।

मेहता ने कहा कि पिछले साल अपना अध्यक्षीय कार्यकाल पूरा करने के बाद रोटेरियनों की एक बड़ी सभा को यह उनका पहला संबोधन था और अपने मंडल में बड़ी, बेहतर सेवा परियोजनाओं को करने में उनके सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। ''आपके और आपके मंडल के नेताओं की वजह से ही रोटरी की सदस्यता में वृद्धि हुई है।'' उन्होंने रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और RIPE गॉर्डन मेकनली को अपने कार्यकाल के दौरान लड़कियों के सशक्तिकरण कार्यक्रम *एमपावरिंग गर्ल्स* को जारी रखने के लिए उनको धन्यवाद दिया। ''46 हफ्तों में राशी और मैंने 42 देशों की यात्रा की। हमें दुनियाभर में इस कार्यक्रम के प्रभाव को देखकर बहुत संतुष्टि प्राप्त हुई। सैनिटरी पैड की सिलाई, आत्मरक्षा के कार्यक्रम और लड़कियों को कुशल बनाना - सभी परियोजनाएं उत्कृष्ट थी,'' उन्होंने कहा।

इंस्टिट्यूट के संयोजक आरआईडी महेश कोटबागी ने PRIP शेखर मेहता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बाएं से: RILM निदेशक (कार्यक्रम) झिलम रॉयचौधरी; विश्वजीत घोष, COO, RILM; अभिजीत मुखर्जी, सहयोग वरिष्ठ प्रबंधक BYJU's; इंस्टिट्यूट अध्यक्ष PDG किशोर कुमार; रो ई निदेशक कोटबागी; PRIP मेहता; जी के मूर्ति, अध्यक्ष रोटरी क्लब ग्रेटर विशाखा; RILM के अध्यक्ष PRID कमल संघवी और रितु केडिया, वरिष्ठ कार्यकारी, RILM; उन बच्चों के साथ जिन्हें BYJU's Learning App प्राप्त हुआ।

अपने मंडल में बड़ी, बेहतर सेवा परियोजनाओं को करने के लिए धन्यवाद। आपके और आपके मंडल के नेताओं की वजह से ही रोटरी की सदस्यता में वृद्धि हुई है।

शेखर मेहता
पूर्व रो ई अध्यक्ष

पिछले साल रो ई अध्यक्ष के रूप में मेहता ने 30 राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की। ''ये केवल फोटो खिंचवाने के अवसर नहीं थे। रोटरी की ओर से हमने विभिन्न देशों में जीवन को बदलने की प्रतिबद्धता की थी।'' इसके बाद इथियोपिया की अपनी हालिया यात्रा पर उन्होंने प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति से मुलाकात की। ''मैंने उनसे CHD से पीड़ित 100 बच्चों को भारत भेजने के लिए कहा ताकि हम उनके दिल की सर्जरी कर सकें।'' इथियोपिया के रोटेरियनों ने बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों को भारत लाने के लिए सरकार एवं इथोपियन एयरलाइंस के साथ साझेदारी की है।

उन्होंने बताया कि चार बच्चों का पहला समूह अपने दिल की सर्जरी के लिए बेंगलुरु पहुंच गया है जो जनवरी में की जाएगी। ''इसी तरह, हमने युगांडा के 100 बच्चों के इलाज का वादा किया है और उनमें से 35 का मुंबई में पहले ही सफलतापूर्वक इलाज किया जा चुका है। उन्होंने इस सेवा के लिए DG संदीप अग्रवाला और PDG राजेंद्र अग्रवाल को धन्यवाद दिया।

''मुझे पता है कि अगर कोई बच्चा दिल की बीमारी से पीड़ित होता है तो पूरे परिवार को कितना दुख होता है। जब एक बच्चे के दिल में छेद होता है तो हम सभी का दिल दुखता है। हम साधन संपन्न लोग है और हम सर्जरी का खर्च उठा सकते है। मैं ऐसे माता-पिता से मिला हूँ जिनकी मासिक आय सिर्फ ₹7,000 है। इसका मतलब है कि उन्हें अपने बच्चे की सर्जरी कराने के लिए तीन साल तक इंतजार करना होगा। लेकिन बच्चा तीन महीने तक भी जीवित नहीं रह सकता। हम भाग्यशाली है कि हम इन छोटे बच्चों के जीवन को बचाने के लिए रोटरी का हिस्सा है,'' मेहता ने आगे हुए कहा कि रोटरी भारत ने पिछले 15 वर्षों में 25,000 दिल की सर्जरियाँ पूरी की हैं।

साक्षरता कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन (RILM) का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में हर साल 10 मिलियन वयस्कों को साक्षर बनाना है। ''यह भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप है। एक साथ मिलकर 2027 तक 100 मिलियन वयस्कों को साक्षर बनाने की हमारी योजना है। चलिए ऐसा करने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि NCERT को इस साल जुलाई में कक्षा 1-12 के लिए RILM द्वारा ई-लर्निंग सामग्री के लिए यूनेस्को के किंग हमद बिन ईसा अल-खलीफा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

'लक्ष्य छात्रवृत्ति' के लिए RILM और BYJU's के बीच एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया जिसके अंतर्गत BYJU's रोटरी क्लबों द्वारा पहचाने गए दस लाख बच्चों को अपना लर्निंग ऐप प्रदान करेगा। 1 मिलियन डॉलर (₹8 करोड़) की छात्रवृत्ति में कक्षा 4 से 12 तक के सभी बोर्डों के लिए डिजिटल सामग्री शामिल है।

उन्होंने भारत के लिए 10,000 और नेपाल के लिए 5,000 व्हीलचेयर का आयोजन करने और भारत के लिए 20,000 अतिरिक्त व्हीलचेयर देने की प्रतिबद्धता जताने हेतु नेपाल के PDG किरण लाल श्रेष्ठ को धन्यवाद दिया।

उन्होंने देश भर में 50 नेत्र अस्पतालों, 100,000 नेत्र सर्जरियों और 100 अत्याधुनिक मेडिकल वैन सहित रोटरी भारत की ऐतिहासिक परियोजनाओं का अवलोकन किया। ''हम भारत सरकार की जल परियोजनाओं के 10 प्रतिशत पर काम करेंगे और इसमें रोधक बांधों का निर्माण और जल निकायों का कायाकल्प शामिल है। इस वर्ष हम 10,000 जल परियोजनाओं में से 1,000 को लागू करेंगे जिसकी प्रतिबद्धता हमने भारत सरकार से की है; अगले दो वर्षों में हम 4,000 और परियोजनाएं करेंगे और 2027 तक अपनी पूरी प्रतिबद्धता को पूर्ण करेंगे,'' मेहता ने कहा।

चित्र: जयश्री

VISAKHA VISTA

टीआरएफ का जश्न

ऊपरः (बाएं से) PDG समीर हरियानी, RRFC हिरोशी शिमुटा (ब्राज़ील), रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स, RIDE अनिरुद्धा रॉयचौधरी, TRF ट्रस्टी ओरगे ओफ्रेंक, RID महेश कोटबागी, PRIP शेखर मेहता, रो ई निदेशक विक्की पुलिज़, PRID पी टी प्रभाकर, TRF ट्रस्टी भरत पांड्या, PRID कमल संघवी और PDG जॉन डेनियल।
बाएंः RIPN स्टेफनी अर्चिक के साथ पूर्व टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती;
नीचेः अमिता कोटबागी, अध्यक्ष जोन्स और PRID पी टी प्रभाकर;
दाएंः रो ई निदेशक कोटबागी और अमिता।

ऊपर: PRIP मेहता और राशी।
नीचे: RIDE टी एन सुब्रमण्यन और विद्या।

चित्र: रशीदा भगत

टीआरएफ स्टार परफॉर्मर्स (2021-22)

Trophy	Zone 4	Zone 5
Highest Contribution to Annual Fund	Rajendra K. Agarwal (3141)	Rajasekhar Srinivasan (3201)
Highest Contribution to Endowment Fund	Rajendra K. Agarwal (3141)	Sridhar Jagannathan (3232)
Highest Contribution to Polio Fund	Rajendra K. Agarwal (3141)	Sridhar Jagannathan (3232)
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	Mayuresh P Warke (3142)	Rajesh Subash (3204)
Highest Total Contribution to TRF	Rajendra K. Agarwal (3141)	Sridhar Jagannathan (3232)
Highest Donor Participation	Santosh S. Pradhan (3060)	Rajesh Subash (3204)
Highest Club Participation	Santosh S. Pradhan (3060) Mayuresh P Warke (3142)	Rajasekhar Srinivasan (3201) Sridhar Jagannathan (3232)

टीआरएफ पुरस्कार विजेता पीडीजी गौरीश ढोंड (RID 3170), राजेश सुभाष (3204), संजय मालवीय (3053), जे श्रीधर (3232) और राजशेखर श्रीनिवासन (3201) के साथ PRIP शेखर मेहता और राशि। चित्र में प्रतिमा ढोंड, देशमा सुभाष, पुनीता श्रीधर और शांति राजशेखर भी शामिल हैं।

टीआरएफ ट्रस्टी ओरगे ओफ्रेंक, भरत पांड्या और इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी किशोर कुमार की मौजूदगी में पीडीजी पंकज शाह को RIPN स्टेफ़नी अर्चिक द्वारा मान्यता दी गयी।

PRIP मेहता और RID विक्की पुलिज़ के साथ PDG प्रबीर चेटर्जी और उनकी पत्नी रुबीना।

— ज़ोन 4, 5, 6 और 7

Trophy	Zone 6	Zone 7
Highest Contribution to Annual Fund	Mohan Shyam Konwar (3240)	Pankaj Arun Shah (3131)
Highest Contribution to Endowment Fund	Santosh Prasad Rijal (3292)	Mahmood Fazal (3190)
Highest Contribution to Polio Fund	Santosh Prasad Rijal (3292)	Rama Rao Madipalli (3020)
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	Mohan Shyam Konwar (3240)	Pankaj Arun Shah (3131)
Highest Total Contribution to TRF	Santosh Prasad Rijal (3292)	Mahmood Fazal (3190)
Highest Donor Participation	Mohan Shyam Konwar (3240)	Gaurish kumar Manohar Dhond (3170)
Highest Club Participation	Mohan Shyam Konwar (3240)	Pankaj Arun Shah (3131)

All India Trophies	RI District
Nitish Laharry Trophy for All India Highest Total Contribution to TRF	3141
Binota and Kalyan Banerjee Trophy for All India Highest Endowment Fund Contribution	3190
Usha and Raja Saboo Trophy for All India Highest Annual Fund Contribution to TRF	3141
Highest All India Polio Fund Contribution to TRF	3232
District with highest number of new AKS members	3190

ऊपर: AKS सदस्य डीजी पवन अग्रवाल और पत्नी प्राची को (बाएं से) पूर्व टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, ट्रस्टी ओरगे ओफ्रेंक, PRIP मेहता, रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स, RID महेश कोटबागी, टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या और RIDE टी एन सुब्रमण्यन द्वारा सम्मानित किया गया।

दाएं: (बाएं से) टीआरएफ ट्रस्टी ओरगे ओफ्रेंक, पीडीजी राजेंद्र अग्रवाल (3141), RIPN स्टेफनी अर्चिक, पीडीजी ढ़ोड और पूर्व टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती।

अगले अंक में सदस्यता पुरस्कार प्रकाशित होंगे।

चित्र : हेमंत कुमार

आशा की किरण
रिसाइकल्ड प्लास्टिक से

काइली हैटफील्ड

एक नवीन तकनीक, पुनश्चक्रित (रिसाइकल्ड) प्लास्टिक ब्लॉक का उपयोग कर स्कूलों और घरों का पुनर्निर्माण कर रही है – भूकंप से तबाह इंडोनेशिया में – और वो भी त्वरित गति से।

तमन सारी, इंडोनेशिया में पहले ब्लॉक स्कूल में छात्र।
दाएं: छात्र अपनी नई कक्षा में।

2018 में आए भूकंप ने इंडोनेशिया के लोम्बोक द्वीप के गांवों को तहस नहस कर दिया था, उस वक्त घरों और स्कूल की इमारतों के गिरने से हजारों लोग विस्थापित हो सड़क पर आ गए थे और करीब 4,000 छात्रों की शिक्षा अल्पकालिक समय के लिए बाधित हो गई थी। सफाई और पुनर्व्यवस्था के प्रयासों में सालों लग गए हैं। लेकिन एक ऑस्ट्रेलियाई-आधारित चैरिटी ने नष्ट इमारतों को जल्दी से पुनर्निर्मित करने के साथ ही प्लास्टिक के कचरे को रिसाइकिल करते हुए एक नया समाधान ढूंढ निकाला है।

क्लासरूम ऑफ होप विकासशील देशों में सुरक्षित और स्थायी स्कूलों और घरों का निर्माण करता है ताकि छात्र जल्दी से जल्दी पढ़ाई शुरू कर सकें। 2012 में, डंकन वार्ड और उनकी पत्नी निकोला कोर्टिन द्वारा स्थापित, क्लासरूम ऑफ़ होप ने अभी तक कंबोडिया, लाओस और म्यांमार में 77 स्कूल बनाए हैं, और अब यह इंडोनेशिया में स्कूलों के पुनर्निर्माण पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है।

संगठन के सीईओ डंकन ने जानकारी दी, ''50,000 बच्चों को अस्थायी रूप से निर्मित इमारतों में पढ़ना पड़ रहा है, 2018 में आये लोम्बोक भूकंप के बाद, जिसने 400 से अधिक स्कूलों को नष्ट कर दिया था। अस्थायी ढांचों में पढ़ने से उनके सीखने की क्षमता आधी रह जाती है जिससे भविष्य की उत्पादकता में लोम्बोक अर्थव्यवस्था को सिर्फ पढ़ाई

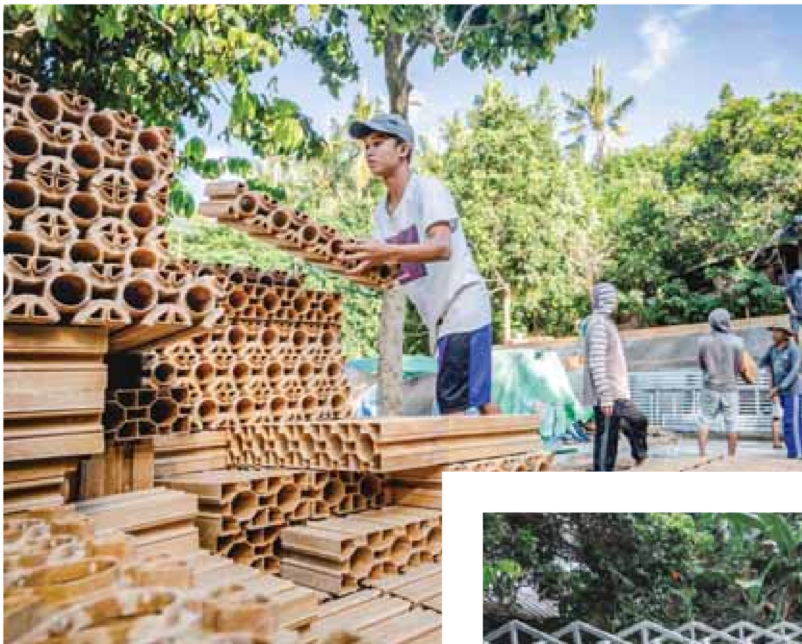

की वजह से प्रति वर्ष 72 मिलियन डॉलर तक की हानि होती है।''

जब 2018 में लोम्बोक में तमन साड़ी ,एक छोटा गाँव भूकंप से तबाह हो गया था, तो गाँव में बच्चों को शिक्षा से वापस जोड़ने के लिए अस्थायी स्कूल भवन का निर्माण करने में मदद के प्रयासों में क्लासरूम ऑफ़ होप शामिल हो गया था, साथ ही इसने एक दीर्घकालिक समाधान भी विकसित किया।

वह समाधान क्रांतिकारी ब्लॉक सॉल्यूशंस सिस्टम के रूप में उभर के आया, जो प्लास्टिक कचरे से बनता है और इसे हल्के, आपस में जुड़ने वाले ब्लॉकों में परिवर्तित कर देता है जिनसे भूकंप प्रतिरोधी इमारतों का निर्माण होता है।

फ़िनलैंड स्थित कंपनी ब्लॉक सॉल्यूशंस अफ्रीका की आवास परियोजनाओं के लिए अपनी पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक ब्लॉक टेक्नोलॉजी का उपयोग करती है और इसने इंडोनेशिया में अपने ब्लॉक सिस्टम के लिए क्लासरूम ऑफ़ होप के साथ सहभागिता की है।

2021 में, दुनिया के पहले ब्लॉक स्कूल की मजबूत संरचना के लिए इसे कंक्रीट की नींव, स्टील की छड़ों और यू-प्रोफ़ाइल के साथ बनाया गया था, और इमारत को पूरा करने में स्टील की छत, कांच की खिड़कियां और लकड़ी के दरवाजे प्रयोग में लिए गए थे।

300 वर्ग मीटर में पांच-कक्षा वाले स्कूल भवन के निर्माण में मात्र छह दिन लगे (जबकि पर ईंट और मोर्टार से निर्माण करने में तीन से छह महीने लगते हैं) और ब्लॉक के रूप में 15 टन प्लास्टिक कचरे का उपयोग किया गया। भवन जून में बनकर तैयार हो गया था, और छात्रों ने अपने नए स्कूल में उस वर्ष के अंत में पढ़ाई शुरू कर दी जब COVID-19 के प्रतिबंध हटा दिए गए थे।

ऊपर से: कक्षाओं का निर्माण।

ये संस्था उसी ब्लॉक सॉल्यूशंस सिस्टम का उपयोग करके घर भी बना रही है। दो बेडरूम, किचन और शौचालय वाले घर को बनाने में छह दिन लगते हैं और जिसमें एक से तीन टन प्लास्टिक कचरा प्रयोग में आता है।

डंकन ने कहा, ''हम ऐसे परिवारों के लिए ब्लॉक होम बना रहे हैं जो भूकंप में अपना घर खो बैठे हैं और अत्यधिक निर्धन और कम आय वाले क्षेत्रों में भी घरों का निर्माण कर रहे हैं।''

इसके परिणाम और प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है, और स्थानीय लोग अपने नए स्कूलों से खुश हैं।

इंडोनेशियाई सरकार ने ब्लॉक स्कूलों और ब्लॉक होम्स के निरंतर निर्माण का समर्थन किया है, और इस तकनीक का उपयोग करके सार्वजनिक शौचालयों, पुस्तकालयों और प्रशासनिक भवनों के निर्माण की भी योजना है।

वर्तमान में ब्लॉक फ़िनलैंड से इंडोनेशिया भेजे जा रहे हैं, जिससे भेजने की लागत और समय सीमा परियोजना में जुड़ जाती है। उम्मीद है कि जल्द ही इंडोनेशिया में ब्लॉकों का उत्पादन स्थानीय कारखाने में किया जाएगा।

पिछले साल नवंबर,लोम्बोक में, क्लासरूम ऑफ होप, ब्लॉक सॉल्यूशंस, निवेशकों, नुसा तेंगारा बारात की सरकार और ऑस्ट्रेलियाई वाणिज्य दूतावास और फिनिश दूतावास के प्रतिनिधियों के बीच एशिया की प्रथम ब्लॉक सॉल्यूशंस फैक्ट्री के निर्माण के प्रति सम्मिलित दृष्टिकोण प्रदर्शित करते हुए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे।

''हमें एशिया पैसिफिक की पहली ब्लॉक सॉल्यूशंस फैक्ट्री बनाने के लिए इंपैक्ट इन्वेस्टमेंट मिल गया है। हमने फरवरी में इसकी आधारशिला रखी थी और 2022 के अंत तक, इस कारखाने से स्थानीय स्तर पर एकत्रित सामग्री का उपयोग कर ब्लॉक का उत्पादन किया जायेगा,'' डंकन ने बताया।

एक बार स्थानीय कारखाना स्थापित हो गया तो और अधिक स्कूल और घरों का निर्माण किया जा सकेगा, प्लास्टिक कचरे को सीधे स्थानीय क्षेत्र से हटा कर ब्लॉक बनाने के लिए उपयोग में लिया जाएगा।

वर्तमान में, सम्पूर्ण इंडोनेशिया में हर साल 6.8 मिलियन टन प्लास्टिक उत्पन्न होता है। इसका लगभग आधा हिस्सा जल जाता है, जिसका जहरीला धुंआ हवा को प्रदूषित करता है, जबकि इसकी अधिकाँश मात्रा महासागरों में विलय होकर समुद्री जीव जंतुओं को हानि पहुंचाती है और तटों को प्रदूषित करती है, या लैंडफिल में फेंक दी जाती है।

डंकन ने कहा, ''ब्लॉकों का उपयोग कर हर महीने चार स्कूल और 10 घर बनाने का लक्ष्य है, और ब्लॉक स्कूल कार्यक्रम साढ़े पांच साल में 200 स्कूलों का निर्माण करेगा, जहां 35,000 छात्र पढ़ाई कर सकेंगे।''

''करीब 200 स्कूल, पर्यावरण से लगभग 3,000 टन पुनर्चक्रित प्लास्टिक कचरा हटाने में सहायक होंगे। आगामी 10 वर्षों में 4,000 घरों की पाइपलाइन से 24,000 लोग लाभान्वित होंगे और इससे 12,000 टन रीसाइकल प्लास्टिक कचरे से मुक्ति मिलेगी।

अभी तक, ब्लॉक से हम दो स्कूल और दो घर निर्मित कर चुके हैं। हमारा तीसरा स्कूल पूरा होने जा रहा है और हम फ़िनलैंड से आयातित ब्लॉक के साथ तीन और स्कूल बनाने की योजना बना रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फ़ैक्टरी शुरू होने के समय इसके निर्माण के लिए पर्याप्त अनुभवी ठेकेदार उपलब्ध हो सकें।''

क्लासरूम ऑफ होप वर्तमान में अपने क्षमता-निर्माण कार्यक्रम के अंतिम चरण निवेश के लिए दानदाताओं की खोज में है, जिस निवेश में ब्लॉक स्कूलों और ब्लॉक होम्स के निर्माण सहित स्थानीय ठेकेदारों को प्रशिक्षित करना भी शामिल है, और फैक्ट्री शुरू होने से पहले उन्हें इस नवीन तकनीक में प्रशिक्षित भी करना है।

''अभी, औसतन एक ब्लॉक स्कूल की लागत लगभग 60,000 डॉलर पड़ती है और हम आठ और स्कूलों के लिए राशि जुटा रहे हैं,'' डंकन कहते है।

क्लासरूम ऑफ़ होप के बारे में अधिक जानकारी *www.classroomofhope.org* **पर प्राप्त कर सकते हैं**

डंकन से संपर्क के लिए *duncan.ward@classroomofhope.org* **पर लिखें**

रोटरी डाउन अंडर से साभार

आपके गवर्नर्स

डॉ अनिल लालचंद परमार
परामर्श डॉक्टर
रोटरी क्लब न्यू पनवेल, रो ई मंडल 3131

लड़कियों के सशक्तिकरण पर ध्यान

हर साल यह मंडल ₹100 करोड़ से अधिक की सेवा परियोजनाओं को लागू करता है और इस साल, ''हम वार्षिक कार्यक्रमों के निधियन के लिए क्लबों से 100 प्रतिशत योगदान प्राप्त करने वाले भारत के पहले मंडल है जिसका मूल्य 300,000 डॉलर से अधिक है। ऐसा हमनें वर्ष के पहले तीन महीनों में ही कर लिया है। हम ऐसा करने वाले दुनिया के चार रो ई मंडलों में से एक बन गए है,'' डॉ अनिल परमार मुस्कुराते हुए कहते है।

नवंबर में 88 महिला रोटेरियनों और 13 स्वयंसेवकों की भागीदारी के साथ एक विशाल अखिल महिला कार रैली की शुरुआत हुई। वह 5,900 रोटेरियनों वाले 143 क्लबों को नियंत्रित करते है और उनका लक्ष्य 1,000 नए सदस्यों को जोड़ने और 6-7 नए क्लबों को अधिकृत करने का है। प्रोजेक्ट ममता 58 क्लबों के माध्यम से सरकारी और धर्मार्थ अस्पतालों में 113 बेबी वार्मर (वैश्विक अनुदान: 59,000 डॉलर) स्थापित करेगा। GTPL हैथवे से मिले CSR निधियन और क्लब से प्राप्त योगदानों की मदद से भारत में 220 स्थानों पर प्रोजेक्ट अस्मिता (₹5 करोड़) के तहत लड़कियों के स्कूलों को किताबें दान की गईं। लड़कियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूलों में प्रीलोडेड वीडियो के साथ टैबलेट वितरित किए गए। प्रोजेक्ट धड़कन जनता के लिए CPR जागरूकता सत्र आयोजित कर रहा है।

225,000 डॉलर के CSR अनुदान द्वारा वित्त पोषित एक सामुदायिक विकास परियोजना के माध्यम से छह रोटरी मंडलों में कौशल और नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे है। परमार का लक्ष्य TRF के लिए 2 मिलियन डॉलर एकत्रित करना है। वह अपने दिवंगत पिता लालचंद एम परमार से प्रभावित होकर 1994 में रोटरी में शामिल हुए।

प्रवुदत्ता सुबुधी
LPG डीलर और होटल व्यवसायी
रोटरी क्लब श्री जगन्नाथ धाम, रो ई मंडल 3262

लोगों से जुड़ने के लिए एक रोटरी ऐप

अन्य गैर सरकारी संगठनों के विपरीत रोटरी का ओडिशा में बढ़िया प्रतिनिधित्व है और सभी 129 क्लब दूरदराज के क्षेत्रों में सार्वजनिक छवि-निर्माण परियोजनाएं कर रहे है,'' प्रवुदत्त सुबुद्धि कहते है। ''हम 10-12 क्लबों को जोड़ेंगे और कम सदस्य संख्या वाले क्लबों को मजबूत बनायेंगे। उन्होंने 400 रोटेरियनों को शामिल करने के लक्ष्य के मुकाबले 206 रोटेरियनों को शामिल किया है ताकि संख्या को 4,369 पर ले जाया जा सके और इनमें से 50 महिलाएं होंगी।

बालासोर के रोटरी नेत्र अस्पताल का विस्तार 83,000 डॉलर के एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से किया जाएगा और 10 नेत्र देखभाल केंद्र (वैश्विक अनुदान: ₹45-50 लाख) खोले जाएंगे। उन्होंने ग्रामीण स्कूलों में पीने योग्य पानी के लिए 100 RO इकाइयां (₹40 लाख) स्थापित करने की योजना बनाई है। अपोलो अस्पताल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ उठाने के लिए रोटेरियनों को सदस्यता कार्ड दिए गए। विश्व हृदय दिवस पर, 22 हृदय शिविरों में 3,000 लोगों की जांच की गई और 420 लोगों में हृदय दोषों का पता लगा। सर्वाइकल और स्तन कैंसर का पता लगाने वाले विशाल शिविरों में कम से कम 3,000 ग्रामीण महिलाओं की जांच की जाएगी। सुबुद्धि का लक्ष्य TRF को 250,000 डॉलर देना है। अपने 83 वर्षीय पिता जयदेव सुबुद्धि से प्रेरित होकर वह 1987 में रोटेरेक्ट और 2002 में रोटरी में शामिल हुए।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

JKN पलनी

निर्माता, रोटरी क्लब गुड़ियाथम, रो ई मंडल 3231

महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए सिलाई परियोजना

प्रोजेक्ट वेल्लीचम 25,000 महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देगा। पहले से ही 72 केंद्र चल रहे है और सफल उम्मीदवारों को 5,300 प्रमाण पत्र जारी किए गए। MSME और MSW विभागों के प्रमाण पत्र महिलाओं को नि:शुल्क सिलाई मशीनें प्राप्त करने में मदद करेंगे, JKN पलनी कहते है। ''अगले 10 वर्षों में ये सिलाई केंद्र 2.5 लाख महिलाओं को लाभान्वित करेंगे क्योंकि यह एक टिकाऊ मॉडल है,'' वह कहते है। मशीनों (₹40 लाख) को रोटेरियनों द्वारा दान किया जाता है, प्रशिक्षकों को क्लबों द्वारा ₹1 लाख का मासिक वेतन दिया जाता है।

1,000 की शुद्ध सदस्यता वृद्धि 3,600 रोटेरियनों वाले 97 क्लबों की गतिविधियों को बढ़ावा देगी। एक मैमोग्राफी बस (वैश्विक अनुदान: 170,000 डॉलर) को हरी झंडी दिखाई जाएगी; PDG अबिरामी रामनाथन और कुछ क्लबों द्वारा वित्त पोषित छह एम्बुलेंस (₹51 लाख) गरीब परिवारों के लिए बहुत कम लागत पर उपलब्ध होंगी। तांबरम में टीबी अस्पताल को दान की गई एक डिजिटल एक्स-रे वैन (वैश्विक अनुदान: 90,000 डॉलर) दो दिवसीय टीबी जांच शिविर के लिए प्रत्येक क्लब का दौरा करेगी।

11 अक्टूबर को विश्व बाल दिवस पर चिकित्सा शिविरों में 1.5 लाख छात्राओं की जांच की गई और गांवों में 600 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। उनका लक्ष्य TRF के लिए 650,000 डॉलर एकत्रित करने का है। पोलियो उन्मूलन में क्लबों द्वारा किए गए कार्यों से प्रभावित होकर वह 2011 में रोटरी में शामिल हुए।

वी सेल्वानाथन

पॉलिमर विनिर्माण, रोटरी क्लब पांडिचेरी कॉसमॉस, रो ई मंडल 2981

10,000 छात्रों के लिए कौशल विकास

सरकारी स्कूलों के 10,000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में ₹1 करोड़ की लागत से एक विशाल कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। ''हम छात्रों की अव्यक्त प्रतिभा की पहचान करके उन्हें निखारेंगे ताकि उनका करियर उज्ज्वल हो सके। यह परियोजना नीति आयोग के कार्यक्रम का हिस्सा है और हम इसके निष्पादन साझेदार है,'' सेल्वानाथन कहते है।

135 क्लबों और 6,850 सदस्यों के साथ, इन DG का लक्ष्य नए रोटेरियनों को जोड़कर 1,000 सदस्यों की शुद्ध वृद्धि करने का है जिसमें से 873 सदस्य जोड़े जा चुके है। लक्षित 10 नए क्लबों में से कुछ को पहले ही अधिकृत किया जा चुका है। हम ग्रामीण सरकारी अस्पतालों में प्रत्येक में तीन मशीनों के साथ सात डायलिसिस केंद्र (वैश्विक अनुदान: ₹2.5 करोड़) और ग्रामीण PHCयों में 10 अल्ट्रासाउंड इकाइयां (वैश्विक अनुदान: ₹1.25 करोड़) स्थापित कर रहे है, वह कहते है।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव वनों (वैश्विक अनुदान: 40,000 डॉलर) का विकास एक और महत्वाकांक्षी परियोजना है। गरीबों के लिए 1,500 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 1 मिलियन डॉलर का है। 2003 में रोटरी से जुड़ने के बाद सेल्वानाथन हर बार उत्साहित महसूस करते है ''जब वह गरीबों के जीवन को थोड़ा आसान बनाने का प्रयास करते है।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

संगीत और माधुर्य

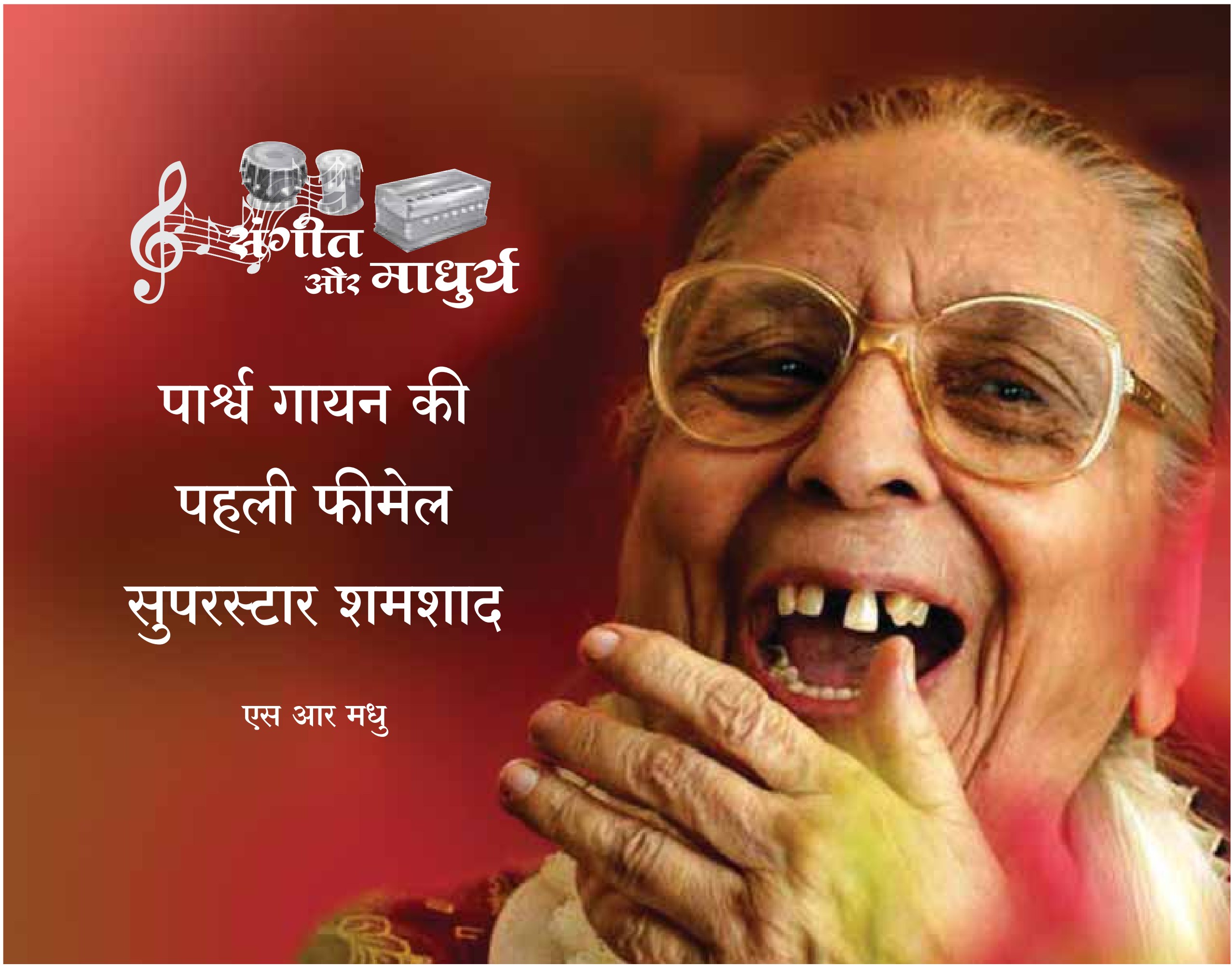

पार्श्व गायन की पहली फीमेल सुपरस्टार शमशाद

एस आर मधु

वो ₹1,000 प्रति गीत लिया करती थीं 1940 के दशक में, जबकि लता मंगेशकर को प्रति गीत ₹50 मिलते थे।

उनकी ज़िंदादिल, अभिव्यक्ति पूर्ण, और उन्मुक्त विचरती आवाज का अलग ही करिश्मा था। मलिका की खनकती हुई यह आवाज किसी भी गाने को परवान चढ़ा सकती थी। यह आवाज इतनी दमदार थी कि माइक को कुछ दूरी पर रखना पड़ता था! शमशाद बेगम ने बॉलीवुड प्लेबैक की दुनिया में कदम रखने से पहले ही रेडियो की दुनिया में संगीत-प्रेमियों का दिल जीत लिया था। वास्तव में वह पहली महिला पार्श्वगायक और बॉलीवुड संगीत की पहली महिला सुपरस्टार थीं।

शमशाद ने हिंदी, मराठी, गुजराती, पंजाबी और बंगाली में कई हजार गाने गाए हैं। नौशाद, ओ पी नय्यर, सी रामचंद्र और मदन मोहन जैसे संगीतकारों के कैरियर को परवान चढाने में उनका योगदान था। शमशाद के कई प्रसिद्ध गीतों के रीमिक्स बन चुके हैं जिनमें सबसे लोकप्रिय है *कजरा मोहब्बत वाला।*

1930 और 40 के दशक के दौरान, महिला गायकों के लिए शमशाद की आवाज़ उत्कृष्ट गायकी का मापदंड हुआ करती थी - उन्हें उनकी तरह गाने को कहा जाता था, ठीक वैसे ही जैसे पुरुष गायकी के रोल मॉडल सहगल थे। कई वर्षों तक, वह नूरजहाँ, कानन देवी, सुरैया, अमीरबाई कर्नाटकी, खुर्शीद, राजकुमारी और ज़ोहराबाई अंबालेवाली सहित इस नक्षत्र मंडल का सबसे चमकदार सितारा थी। 1940 और 1955 की अवधि का दौर उनके कैरियर का उत्कर्ष था।

शमशाद का जन्म 14 अप्रैल, 1919 को लाहौर में हुआ था, जलियांवाला बाग में हुए रक्तपात के एक दिन बाद। उनके पिता एक मैकेनिक थे। उसके पांच भाई और तीन बहनें थीं। बेबी शमशाद ग्रामोफोन के हॉर्न के सामने बैठ कर गाने सुनते हुए गुनगुनाती रहती थी। उनकी संगीत प्रतिभा से प्रभावित हो स्कूल के प्रिंसिपल ने उस किशोरी को स्कूल में सुबह की प्रार्थना करने के लिए कहा। सिर्फ 10 साल की उम्र में, उन्होंने धार्मिक समारोहों और पारिवारिक विवाहों में लोक-गीत गाना शुरू करदिए थे।

उनके चाचा अमीरुद्दीन ने उनके पिता से कहा कि शमशाद की आवाज अल्लाह की नेमत थी, और उसे पेशेवर गायकी का रुख करना चाहिए। लेकिन उन दिनों यह माना जाता था कि अच्छे घरों की महिलाएं बाहर नहीं जाती थीं। जब शमशाद 13 वर्ष की हुई, तो अमीरुद्दीन उन्हें संगीतकार गुलाम हैदर से मिलने के लिए ले गए, जो जेमा फोन रिकॉर्डिंग कंपनी में काम करते थे। गुलाम को उनकी आवाज पसंद आई और उन्हें ₹12.50 की दर से एक दर्जन गीतों के लिए एक अनुबंधित कर लिया। उनके पिता ने गायन के लिए सहमति दे दी, लेकिन एक शर्त के साथ : ''सिर्फ गाने के लिए जाओगी, अपनी तस्वीरें नहीं खिंचवाओगी, पार्टियों में शामिल नहीं होगी और रिकॉर्डिंग के बाद सीधे घर आओगी।'' बेटी ने एक बार जो वादा किया तो अपने पूरे कैरियर के दौरान निभाया।

शमशाद ने कोई विधिवत संगीत की शिक्षा नहीं ली थी। लेकिन गुलाम हैदर के प्रशिक्षण का तरीका विधिवत तरीके से ''सौ गुना अधिक प्रभावी था और हीरे को चमकाने जैसा था,'' वो बोली।

2009 में भारत की पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्त करती हुई शमशाद बेगम।

1930 और 40 के दशक के दौरान, महिला गायकों के लिए शमशाद की आवाज़ उत्कृष्ट गायकी का मापदंड हुआ करती थी।

शमशाद ने 1937 से आकाशवाणी लाहौर और पेशावर के लिए गाना शुरू कर दिया था। उन्होंने सैंकड़ों भक्तिपूर्ण और रोमांटिक गीत गाए और अपने प्रशंसकों की काफी बड़ी जमात खड़ी कर ली, लेकिन अफ़सोस, इनमें से कोई भी गीत रिकॉर्ड नहीं किया गया और भावी पीढ़ी के लिए अतीत में खो गए। उन्होंने पंजाबी फिल्मों के लिए भी गाने गाए, जिनमें से कुछ ने रजत जयंती मनाई।

उनके करियर में एक मील का पत्थर साबित हुई हिंदी फिल्म *ख़ज़ांची* (1941) जिसमें गुलाम हैदर ने ढोलक और पंजाबी बीट्स का उपयोग करते हुए करते हुए एक जोश भरे संगीत की रचना की थी। *सावन के नज़ारे हैं* गीत ने धूम मचा दी थी। यह साइकिल चलाते युवा लड़कों और लड़कियों के गाते हुए समूह पर फिल्माया गया था। शमशाद की आवाज़ में एक अल्हड़ सी बेपरवाही थी।

ख़ज़ांची के निर्माताओं ने पुणे में उन लोगों के लिए एक संगीत प्रतियोगिता आयोजित की जो फिल्म के दो गाने गा सकें। विजेता? लता मंगेशकर नाम की एक लड़की! उन्होंने फिल्म से शमशाद के दो सोलो गाए थे।

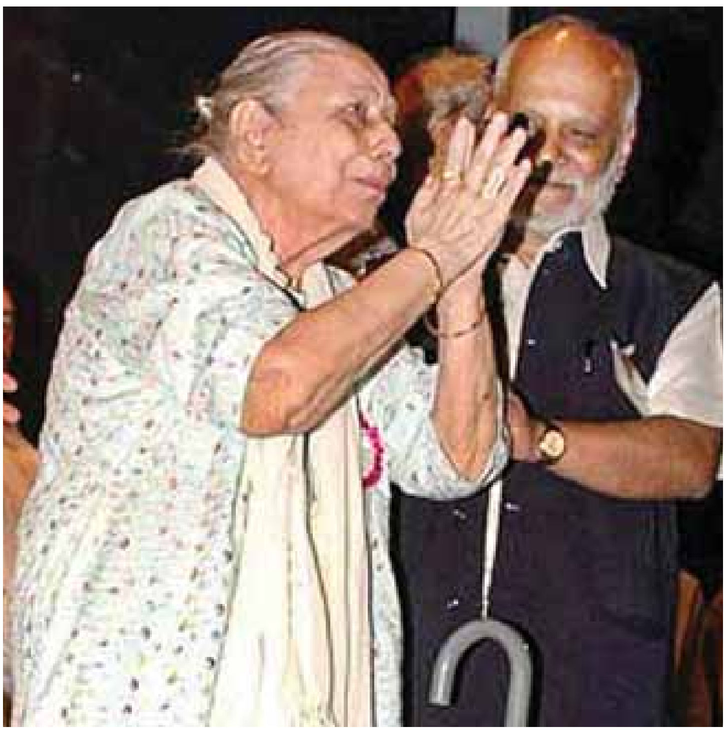

शमशाद के करियर ने गति तब पकड़ी जब नौशाद ने उनकी ''निर्दोष'' आवाज़ में पारदर्शिता की प्रशंसा करते हुए उन्हें कई फिल्मों के लिए साइन किया - *अनमोल घड़ी* (1946), *शाहजहाँ* (1946), *दर्द* (1947), *मेला* (1948) और *दुलारी* (1949)। शमशाद ने *उड़नखटोले पे उड़ जाऊं (अनमोल घड़ी), हम दर्द का अफसाना (दर्द)* और *धरती को आकाश पुकारे (मेला)* के गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। वो अक्सर नरगिस की आवाज बनी थीं: दोनों ने एक-दूसरे के किरदार को मजबूती दी थी।

संगीत निर्देशक नौशाद अली के साथ।

नौशाद ने बॉलीवुड के सबसे करिश्माई संगीत में से एक *बाबुल* (1950) में सुरीले सुरों को अपनी आवाज में पिरोने वाली गायिका की प्रतिभा को चहुमुखी निखार दिया था जिसमें, उन्होंने आठ गाने गाए - अवसाद भरे *दुनिया बदल गई* से लेकर मधुर रोमांटिक *मिलते ही आंखें दिल हुआ* (तलत के साथ दोनों युगल) और सदाबहार दुल्हन गीत *छोड़ बाबुल का घर*।

लेकिन कुछ आलोचकों ने इससे पहले आई, राज कपूर की पहली प्रोडक्शन *आग* (1948) के लिए शमशाद के गाये *काहे कोयल शोर मचाये रे* गीतकार राम गांगुली, को उनका सर्वश्रेष्ठ एकल माना है।

जब लग रहा था कि शमशाद अपने करियर के शिखर पर थीं, उस समय लता की आंधी ने 1949 में *महल* और *बरसात* के साथ फिल्म उद्योग पर धावा बोला। संगीतकार शंकर-जयकिशन ने, जिन्होंने *बरसात* और *आवारा* के साथ फिल्म संगीत में क्रांति ला दी, लता को अपने सर्व-उद्देश्यीय गायक के रूप में अपनाया। एक बार अपनी बारीक और पतली आवाज़ के लिए उपहासित होने के बाद, लता धीरे-धीरे सभी संगीतकारों के लिए स्वर्ण मानक बन गईं, नौशाद सहित, जिनके लिए शमशाद ने कई हिट फ़िल्में दीं।

शमशाद ने (ऊपर से दक्षिणावर्त) नरगिस, वैजयंतीमाला, निगार सुल्तान और मधुबाला के लिए गाया है।

लेकिन 1957 में जब मेहबूब को *मदर इंडिया* के लिए एक दमदार आवाज़ की ज़रुरत पडी तो शमशाद के पास पहुंचे और अपना संगीत का मौन तोड़ने की गुजारिश की। नतीजा : इस महान फिल्म के लिए उन्होंने नौशाद के लिखे चार बेहतरीन गानों में आवाज़ दी।

कहानी कुछ इस तरह है कि नौशाद एक बार (महबूब द्वारा निर्मित और निर्देशित) *अंदाज़* के लिए अपने संगीत की सफलता के बारे में महबूब खान से बात कर रहे थे और उस वक़्त भारी बारिश हो रही थी। महबूब ने बारिश की ओर इशारा करते हुए कहा, ''ऐसा लगता है जैसे बरसात ने अंदाज़ को धो डाला।'' ज़ाहिर है, *बरसात* ने कइयों के करियर को धो दिया था!

लेकिन शमशाद ने 1950 और 1960 के दशक में *आन, दीदार, नगमा, सीआईडी, नया दौर, मदर इंडिया, मुगल-ए-आजम,* किस्मत आदि के लिए कुछ शानदार गाने प्रस्तुत किए।

ओ पी नय्यर के लिए उनकी आवाज और शैली आदर्श थी, जो गीतों में उम्मीद, हंसी-मजाक, रोमांस और आनंद की धुनें गढ़ने में सिद्घहस्त थे। उन्होंने शमशाद की आवाज की तुलना मंदिर की घंटी से की। *सीआईडी* (1956) शानदार फिल्म में, ओपी नैय्यर द्वारा, *कहीं पे निगाहें* (नृत्य करती वहीदा पर फिल्माया गया) गानों को अपनी आवाज में पिरोने वाली गायिका शमशाद का एक उत्कृष्ट गीत था। ऐसी ही मंद मंद बयार था *ले के पहला पहला प्यार* (रफी और आशा के साथ गाया)।

एक व्यक्तिगत त्रासदी ने शमशाद के कैरियर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया था जब 1955 में एक कार दुर्घटना में पति गणपत लाल बट्टो की मृत्यु हो गई थी। सं 1934 में सिर्फ 15 साल की उम्र में उन्हें प्यार हो गया था और दोनों पक्षों के माता पिता के विरोध के बावजूद शादी कर ली थी। दोनों एक-दूसरे को काफी पसंद करते थे। इसके बाद उन्होंने गाना नहीं गाने का निर्णय कर लिया ।

लेकिन 1957 में जब मेहबूब को *मदर इंडिया* के लिए एक दमदार आवाज़ की ज़रुरत पडी तो शमशाद के पास पहुंचे और अपना संगीत का मौन तोड़ने की गुजारिश की।

नतीजा : इस महान फिल्म के लिए उन्होंने नौशाद के लिखे चार बेहतरीन गानों में आवाज़ दी --*होली आई रे आई, पी के घर आज प्यारी दुल्हनियां चली,* और दो समूह गान --*ओ गाड़ी वाले गाड़ी धीरे हाँक रे, दुःख भरे दिन बीते रे भैया* (रफ़ी, आशा और मन्ना डे के साथ)।

शमशाद के कुछ बेहतरीन नगमे :

आना मेरी जान मेरी जान संडे के संडे - (*शहनाई,* 1947)। सीटी, माउथ ऑर्गन, रॉक-एंड-रोल, कॉमेडी, फूहड़ आवाज़ें - सी रामचंद्र द्वारा रचित बॉलीवुड के पहले पाश्चात्य गीत में सब कुछ था। इस धमाकेदार हिट में शमशाद के साथ मीना कपूर और खुद सी रामचंद्र ने गाया था।

मेरे पिया गये रंगून (*पतंगा,* 1949): नायिका निगार सुल्ताना पर गाया गया एक सुरम्य रोमांटिक गीत, जो कहती है कि वह रंगून में अपने प्रेमी से एक टेलीफून कॉल की प्रतीक्षा कर रही है। संगीतकार: सी रामचंद्र।

मिलते ही आंखें (*बाबुल,* 1950। तलत और शमशाद अपनी गायकी से रोमांचित करते हैं और नौशाद अपने जादू से, जहाँ दिलीप पियानो बजाते हुए मुनव्वर सुल्ताना से रोमांस करते हैं।

दुनिया बदल गई (*बाबुल,* 1950): क्या शमशाद की आवाज़ केवल चुलबुले और नटखट गानों के लिए उपयुक्त है? इस दिल टूटने वाले रोमैंटिक गाने में शमशाद और तलत को ज़रूर सुनें।

सइयां दिल में आना रे (*बहार,* 1951): नायिका वैजयंतीमाला ने शमशाद की आवाज़ में अपने प्रियतम की याद में यह मधुर रत्न गाया है - एसडी बर्मन की शुरुआती हिट फिल्मों में से एक, यह गाना 1950 के दशक के सबसे ज्यादा याद किए जाने वाले हिट गानों में शुमार है।

बचपन के दिन भुला ना देना (*दीदार,* 1952)। ताँगा-बीट का एक गीत जो सभी लता-शमशाद के युगल गीतों में सबसे ज़्यादा पसंद किया जाता है। तबस्सुम और परीक्षित साहनी द्वारा अभिनीत दो बच्चों पर फिल्माया गया। संगीतकार: नौशाद।

हाय जादूगर बलमा (*नगमा,* 1953)। इस एकल गीत ने संगीतकार नशाद (नौशाद के साथ भ्रमित ना हों) को अमर कर दिया। एक प्रेयसी की तरह जो जब भी आती है हर बार खूबसूरत लगती है, 70 साल पुराना यह गीत भी जब जब आप इसे सुनते हैं तो और अधिक सम्मोहक लगता है!

2004 में शमशाद ने खुद अपना मृत्यु लेख पढ़ा। सायरा बानो की दादी शमशाद बेगम का निधन हो गया था, जो गायिका भी थीं और कुछ अखबारों को दोनों शमशादों में फर्क नहीं लगा!

ले के पहला पहला प्यार (*सीआईडी,* 1955)। संगीत-प्रेमियों ने ओ पी नय्यर के लिए शमशाद और रफी द्वारा प्रस्तुत इस जोशीले समुद्र तट पर गाये युगल गीत को आज तक गुनगुनाना नहीं छोड़ा है ।

रेशमी सलवार कुरता जाली का (*नया दौर,* 1957)। ओपी नय्यर के अत्यंत कर्णप्रिय संगीत के साथ आशा और शमशाद द्वारा प्रस्तुत कुमकुम और मीनू मुमताज पर फिल्माया गया एक शानदार मंच नृत्य। श्रोताओं की तालियाँ और सीटियाँ गीत का रोमांच बढ़ाती ही जाती हैं।

तेरी महफ़िल में क़िस्मत आज़मा कर हम भी देखेंगे (*मुग़ल-ए-आज़म,* 1960)। नौशाद का लिखा लता-शमशाद का यह युगल गीत बॉलीवुड की सबसे शानदार कव्वालियों में शुमार है, और कान और आंख दोनों के लिए दावत है।

कजरा मोहब्बत वाला (*किस्मत,* 1968): ओपी नैय्यर ने आशा भोंसले के साथ इस प्रफुल्लित करने वाले युगल गीत को प्रस्तुत करने के लिए शमशाद को जाने कहाँ से खींच लाये। इसे बबिता (पुरुष वेश में) और विश्वजीत (एक महिला की भूमिका में) पर फिल्माया गया है। शमशाद विश्वजीत के लिए गाती हैं। उन्होंने दिखा दिया था उनका जादू बरकरार था।

धीरे-धीरे शमशाद गुमनामी के अँधेरे में चली गईं, कुछ खुद के प्रति बेरुखी और कुछ भीतर उपजा वैराग्य इसके ज़िम्मेदार है। सार्वजनिक रूप से वह कभी भी सामने नहीं आईं और कभी उन्होंने खुद की फोटो खिंचवाने की अनुमति नहीं दी। 2004 में शमशाद ने खुद अपना मृत्यु लेख पढ़ा। सायरा बानो की दादी शमशाद बेगम का निधन हो गया था, जो गायिका भी थीं और कुछ अखबारों को दोनों शमशादों में फर्क नहीं लगा!

2009 में, उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उसी वर्ष, उन्होंने ओ पी नय्यर स्मारक पुरस्कार भी जीता था।

2013 में 94 वर्ष की आयु में उनकी बेटी और दामाद के मुंबई स्थित घर में उनकी मृत्यु हो गई। लता ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि वह कभी भी शमशाद की आवाज़ और प्रतिभा की बराबरी नहीं कर सकतीं।

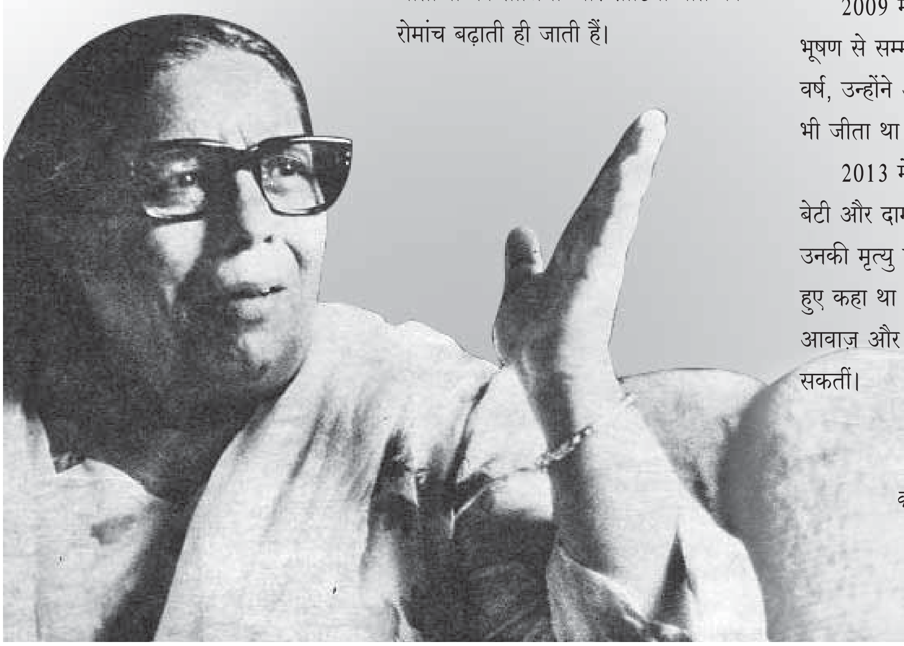

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

कोलकाता में एक हस्तशिल्प प्रदर्शनी

डीजीई अजय कुमार लॉ दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए।

स्थानीय उद्यमियों को अपनी आय बढ़ाने में मदद करने के लिए रो ई मंडल 3291 और रोटरी क्लब गंगा हेरिटेज की आर्ट फॉर ए कॉज कमेटी द्वारा तीन दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। कोलकाता की नोटी बिनोदिनी आर्ट गैलरी में 20 से अधिक स्टॉल ज्यादातर महिला उद्यमियों द्वारा लगाए गए थे।■

एक जल पुनर्चक्रण परियोजना

नई जल पुनर्चक्रण इकाई के उद्घाटन समारो में क्लब के सदस्यों के साथ पीडीजी गौरीश धोंड।

PDG गौरीश धोंड ने होनावर के सरकारी अस्पताल में रोटरी क्लब होनावर, रो ई मंडल 3170, द्वारा स्थापित ₹14 लाख की लागत वाली जल पुनर्चक्रण इकाई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर AG नागराज जोशी, क्लब अध्यक्ष मनवेल स्टीफन रॉड्रिग्स, सचिव महेश कल्याणपुर, परियोजना समन्वयक सूर्यकांत सारंग और अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश किनी उपस्थित थे। ■

बीज और खाद वितरण

क्लब के सदस्य किसान को बीज और खाद वितरित करते हुए।

कोविड के बाद की चुनौतियों से पार पाने और त्रिपुरा में किसानों की आय बढ़ाने के लिए, रोटरी क्लब धर्मनगर, रो ई मंडल 3240, ने बागवानी विभाग के सहयोग से उत्तरी त्रिपुरा के किसानों के बीच सर्दियों के सब्जी के बीज और जैविक खाद वितरित किए। क्लब ने महामारी के बाद की आर्थिक सुधार गतिविधि और सामुदायिक विकास पहल के हिस्से के रूप में इस परियोजना का विस्तार करने की योजना बनाई है। ■

पुराने टायरों का नया इस्तेमाल

क्लब की अध्यक्ष पुष्पा सूर्यमूर्ति क्लब के सदस्यों के साथ मुंबई के एक बगीचे में टायर के रीसाइकिल किए गए गमले लगाती हुयी।

रोटरी क्लब मुंबई नॉर्थ आइलैंड, रो ई मंडल 3141, के सदस्यों ने पुराने टायरों को गमलों का रूप दिया है। विचार यह था कि टायरों को पर्यावरण के अनुकूल उपयोग होने वाली किसी वस्तु में बदल दिया जाए क्योंकि वे टिकाऊ होते है और आसानी से खराब नहीं होते। क्लब अध्यक्ष पुष्पा सूर्यमूर्ति ने कहा, हमनें 25 बागान मालिकों के साथ शुरुआत की और एक सार्वजनिक उद्यान में नवीनीकृत टायरों वाले गमले लगाए। ■

शब्दों की दुनिया

शब्दों को सुनें

संध्या राव

कविता और संगीत, कथा और गैर-कथा के बीच, एक पूरी दुनिया शामिल है।

कभी-कभार किताबों से ठसाठस भरी अलमारियों को संभालने का वक्त आता है, जिनमें से पढ़ी हुई कुछ ही होती हैं, ज़्यादातर बिना पढ़ी, खुली ही नहीं, कई वजहों से खरीदी थी: क्योंकि जैकेट आकर्षक थी, अरे, यही तो लेखक है वो जिसकी मुझे तलाश थी, क्योंकि इसकी तारीफ़ सुनी है, और कभी-कभी किसी दिन- ऐसे ही,मूड कर गया था, वगैरह-वगैरह। खैर वजह जो भी हो, भारी मन से आप आप इस कवायद में लग जाते हैं, किसे रखें और किसे नहीं ।

कुछे किताबों का चुनाव तो आसानी से किया जा सकता है लेकिन कई किताबों के पीछे, पन्नों में कहानियां छपी होती हैं। खैर, संक्षेप में, पिछले कुछ हफ़्तों से मैं अपनी लाइब्रेरी में यही छँटाई कर रही हूँ, और इस दौरान कुछ अमूल्य किताबें हाथ लगीं, जो हम जैसे किताबी कीड़ों के लिए नए साल का सटीक तोहफा है।

जो किताबें बरामद हुईं उन्हें देख कर मेरा दिल उछल पड़ा, उनमें एक है अभंग संग्रह, मराठी भक्ति गीत, जो महिलाओं द्वारा रचित हैं, और अंग्रेजी में *द एंट हू स्वैलोड द सन* शीर्षक के साथ अनुवादित हैं। सबसे अच्छी बात, इसका मूल पाठ मराठी में और रोमन लिपि में इसका लिप्यंतरण, जिसका अंग्रेजी अनुवाद नीला भागवत और जेरी पिंटो द्वारा किया गया है। संयोग से, शीर्षक का सन्दर्भ मुक्ताबाई द्वारा रचित गीत से है, जो *मुंगी उडाली आकाशीं,* से शुरू होता है।

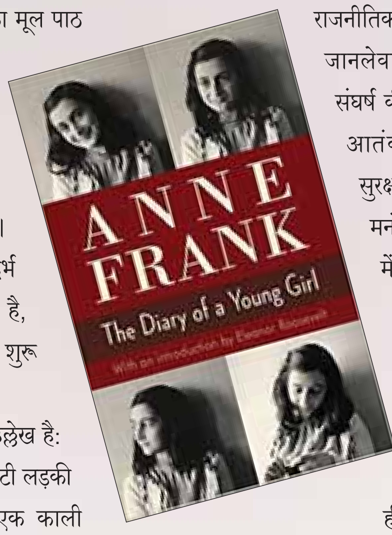

जैसा कि प्रस्तावना में उल्लेख है: ''...मैंने मुक्ताबाई को एक छोटी लड़की के रूप में देखा था, जो एक काली चींटी को बड़ी कोमलता से उठा कर उसकी पतली काली आकृति को सूर्य के सामने कर एक आंख बंद कर देख रही थी मानो सूर्य को ढक दिया था। जी हां, ये कल्पना की उड़ान ही तो है, नजरिए का कमाल। इतनी छोटी चीज़ इतनी विशालकाय चीज को ढक सकती है...'' एक साधारण अवलोकन में कितनी गहराई - यह कविता नहीं तो और क्या है!

दूसरा खजाना जो हाथ लगा वो था मनीषा शोभराजानी लिखित एक सामान्य शीर्षक के छद्मावरण में : *द लैंड आई ड्रीम ऑफ*/ जैसा कि अक्सर होता है, यह टैगलाइन तो बड़ी आकर्षक थी: द स्टोरी ऑफ़ कश्मीरी वीमेन, स्पष्ट रूप से, इन महिलाओं का क्रंदन प्रतीक्षा कर रहा था। एक विस्तृत परिचय में, लेखिका स्पष्ट रूप से पुस्तक का संदर्भ बताती हैं। अगर कभी हमारे ज़ेहन में कश्मीर और कश्मीरियों की रूढ़िवादी छवि रही है, तो अब वहां एक अलग प्रकार का रूढ़िवाद प्रचलन में है।

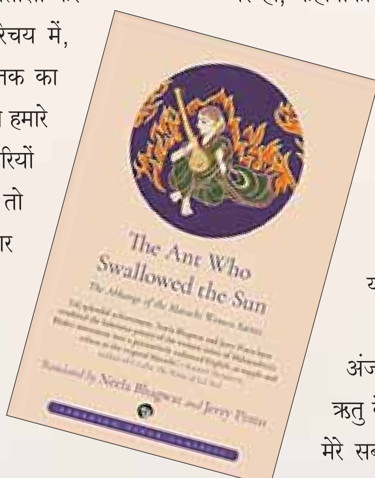

लेखिका कहती हैं, उनके लिए ये बुलबुला फूटा, इस क्षेत्र की अपनी पहली यात्रा पर 2003 में, जब उन्होंने देखा कि भारत और पाकिस्तान के बीच रस्साकशी ने लोगों को किस तरह प्रभावित किया था: 'कश्मीर की महिलाओं के लिए, इस राजनीतिक त्रासदी का प्रभाव दोगुना जानलेवा रहा; उन्होंने न केवल संघर्ष की प्रताड़ना झेली है, बल्कि आतंकवादियों और भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा उनका उपयोग मनोरंजन की वस्तुओं के रूप में किया गया है। आजादी (स्वतंत्रता) - व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों - दूर की कौड़ी बनकर रह गए।'

तीसरी किताब हाल ही में खरीदी है, जो 2022 में प्रकाशित हुई थी, जिसने अपने दिलचस्प शीर्षक - *द मैन हू सोल्ड एयर इन द होली लैंड* ओमर फ्रीडलैंडर द्वारा - और इसमें लघु कथाएँ शामिल हैं जो लोगों को लंबे समय से चले आ रहे इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष में उलझे हुए लोगों से संबंधित हैं। यहूदी सवाल हमेशा कश्मीरी प्रश्न की तरह, रुचि का विषय रहा है। सच तो यह है कि इतने सारे लोगों ने इस पर लिखा है, कि इसके बारे में वर्षों से लगातार जानकारी लेना सहज हो गया, जिसकी शुरुआत ऐनी फ्रैंक द्वारा लिखित *द डायरी ऑफ़ ए यंग गर्ल* से हुई थी, जिसे मैंने 11 या 12 साल की उम्र में पढ़ा था।

पहली कहानी, 'जाफा ऑरेंज्स' के पहले पृष्ठ पर ही, कहानीकार एक कविता उद्धृत करता है: 'जब मैं अपने बच्चों और पोते-पोतियों के बारे में सोचता हूं मुझे अक्सर येहूदा आमिखाई की एक कविता याद आती है। शीर्षक है *आईज़,* और मुझे अच्छी तरह याद है।

'मेरे बड़े बेटे की आँखें काले अंजीर जैसी हैं, क्योंकि वह ग्रीष्म ऋतु के अन्त में पैदा हुआ था। और मेरे सबसे छोटे बेटे की आँखें संतरे की फांक की तरह साफ हैं, क्योंकि वह उन्हीं के मौसम में पैदा हुआ था। और मेरी

तुर्की के शहर इज़मिर में एक अजीबोगरीब घटना घटी। नियमित *अज़ान* के बजाय, इज़मिर भर में मस्जिदों के कई मीनारों से ''बेला चाओ'' का ग्रुप योरम संस्करण बजाया गया।

छोटी बेटी की आंखें पहले अंगूरों के समान गोल हैं। और मेरी चिन्ता ये है कि सब मीठे हैं। और मेरे प्रभु की आंखें पृथ्वी पर घूमती रहती हैं, और मेरी आंखें सदैव मेरे घर के चारों ओर रहती हैं। भगवान नज़र और फलों के काम में लगे है। मैं चिंता में घिरी हुई हूँ।'

जैसे जैसे मैं एक के बाद दूसरी फिर तीसरी किताब पढ़ती जाती हूँ, कभी-कभी इनके बीच आपस में, ऐसा लगा जैसे कोई पैटर्न उभर रहा था, आपसी जुड़ाव, संबंधों और समानता का पैटर्न, एक ऐसा डिजाइन जो सार्वभौमिकता की धारणा का प्रतिनिधित्व करता प्रतीत होता था। मैंने इस पैटर्न पर ज़्यादा गौर नहीं किया, सिवाए इसे यूं ही स्वीकार कर लेने के। और फिर मुझे एक गाना सुनाई दिया।

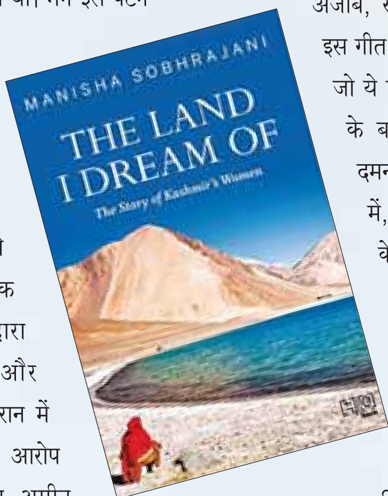

'बराए' सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसे शेरविन हाजीपुर नामक एक युवा ईरानी संगीतकार द्वारा *YouTube* पर प्रदर्शित और अपलोड किया गया था। तेहरान में हिजाब ठीक से न पहनने के आरोप में गिरफ्तार किशोरी महसा अमीन की मौत के उपरांत उन्होंने गाया था। ईरानी अधिकारियों ने हाजीपुर को तुरंत पकड़ लिया और ईरान में गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया था, लेकिन दुनिया भर के श्रोता उनकी दर्दनाक आवाज़ को आज भी सुनते हैं... 'बरये आज़ादी, आज़ादी, आज़ादी' के लिए... यह एक साधारण गीत है, रोज़मर्रा की चीजों के बारे में एक विलाप है जैसे सड़क पर नाचना, शांति, लंबी अंधेरी रात के बाद सूरज, वायु प्रदूषण, बदलता सड़ा हुआ दिमाग, गरीबी की शर्म, मासूम कुत्ते, छात्रों का भविष्य, कभी न खत्म होने वाले आंसू, मुस्कुराते चेहरे, अफ़गानी बच्चे, एक लड़की जो चाहती थी कि वह लड़का हो वो सब जिसके लिए हम सभी तरसते हैं, हाजीपौर गाते हैं, एक साधारण, सामान्य जीवन जीने की स्वतंत्रता है, 'बरये हसरत-येक ज़िन्दगी-ये मामुली।' गीत आह्वान की तरह समाप्त होता है: 'बरयेज़ान, ज़िंदगी, आज़ादी, बरये आज़ादी, बरये आज़ादी, बरये आज़ादी...' महिलाओं के लिए, ज़िंदगी, आज़ादी, आज़ादी के लिए, आज़ादी के लिए, आज़ादी के लिए।

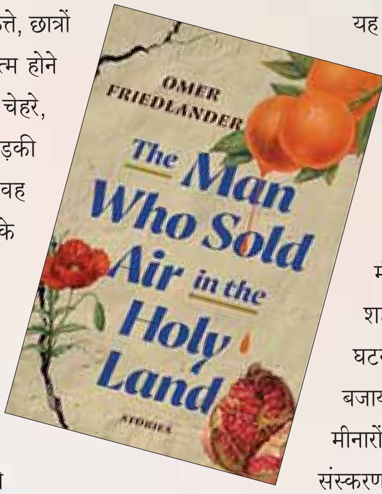

पता नहीं क्यों, ऐसा लग रहा था कि एक अजीब, रहस्यमय, गंभीर तरीके से, इस गीत में वो सब कुछ समाहित है जो ये किताबें कह रही थीं, जीवन के बारे में, इच्छा के बारे में, दमन के बारे में, सपनों के बारे में, आशा के बारे में, विश्वास के बारे में, मानवीय स्थिति के बारे में सब कुछ। कला की सभी अभिव्यक्तियाँ भी तो यही हैं, हैं न, चाहे वे काल्पनिक चित्र हों या कहानियाँ या पेंटिंग हों या फ़िल्में या फिर गीत

जब मैं इन सब के बारे में सोच ही रही थी, ठीक उसी समय हमारा हॉकर गोपी *Frontline* पत्रिका डाल कर गया था। इसमें विजयता महेंद्रू का एक लेख था, 'क्या आप लोगों को गाते हुए सुनते हैं?' 'बरये' के बारे में! और बहुत से लोगों के गीत, जैसे कि इतालवी 'बेला चाओ', जो चावल के खेतों में क्रूर पर्यवेक्षकों के अधीन काम करने की कठिनाइयों के विरोध के रूप में शुरू हुआ और एक दमन-विरोधी गान बन गया। इसका एक पंजाबी संस्करण भी है, लेकिन तुर्की संस्करण की कहानी, जिसे 'बेला चाव' कहा जाता है, ज़्यादा आकर्षक है। बेशक, यह अधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित किया गया था।

ग्रुप योरम, बैंड के दो सदस्यों ने, जिन्होंने गाना गाया था, भूख हड़ताल कर प्रतिबंध का विरोध किया; दोनों मर गए। दूसरी मौत के कुछ दिनों बाद, 'तुर्की के शहर इज़मिर में एक अजीबोगरीब घटना घटी। नियमित *अज़ान* के बजाय, इज़मिर भर में मस्जिदों के कई मीनारों से ''बेला चाओ'' का ग्रुप योरम संस्करण बजाया गया। इस विरोध को अंजाम देने के लिए बाद में एक महिला को गिरफ्तार किया गया था। 'गीत की अंतिम पंक्ति,' 'मुएर्ता पर ला लिबर्टाड 'का अर्थ है' आज़ादी के लिए जान देना।'

और इधर अपने वतन में, 1979 में फैज अहमद फैज ने एक कविता 'हम देखेंगे' लिखी थी, जब पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को जिया उल-हक की अनुमति से जेल में डाल दिया गया था, और अंततः फांसी दे दी गई थी। यह साफ़ तौर पर ईरान की तानाशाह राजशाही के विरोध में भी लिखा गया था। 1996 में, उस वक़्त पाकिस्तान में साड़ी पहनने का मतलब था पाकिस्तानी हुकूमत की खिलाफत । प्रसिद्ध पाकिस्तानी ग़ज़ल गायक इकबाल बानो ने दोनों की अवहेलना में साड़ी पहन कर खचाखच भरे सभागार में दर्शकों के सामने 'हम देखेंगे' विरोध गीत प्रस्तुत कर साड़ी प्रतिबंध को धता बताया था। भारत में भी यह गीत विरोध रैलियों में गाया जाता है। क्या आप सुनते हैं उन शब्दों को जो हम सभी को आपस में जोड़ते हैं?

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

सेलम में ड्रग्स के खिलाफ मैराथन

रशीदा भगत

रोटरी क्लब सेलम फीनिक्स के रोटेरियनों ने सेलम सिटी पुलिस के साथ साझेदारी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक भव्य मैराथन का आयोजन किया, जिसमें 3 साल से ऊपर के बच्चों और बुजुर्ग व्यक्तियों सहित 2,000 व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में सेलम शहर के आयुक्त नजमुल होदा सहित पुलिस अधिकारियों की उत्सुकता भरी भागीदारी दिखी। ''हमें मिली प्रतिक्रिया से हम अभिभूत थे; छोटे बच्चे सुबह 5 बजे से सेलम गांधी स्टेडियम में इकट्ठा हुए थे, और जबकि कार्यक्रम, जिसे विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया था, में 2,000 प्रतिभागी थे, इसे लगभग 4,000 लोगों ने देखा,'' कार्यक्रम के अध्यक्ष और क्लब के सदस्य हेमनाथ ने कहा। सब कुछ ध्यान में रखते हुए, ''यह न केवल नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका बना, बल्कि इसने रोटरी की सार्वजनिक छवि में भी वृद्धि की, और इसने दिखाया कि यह समुदाय में लोगों के कल्याण के लिए कैसे काम करता है,'' उन्होंने आगे कहा।

मैराथन में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए 2 किमी की छोटी दौड़, महिलाओं और पुरुषों के लिए क्रमशः 5 किमी और 10 किमी की दौड़ शामिल थी। प्रत्येक प्रतिभागी को एक पदक और एक डिप्लोमा दिया गया। प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष तीन विजेताओं को ट्राफियां और नकद पुरस्कार दिए गए।

कमिश्नर नजमुल होदा मुख्य अतिथि थे और उन्होंने सभा को संबोधित किया, विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय के कल्याण के लिए काम करने के लिए रोटरी की सराहना की, और कोविड महामारी के दौरान सेलम के रोटेरियनों द्वारा प्रशासन को दी गई महत्वपूर्ण सहायता को याद किया। उन्होंने नशीली दवाओं के सेवन से होने वाली बुराइयों पर बात की और इस मुद्दे को उठाने के लिए रोटरी को धन्यवाद दिया। रो ई मंडल 2982 के गवर्नर पी सरवनन, पुलिस उपायुक्तों एस पी लावण्या, मदसामी और राधाकृष्णन ने भाग लिया।

क्लब अध्यक्ष केशवन ने कहा कि ''नशे के खिलाफ इस दौड़ का आयोजन करने का क्लब का उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना था कि सेलम एक स्वच्छ, नशीली दवाओं से मुक्त शहर बना रहे।'' ■

ऊपरः सेलम शहर के पुलिस आयुक्त नज़मुल होदा (दाएं से चौथे) और रोटरी क्लब सेलम फीनिक्स के अध्यक्ष जे केसवन (बाएं से तीसरे) प्रतिभागियों के साथ।

बाएंः युवा प्रतिभागी मैराथन दौड़ने के लिए पूरी तरह तैयार।

नीचेः मैराथन के बाद सेल्फी लेते प्रतिभागी।

नए साल के लिए हरित संकल्प

प्रीति मेहरा

नए साल में आपको अच्छा महसूस कराने के लिए यहाँ पर अपने ग्रह के अनुकूल संकल्पों का एक विवरण दिया गया है।

कहा जाता है कि एक लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक समय में एक कदम उठाना सबसे अच्छा होता है। और यदि आपका लक्ष्य ग्रह को एक बेहतर जगह बनाना है, तो 2023 को हरित संकल्पों और प्रतिबद्धताओं के साथ शुरू करना सबसे अच्छा होता है।

संकल्प व्यक्तिगत और सामाजिक हो सकते है - जो आपके और आपके परिवार के लिए अच्छे होते है। आपके द्वारा उठाए गए ये छोटे कदम समुदाय, देश और दुनिया के लिए बड़े पैमाने पर फायदेमंद साबित होंगे।

यहाँ एक आसान कार्य सूची है जो आपको दीर्घकालिक जीवन जीने में सहायता करेगी।

प्लास्टिक के थैलों का उपयोग कभी न करने का संकल्प लें। यह कोई आसान काम नहीं है। हर बार जब आप खरीदारी के लिए बाहर जाते है तो दोबारा उपयोग होने वाली थैले ले जाना भूल जाना स्वाभाविक है। आपको याद रखने में मदद के लिए कपड़े के अधिक थैलें सिलकर या खरीदकर उनमें से एक को मुख्य दरवाजे के पास टांग दें ताकि बाहर जाते समय आपको उन्हें ले जाना ध्यान रहें। एक थैले को अपने वाहन या अपने कार्यालय की दराज में रखें। कुछ दोबारा उपयोग होने वाले थैले आपकी जेब में आ जाने जितने छोटे होते है।

- अपने निजी वाहन पर कीमती जीवाश्म ईंधन बर्बाद करने के बजाय सार्वजनिक परिवहन का अक्सर उपयोग करने का संकल्प लें। इस विकल्प को चुनकर आप न केवल ईंधन की बचत करेंगे बल्कि वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में भी योगदान देंगे। मनुष्य हर दिन लगभग 14,000 लीटर हवा ग्रहण करता है और यदि यह हवा प्रदूषित हो जाती है तो यह मानव के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है जिससे सांस की बीमारियां उत्पन्न होती है। वायु गुणवत्ता देश की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप उच्च चिकित्सा लागत, बीमारी के कारण उत्पादकता का नुकसान और उच्च शिशु मृत्यु दर होती है।

  खराब हवा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है क्योंकि प्रदूषक भूमि और जल निकायों पर ठहर जाते है। कुछ प्रदूषक जलवायु के कठोर बदलावों के लिए जिम्मेदार होते है क्योंकि इनके गर्म या ठंडे प्रभाव होते है।

- कम कपड़े खरीदने का संकल्प लें, विशेष रूप से तेजी से फैशन अनुसार बदलने वाले कपड़ों को जो सस्ते होते है लेकिन कुछ ही समय में त्याग दिए जाते है। अनुमानित 57 प्रतिशत बेकार कपड़े अंत में कूड़े के ढेर में पहुँच जाते जाते है। सिंथेटिक कपड़े सबसे खराब प्रभाव डालते है क्योंकि महासागरों को प्रदूषित करने वाले सभी माइक्रोप्लास्टिक्स का 35 प्रतिशत हिस्सा इन कपड़ों से आता है। फैशन उद्योग अन्य सभी उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पानी का दसवां हिस्सा उपभोग करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कपड़ों के उत्पादन और रंगाई में भारी मात्रा में पानी और जहरीले रसायनों का उपयोग होता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि एक किलो कपास के उत्पादन के लिए 10,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है और दुनिया में अपशिष्ट जल का 20 प्रतिशत हिस्सा रंगाई प्रक्रिया से आता है।

- आप जो कुछ भी करते है उसमें कम ऊर्जा का उपयोग करने का संकल्प लें। जब आप एक कमरे से बाहर जाते है तो लाइट, पंखे और एयर कंडीशनर बंद कर दें। यदि आप वॉशिंग मशीन का उपयोग कर रहे है तो सुनिश्चित करें कि आप पूरे घर के कपड़ों को एकत्रित करके उसका सर्वाधिक उपयोग करें। सौर रोशनी और गर्मी के लिए एक सौर प्रणाली स्थापित करें। यह बहुत अच्छा होगा यदि आप सौर कुकर में कम से कम एक पकवान भी बना लें और

स्ट्रॉ

बर्तन

टूथब्रश

पानी की बोतल

पुनः प्रयोज्य बैग

अपने भोजन की योजना ऐसे बनाएं कि आप एक बार में कीमती प्राकृतिक भंडार को बचाते हुए दो या तीन बार का भोजन एक साथ तैयार कर लें।

- ❊ स्थानीय सामान खरीदने और जैविक खाना खाने का संकल्प लें। आपका स्थानीय विक्रेता निकटतम स्रोत से सब्जियां और फल लाता है जिसका अर्थ है ऊर्जा की कम खपत। इसके अलावा, आप एक लघु उद्यमी की आजीविका में योगदान भी देते है। जैविक भोजन यह सुनिश्चित करता है कि पर्यावरण मिट्टी प्रदूषण, मिट्टी के कटाव और ऊर्जा के अधीन कम हो। आपको कीटनाशक मुक्त ताजा भोजन भी खाने को मिलता है।
- ❊ अपने कचरे को अलग करने और अपने गीले कचरे को खाद बनाने के लिए तैयार करने का संकल्प लें। यह हमारे अपशिष्ट भराव क्षेत्र को अलग-अलग कचरे से भरने में मदद करने में एक बड़ा कदम होगा जो जमीन में जमा होकर विषाक्त पदार्थ उत्सर्जित करता है। असंसाधित अपशिष्ट पदार्थ कई बीमारियों को उत्पन्न करते है जो मनुष्यों, जानवरों और पौधों के जीवन को प्रभावित करते है।
- ❊ कम और केवल जरूरत के समय ही यात्रा करने का संकल्प लें। यात्रा में भारी मात्रा में ऊर्जा की खपत होती है। उड़ान पर्यावरण के लिए विशेष रूप से खराब है और यह एक बड़े पैमाने पर कार्बन पदचिह्न छोड़ती है। यह ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण में भी योगदान देता है क्योंकि हवाई जहाज जिस ईंधन का उपयोग करते है उससे वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और प्रदूषक निकलते है।
- ❊ एक ऐसे उपभोक्ता बने जो गोलाकार अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले जलवायु के अनुकूल उत्पादों का समर्थन करें। जब कंपनियों को एहसास होगा कि उपभोक्ता उन उत्पादों को नहीं खरीदेंगे जो पृथ्वी को प्रदूषित करते है और मनुष्यों, जानवरों एवं पौधों के लिए हानिकारक है, तो वे बेहतर उत्पाद प्रदान करने पर ध्यान देंगे। और जब वे जान जाएंगे कि आपकी इस बात पर नज़र है कि उनका उत्पाद पर्यावरण चक्र को पूर्ण करता है या नहीं, तो वे अधिक नैतिकता के साथ अपना उत्पाद डिजाइन करके बेचेंगे।
- ❊ आप जो भी चीज़ उपयोग करते है उसे रीसायकल और अपसाइकिल करने का संकल्प लें। उदाहरण के लिए, यदि आप अपने गैजेट्स को त्यागने के बजाय उसे ठीक कर लें, अपने कपड़ों को फेंकने के बजाय उसे सुधार लें और अपनी पुरानी चीजों से कुछ नया उत्पाद बना लें, तो आप पानी, ऊर्जा और अपनी मेहनत की कमाई बचा पाएंगे।
- ❊ अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात - अपने कार्बन पदचिह्न को ट्रैक करने का संकल्प लें। जब आप इसे अपनी आंखों के सामने कम होते हुए देखते है तो आपको बहुत अच्छा महसूस होगा। गूगल करने पर आपको ऐसे बहुत सारे ऐप्स मिल जाएंगे जो आपकी मदद कर सकते है।

अब जब आपके पास चुनने के लिए बहुत सारे संकल्प है, तो कामना है कि 2023 खुशहाल और पर्यावरण के अनुकूल हो!

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

परियोजना स्मार्ट कौशल से छात्रों को लाभ

टीम रोटरी न्यूज़

सेंट मैरी हिंदी मीडियम स्कूल', बिस्तुपुर के शिक्षकों और छात्रों को स्मार्ट कौशल प्रदान किया जा रहा है, रोटरी क्लब जमशेदपुर मिडटाउन, रो ई मंडल 3250 द्वारा, उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए, कक्षा-शिक्षा में उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सही मानसिकता से लैस किया गया है।

पिछले साल दिवाली के दौरान एक आकस्मिक बातचीत के दौरान पूर्व अध्यक्ष (2021-22) रोटेरियन प्रीति सैनी और शिवा राव द्वारा डिजाइन किया गया, 'TEACH कार्यक्रम' 30 जनवरी, 2022 को लॉन्च किया गया था। शिक्षकों को उनके स्कूलों में इंटरैक्टिव व्याख्यान, समूह गतिविधियों और लाइव कक्षाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है। कार्यक्रम में प्रस्तुति, नेतृत्व, संचार, पारस्परिक, बोली जाने वाली अंग्रेजी और आईटी कौशल सहित नरम कौशल शामिल हैं। अब तक, स्कूल में 25 सत्र आयोजित किए गए थे, जिसमें प्रत्येक कक्षा में पांच शिक्षक और 200 छात्र थे।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रीति सैनी और एकता अग्रवाल सेंट मैरी स्कूल, बिष्टुपुर में एक स्मार्ट स्किल सेशन लेते हुए।

सभी कक्षाएं रोटेरियन एकता अग्रवाल और सुमेधा गौतम की सहायता से परियोजना निदेशक प्रीति द्वारा ली गई थीं। स्मार्ट कौशल का गतिविधि हिस्सा प्रमुख आकर्षण है, क्योंकि छात्रों को जो कुछ सीखा है, उसे लागू करने का मौका मिलता है। कक्षा 9 और 10 के लगभग 290 छात्र इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं।

इस परियोजना में छात्रों के समग्र विकास के लिए माता - पिता भी शामिल हैं। स्कूल प्रिंसिपल प्रेम लता उन रोटेरियन के लिए समर्थन का एक स्तंभ रही हैं। ■

एक सरकारी स्कूल को बेहतर बुनियादी ढांचा मिला

रोटरी क्लब चेन्नई ईसीआर, रो ई मंडल 3232 ने सितंबर 2019 में चेन्नई के पास एक गांव पनइयूर में कुदुमियांडितोप्पू प्राथमिक विद्यालय (KES) को अपनाया, ताकि इसे बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान किया जा सके। 2020 में शौचालयों को नवीनीकृत करने के बाद, क्लब ने हाल ही में रसोई का नवीनीकरण किया और क्लब के चार्टर सदस्य के नाम पर 'गोमती हॉल' नाम रखते हुए 785 वर्ग फुट डाइनिंग हॉल का निर्माण किया। डीजी एन नंदकुमार ने विधायक अरविंदरमेश और पार्षद मेनका शंकर की उपस्थिति में ₹11 लाख की नई सुविधाओं का उद्घाटन किया।

"हम अगले पांच वर्षों में छात्रों की संख्या को 750 छात्रों तक बढ़ाने के लिए स्कूल की सुविधाओं को बढ़ाना चाहते हैं," क्लब के पिछले अध्यक्ष दीपक संघी ने कहा, जो क्लब के सदस्य अजीत नायर और सीएस अनंत के साथ परियोजना का समन्वय कर रहे हैं। ■

गोमती हॉल के उद्घाटन के बाद क्लब अध्यक्ष शम्मी जैकब, निदेशक - सामुदायिक विकास दीपक सांघी और सी एस अनंत के साथ डीजी एन नंदकुमार।

एक एनेट क्रिकेट स्टार

वी मुत्तुकुमारन

विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट मैच में अरुणाचल प्रदेश की नवीनतम टीम के खिलाफ वनडे प्रारूप के तहत एक टीम की ओर से 50 ओवर के खेल का मुकाबला करने वाली तमिलनाडु की टीम की ओर से खेल रहे 26 साल के नारायण जगदीशन ने एक शानदार पारी खेली। इसने इस दुबले-पतले, विकेटकीपर बल्लेबाज को विश्व क्रिकेट की सुर्खियों में ला दिया। रोटरी क्लब कोयम्बटूर मेट्रोपोलिस, रो ई मंडल 3201, से रोटेरियन रहे उनके पिता, रोटेरियन सी जे नारायणन ने अपने बेटे को हमेशा एक ही सलाह दी: ''टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए इस एकाग्रता को बनाए रखें।''

अपनी दमदार पारी के दौरान, जगदीशन ने लिस्ट-ए क्रिकेट के सात विश्व रिकॉर्ड तोड़े - उच्चतम व्यक्तिगत स्कोर (277); लगातार पांच शतक; 114 गेंदों में सबसे तेज 200 रन; सबसे तेज 250 रन; किसी भी विकेट के लिए उच्चतम साझेदारी (416); उच्चतम ओपनिंग साझेदारी; और 502 का उच्चतम टीम स्कोर। अगले दिन, राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों ने कोयंबटूर के इस लड़के की जीत पर खुशी जताई। उनके माता-पिता नारायणन और गंगा को उम्मीद है कि उनका बेटा राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की राह पर है। उनके पिता कहते है, ''वह इस तरह के कई शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम है।'' 1980 से आठ साल तक मुंबई में टाटा इलेक्ट्रिक कंपनी (अब टाटा पावर) के लिए खेलने वाले नारायणन आधुनिक क्रिकेट की कठोरता से अच्छी तरह परिचित है, विशेष रूप से टी 20 प्रारूप जो विश्व क्रिकेट के सबसे उत्तम खिलाड़ी को भी निराश कर देता है।

जगदीशन ने स्टेन्स एंग्लो इंडियन हायर सेकन्डेरी स्कूल में चार साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया; और नौ साल की उम्र में अंडर-13 में अपने जिले का प्रतिनिधित्व किया। छह साल पहले PSG कॉलेज से B.Com. करने के बाद उन्होंने श्री रामकृष्ण कॉलेज से MBA किया। अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान उन्होंने एक दुर्लभ जुनून के साथ क्रिकेट खेला और 2016-17 में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में तमिलनाडु के लिए प्रथम श्रेणी में धमाकेदार पदार्पण किया,'' उनके पिता बताते है। और अपने पहले मैच में ही अपना पहला शतक जमाते हुए सफलता हासिल की!

उनकी मां गंगा और बहन शारदा उन्हें टीम इंडिया के लिए खेलते देखने हेतु बेताब है। उन्होंने कहा, ''होठों पर प्रार्थना के साथ, वे उनके देश के लिए बल्लेबाजी करने का इंतजार कर रहे है। भगवान ने चाहा तो मेरा बेटा उस मुकाम तक जरूर पहुंचेगा,'' नारायणन मुस्कुराते हुए कहते है, जो 2007 में रोटरी में शामिल हुए थे। हालांकि वह इस बात से चिंतित नहीं है कि चेन्नई सुपर किंग्स ने उनके बेटे को छोड़ दिया, ''मुझे विश्वास है कि उसे आईपीएल नीलामी में एक अच्छी टीम द्वारा चुना जाएगा।'' रोटरी क्लब कोयंबटूर मेट्रोपोलिस और कोयंबटूर मैनचेस्टर ने इस खिलाड़ी को यंग अचीवर अवार्ड्स से सम्मानित किया। इससे पहले उन्हें रो ई मंडल 3201 सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

जगदीशन ने कहा, ''मेरा एकमात्र लक्ष्य है अब भविष्य के बारे में सोचे बिना वर्तमान में जीना और क्रिकेट खेलने का आनंद लेना।'' ■

रोटेरियन सी जे नारायणन (बीच में) अपने (बाएं से) बेटे नारायण जगदीसन, पत्नी गंगा, बेटी शारदा और उनके पति कीर्ति कृष्णन के साथ।

मेरा एकमात्र लक्ष्य है अब भविष्य के बारे में सोचे बिना वर्तमान में जीना और क्रिकेट खेलने का आनंद लेना।

नारायण जगदीशन
तमिलनाडु क्रिकेटर

जल, जीवन का अमृत

भरत और शालन सवुर

इस लेख को लिखने से पहले मैंने आधा गिलास पानी पिया। क्योंकि एक प्यासा मस्तिष्क पर्याप्त कुशलता से काम नहीं कर पाता। एक तृप्त मस्तिष्क सतर्कता के साथ सोच सकता है और अपने अद्भुत कौशलों का उपयोग कर सकता है। तृप्त शरीर भी ऐसा ही करता है। इससे सारी बीमारियां दूर रहती है और हम स्वस्थ रहते है! और मन? कोई भी चीज़ ज्यादा नहीं लगती, आप समझते है ना? जहाँ वह उत्साह हीन था, अब सक्रिय हो गया हो गया है।

जल एक चमत्कारी तरल पदार्थ है जो शानदार स्वास्थ्य वर्धक और जीवनरक्षक है। इसके अपार मूल्य को समझें कि क्यों दुनिया के अस्तित्व में आने के बाद से यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। यह सबसे अच्छे पूरक और दवाओं में से एक है जिस पर आप भरोसा कर सकते है। यह सिर्फ एक आवश्यकता नहीं है बल्कि हवा की तरह ही अति आवश्यक है। इस लेख को पढ़ते-पढ़ते थोड़ा पानी पी लीजिए।

अब तक का सबसे बेहतरीन नाश्ता

स्वस्थ रहने के लिए, शरीर को अपनी संरचना में मौजूद मौजूद 70 प्रतिशत जल को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। जल शरीर का उचित तापमान बनाए रखता है ताकि यह अधिक गर्म न हो और बीमार न पड़े। सुबह पहला घूंट पिएं। दांतों का मंजन करने के बाद दो गिलास पानी पिएं। और फिर कॉफी या चाय पिएं। जल दुनिया का सबसे अच्छा नाश्ता है और उपवास तोड़ने का एक आदर्श तरीका भी। जो लोग औपचारिक रूप से उपवास करते है उन्हें खाने से पहले एक गिलास पानी पीकर उपवास तोड़ने की सलाह दी जाती है।

भोजन के साथ पानी पीते रहें और यदि आप कुछ बदलाव चाहते है तो पतली छाछ भी पी सकते है। इससे भोजन आसानी से आपके गले से नीचे उतर जाता है। यह एक महान पाचन सहयोगी है। कुछ लोग खाने के बाद थकान महसूस करते है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि शरीर खाना पचाने के लिए अधिक ऊर्जा का उपयोग करता है, इतनी अधिक ऊर्जा जिसे यह साधारण स्थिति में संभाल नहीं सकता। भोजन के दौरान एक या दो गिलास पानी शरीर को तृप्त रखता है और थकान को दूर करता है।

एक दिन में एक या दो लीटर

जब आप एक दिन में एक लीटर पानी पीते है तो आप बहुत अच्छा महसूस करते है। जब आप दो लीटर पानी पीते है, तो आप असाधारण रूप से बेहतर महसूस करते है। इसलिए अपने शरीर के जल-स्तर को गिरने न दें। अपने शरीर को तृप्त रखें। हर बार जब भी आप बाथरूम जाएं तो बाहर आकर पानी पिएं। जब भी आपको थोड़ा भी पसीना आए तो थोड़ा पानी पिएं।

मेरा नियम है: प्यास लगने पर अधिक पानी पिएं, जब प्यास न हो तो थोड़ा पानी पिएं। जब आप एक-एक घूंट पानी पीते है तो आप चकित होंगे कि आपको कितनी प्यास लगती है जैसे कि शरीर इसका आनंद ले रहा हो और कह रहा है, 'मुझे और अधिक दो'। अपनी दोपहर की चाय पीने से पहले और बाद में भी, कृपया थोड़ा पानी लें। यह एक अच्छा अभ्यास है। यहाँ कुछ लाभ दिए गए है:

- कब्ज को हराता है और बिना किसी परेशानी के पेट साफ करता है।
- पाचन को आसान बनाता है क्योंकि यह भोजन को अच्छी तरह पचाकर अवशेष पदार्थ बाहर निकालता है। यह भोजन में मौजूद फाइबर को नरम करता है और आपका पेट फूलने से रोकता है।
- किडनी को स्वस्थ रखता है क्योंकि यह खनिजों और लवणों को घोलता है जो बाद में पथरी बन सकते है।

- आपकी त्वचा को निखारता है और झुर्रियों को कम करता है। विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और त्वचा को चमकदार और जवां बनाता है।
- आपकी चाल और कसरत को ऐंठन मुक्त रखता है। प्रशिक्षण से पहले दो कप पानी पीने की सलाह दी जाती है।
- आपका मूड ठीक करता है। निर्जलीकरण से शरीर में तनाव बढ़ता है इसलिए इसे तृप्त रखें।
- आपके दिमाग को शुद्ध रखता है। पानी की कमी से भ्रम और भटकाव उत्पन्न होता है। पर्याप्त पानी पुन: उन्मुख करता है और आप अच्छा महसूस करते है।
- प्रतिरक्षा प्रणाली में मदद करता है। कैसे? प्रतिरक्षा प्रणाली को लिम्फ का उत्पादन करने के लिए क2ज की अपनी दैनिक खुराक की आवश्यकता होती है जो विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर शरीर को स्वस्थ रखता है।
- विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। आपका शरीर अपना काम करता है। इसके फेफड़े, किडनी, लिवर विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने हेतु कड़ी मेहनत करते है। इसके लिए वे पानी पर निर्भर होते है। इसलिए उन्हें पर्याप्त मात्रा में जल प्रदान करें।
- थ्मस्तिष्क के प्रदर्शन को बढ़ाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि केवल दो प्रतिशत पानी की कमी मोटर, स्मृति और अनुभूति कौशल कम कर देती है। यह कैफीन को मात देता है।
- सिरदर्द होने से रोकता है। मेडिकल न्यूज टुडे इसे निर्जलीकरण का सिरदर्द कहता है जो तब होता है जब शरीर में आवश्यक तरल पदार्थ की कमी हो जाती है। इसलिए यदि आप सिरदर्द से ग्रसित है, तो कृपया तरल पदार्थों के रिसाव की पूर्ति करने हेतु पानी का घूंट लेते रहें।
- दिल के लिए वरदान। आह हाँ, यह दिल को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करता है। डॉक्टरों का कहना है कि जल रक्त और प्लाज्मा के गाढ़ेपन को नियंत्रित करता है।

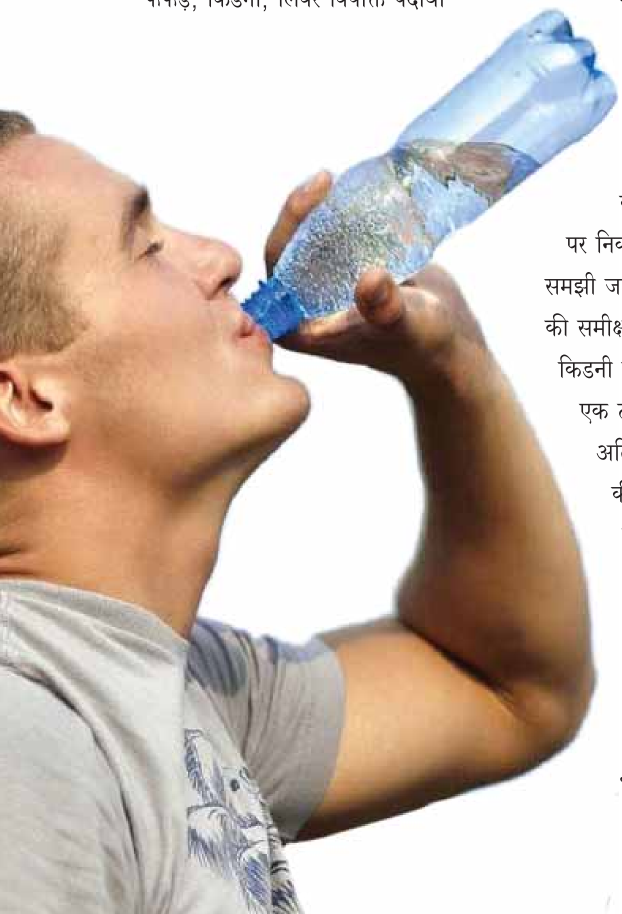

अत्यधिक पानी पीने से बचें

आखिरकार, सिस्टम में बहुत अधिक पानी भी उतना ही खराब है जितना कि कम पानी। और यह बात लगभग आधी सदी पहले मार्शल आर्ट के दिग्गज ब्रूस ली की 32 वर्ष की उम्र में हुई मृत्यु के संभावित कारण पर निकले नवीनतम निष्कर्षों से अच्छी तरह समझी जा सकती है। नई प्रगति के साथ सबूतों की समीक्षा करने वाले और शायद क्लिनिकल किडनी जर्नल में लिखने वाले विशेषज्ञों की एक टीम कहती है कि 'हमारा मानना है कि अतिरिक्त पानी को बाहर न निकाल पाने की किडनी की अक्षमता' ने ब्रूस ली की जान ली। हाँ, पानी का अधिक सेवन या हाइपोनेट्रेमिया बुरा है क्योंकि यह शरीर से सोडियम जैसे कीमती इलेक्ट्रोलाइट्स को भी बाहर निकाल देता है और भ्रम, मतली, भटकाव और दुर्लभ मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

तो, अधिकता कैसे तय होगी? विशेषज्ञों का कहना है कि एक स्वस्थ किडनी प्रति घंटे लगभग 27-34 औंस या 676-947 औंस - यानी 20-28 लीटर - जल प्रति दिन बाहर निकाल सकती है। यह बहुत अधिक है! चूंकि कोई भी संभवतः इतनी प्रचुर मात्रा को उत्सर्जित नहीं कर सकता तो फिर आपको आश्चर्य होगा कि पानी की अधिकता कैसे हो सकती है? किडनी की खराबी, गैर-स्टेरायडल सूजन विरोधी दवाओं का नियमित सेवन, अनियंत्रित मधुमेह या मूत्र पथ में रुकावट से शरीर में अपशिष्ट तरल पदार्थ रुके रहते है। इसलिए अगर शरीर से अचानक मूत्र निकलना बंद हो जाए तो तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लें।

सुरक्षित घूंट

अब, सवाल यह उठता है: यह स्वास्थ्य के लिए कितना सुरक्षित और पर्याप्त है? डॉक्टरों का कहना है कि हमें हर 20 किलो शरीर के वजन के लिए 1 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। यदि आपके शरीर का वजन 60 किलोग्राम है तो आपको एक दिन में लगभग 3 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। और आप अपनी गणना में चाय, कॉफी, सोडा, रस, फल, सब्जी सूप, यहाँ तक कि सॉस भी शामिल कर सकते है। कम नमक वाले आहार लेने वाले उच्च रक्तचाप से ग्रस्त लोगों के लिए यहां एक विशेष उल्लेख - कृपया अधिक पानी न पिएं। अपने डॉक्टर से सलाह लें कि आपके लिए कितना गिलास पानी सुरक्षित है। व्यायाम करने वालों को अपने पास में ही एलेक्ट्रॉल रखने की आवश्यकता होती है ताकि जब भी वे पसीना बहाएं, उसे पीकर उसकी आपूर्ति की जा सके।

अंत में, जैसा आपको ठीक लगे वैसा करें। जबरदस्ती पानी न पिएं और न ही प्यासे रहें। निरीक्षण करें और जानें कि आपको स्वस्थ, ताजा रहने हेतु कितने जल की आवश्यकता है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब मनोरा पट्टुकोट्टई - रो ई मंडल 2981

40 टीबी रोगियों को स्वस्थ भोजन का उपभोग करने में सक्षम बनाने के लिए पोषण किटें प्रदान की गई।

रोटरी क्लब जलगांव वेस्ट - रो ई मंडल 3030

वैश्विक अनुदान साझेदार रोटरी क्लब ताल्लहॉसी, रो ई मंडल 6940, यूएस, के साथ छत्रपति शाहू महाराज अस्पताल, जलगांव, में एक डायलिसिस केंद्र (₹28 लाख) का उद्घाटन किया गया।

रोटरी क्लब मदुरै संगमम - रो ई मंडल 3000

पंचायत संघ माध्यमिक विद्यालय को ₹30,000 की लागत से फर्नीचर दान किया गया।

रोटरी क्लब पोरबंदर - रो ई मंडल 3060

2,200 से अधिक लोगों ने क्लब द्वारा सह-प्रायोजित और श्री राम स्विमिंग क्लब द्वारा आयोजित कोस्टल हाफ मैराथन में भाग लिया।

रोटरी क्लब कुंडली - रो ई मंडल 3012

नोएडा के शारदा अस्पताल के साथ-साथ नांगल गांव में आयोजित एक मैमोग्राफी शिविर में 20 महिलाओं की जांच की गई।

रोटरी क्लब होशियारपुर मिड टाउन - रो ई मंडल 3070

प्रोजेक्ट गिफ्ट ऑफ साइट के अंतर्गत जालंधर की एक महिला (69 वर्ष) का कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के लिए ऑपरेशन किया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब खरार - रो ई मंडल 3080

स्वर्गीय मोहिंदर कौर की आंखें PDGI अस्पताल, चंडीगढ़, को दान कर दी गई जिन्हें दो दृष्टिहीन लोगों को प्रत्यारोपित किया गया।

रोटरी क्लब आगरा - रो ई मंडल 3110

बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय में साइबर क्राइम पर आयोजित एक कार्यशाला में आगरा के SP विकास कुमार अतिथि वक्ता थे।

रोटरी क्लब हिसार - रो ई मंडल 3090

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, हिसार, में दो मोतियाबिंद परीक्षण मशीनें (₹9 लाख) स्थापित की गई।

रोटरी क्लब वाराणसी ईस्ट - रो ई मंडल 3120

अखिल भारतीय मध्यप्रदेश वैश सभा के साथ आयोजित एक स्वास्थ्य शिविर में 700 से अधिक लोगों की जांच की गई।

रोटरी क्लब साकेत मेरठ - रो ई मंडल 3100

DGE अशोक गुप्ता और सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने 14 स्कूलों के लिए दो दिवसीय इंटर स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। सेंट थॉमस स्कूल ने ₹21,000 का नकद पुरस्कार जीता।

रोटरी क्लब पनवेल सेंट्रल - रो ई मंडल 3131

DG अनिल परमार ने पनवेल कॉर्पोरेशन को पांच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और अन्य सामान दान किया ताकि उसका उपयोग UPHCयों द्वारा किया जा सके।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब देवनार - रो ई मंडल 3141

पूर्व अध्यक्ष पद्मा कपूर ने अपने दिवंगत पिता मेजर देसाई की याद में चिखले के विजय आर्मी स्कूल के 400 विद्यार्थियों को स्पोर्ट्स यूनिफ़ॉर्म दान की।

रोटरी क्लब कोटा सिटी - रो ई मंडल 3182

ग्रामीण सरकारी स्कूलों में ₹1.5 लाख के 10 वाटर प्यूरीफायर वितरित किए गए।

रोटरी क्लब नवी मुंबई ज्वेल्स - रो ई मंडल 3142

SIES कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, नेरुल, में स्पर्श चैरिटेबल ट्रस्ट के रहवासियों के लिए एक बच्चा पार्टी आयोजित की गई।

रोटरी क्लब तुमकुर - रो ई मंडल 3190

तुमकुर में 300 सफाई कर्मचारियों को गर्म कंबल वितरित किए गए।

रोटरी क्लब कारवर - रो ई मंडल 3170

करवर में ट्रैफिक सर्कल पर स्टील पुलिस बूथ स्थापित किए गए थे। विश्व पोलियो दिवस के मौके पर दो व्हीलचेयर रखे जाने थे।

रोटरी ई-क्लब मेट्रो डायनामिक्स - रो ई मंडल 3201

प्रोजेक्ट मिल्की वे नवी मुंबई के अनाथ और क्खत पॉजिटिव बच्चों के एक घर, डिजायर सोसाइटी, में हर महीने 300 लीटर दूध वितरित कर रहा है।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब ऊटकामुंड - रो ई मंडल 3203

JSS पब्लिक स्कूल में आयोजित टैलेंट हंट में 25 स्कूलों के 350 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

रोटरी क्लब चेन्नई पोर्ट सिटी - रो ई मंडल 3232

रोटरी क्लब तांबरम सेंट्रल के साथ 50 दिव्यांगों को चावल के थैले और चादरें वितरित की गई।

रोटरी क्लब अलेप्पी ग्रेटर - रो ई मंडल 3211

भारतीय तटरक्षक बल की मदद से आयोजित एक विशेष शिविर में पैरों से विकलांग 50 लोगों को बैसाखी और वॉकर दान किए गए।

रोटरी क्लब बोकारो स्टील सिटी - रो ई मंडल 3250

100 से अधिक छात्रों ने 3 दिवसीय RYLA में भाग लिया। क्लब अध्यक्ष निरूपमा सिंह और मंडल RYLA अध्यक्ष PDG अनिलकुमार उपस्थित थे।

रोटरी क्लब तूतीकोरिन ट्रेलब्लेज़रस - रो ई मंडल 3212

एक उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अन्नामलाई कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 30 प्रतिभागियों ने साबुन बनाना और मशरूम की खेती करना सीखा।

रोटरी क्लब जगदलपुर - रो ई मंडल 3261

रोटरी क्लब जामनगर और एक गैर सरकारी संगठन, हेल्पिंग हैंड, के साथ संयुक्त रूप से एक कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर आयोजित किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

एक समय की बात है कैंब्रिज में...

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

करीब चालीस साल पहले, मैंने यूके की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में पत्रकारिता फेलोशिप जीती थी। यह सिर्फ तीन महीनों के लिए थी, जिसे वहां माइकलमास टर्म कहते हैं। कॉलेज का नाम था वोल्फसन और मेरे साथ कुछ पाकिस्तानी सिविल सेवक भी थे। वे हमारे आईएएस अधिकारी के पाकिस्तानी समकक्ष थे। मैं और मेरी पत्नी सितंबर के अंत में वहां पहुंचे थे और अक्टूबर के पहले हफ्ते तक हमारी उम्र के दो पाकिस्तानी और हम दोनों के बीच खासी दोस्ती हो गई थी। उनमें से एक पठान और कट्टर मुसलमान था लेकिन दूसरा सीधा था।

दोनों साउथ एशियन खाने के लिए मरते थे। तो होता ये था कि कभीकभार वो चिकन या मटन ले कर आते और और मेरी पत्नी से कुछ 'भारतीय शैली में ' बनाने के लिए कहते थे - और वो एक करी पेस्ट 'पाठक' डाल कर बनाती थी। वे अपने साथ नान और सलाद के पत्ते, अंगूर, सेब, आलूबुखारा और नाशपाती भी लाते थे, और कहने की ज़रुरत नहीं है वाइन तो लाते ही थे।

एक बार, मैंने उनसे पूछा कि भाई खाने पर इतना ज़्यादा खर्च करते हो, क्यों ना हम इसे बाँट लें। उन्होंने साफ़ इंकार कर दिया। ये टोड खाने से कहीं बेहतर है जो डाइनिंग हॉल में हर सप्ताहांत पर परोसी जाती थी और वास्तव में बहुत भयंकर हुआ करती थी। ये आटे के घोल में डुबो कर तली हुई सॉसेज थी। वो इतनी गरिष्ठ होती थी की मेरे जैसा 30 साल का जवान एक भी पूरी ख़त्म नहीं कर सकता था। तो जब भी वो डिश बनाई जाती, ये पाकिस्तानी हमारे यहां आ धमकते । कुछ समय बाद भारतीय लोग भी आने लगे, जब जब वो भयानक टोड बनाई जाती थी। वो अपने साथ कुछ मीठा डेसर्ट भी लाते थे। खूब मज़ा आता था।

लेकिन नवंबर बीच की बात है, मेरी पत्नी हमें उन टोड के भरोसे छोड़ कर भारत लौट गई। सबसे ज़्यादा अफ़सोस पाकिस्तानियों को हुआ था, नवंबर के आखिर में पाकिस्तानी को एक शानदार आइडिया आया। वहां एक पंजाबी महिला की दुकान थी जो समोसा और साउथ इंडियन मसाले, पेस्ट, मिठाई वगैरह बेचती थी। उसने एक बार मेरी पत्नी से उसके लड़के के लिए उसकी जैसी बहू ढूंढने के लिए कहा था। इस से मेरी पत्नी इतनी खुश हुई कि उस ने महिला से तीन गुना सामान खरीदना शुरू कर दिया।

खैर, मैं और पाकिस्तानी उसके पास गए और बोले की क्या वो टोड दिनों में हमारे लिए दाल रोटी बना देगी, वो बड़े आराम से राजी हो गई, लेकिन ये नहीं जानती थी की पाकिस्तान में दाल रोटी का मतलब, दाल के अंदर मटन और साथ में चिकन भी परोसा जाता है। लेकिन उसने ये सब बिना किसी शिकायत के बना दिया था। हमने उसे पैसे भी अच्छे खासे दिए थे।

पुरानी ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज में आज भी वीकली डिनर की परंपरा जीवित है। जिसमें डिनर के साथ शैरी और पोर्ट वाइन भारी मात्रा में उपलब्ध रहती है।

इस तरह हमारे बाकी के दिन तसल्ली से गुजरने लगे थे। वास्तव में अब हम टोड के दिनों से घबराने के बजाये उस दिन का इंतज़ार करने लगे थे। ये कुछ ऐसा था, अगर आपको पसंद आये, मैरी ऑन्टोनेट के जवाब का हमारा तरीका, जिसने कहा था क्या हुआ अगर ब्रेड नहीं है वो केक खा लेंगे।

पुरानी ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज में आज भी वीकली डिनर की परंपरा जीवित है। जिसमें डिनर के साथ शैरी और पोर्ट वाइन भारी मात्रा में उपलब्ध रहती है।

मैं और मेरी पत्नी वहां नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता था । लेकिन पाकिस्तानियों को आमंत्रित नहीं किया जाता था। ये उन्हें बहुत नागवार गुजरता था जबकि वो तो पाकिस्तानी सिविल सर्विसेज के अधिकारी थे जब कि और मैं ठहरा एक अदना सा पत्रकार। उन वीकली डिनर में उन्हें बाहर रखना उनके गले नहीं उतरा।

जब पठान ने मुझसे इसकी वजह पूछी तो मैंने पंजाबी में मजाक में कह दिया कि डिनर शरीफ (सभ्य) लोगों के लिए होता है। वो इतना नाराज़ हुआ कि उसने मुझसे तब तक बात नहीं की जब तक कि अगली बार उसे मेरी पत्नी को खाना बनाने के लिए नहीं कहना पड़ा था। वो उस वक्त भी उदास था और मुझे नहीं लगता कि उसने अंग्रेजों को माफ़ किया होगा।

हर भली चीज का अंत होता है और अपना सत्र समाप्त होने के बाद मैं भारत लौट आया। पाकिस्तानी वहां दो सत्र और रुके थे। मुझे नहीं पता उन पर क्या गुजरी होगी। भले लोगों को साप्ताहिक टोड पर गुजारा करना पड़ा होगा क्योंकि जैसा किस्मत को मंजूर था, दिसंबर में समोसा लेडी भी अपने बेटे के लिए अच्छी लड़की ढूंढने निकल पडी थी। ■

विशाखा विस्टा रोटरी जोन इंस्टिट्यूट में मंडल गवर्नरों के साथ रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश।

चित्र: रशीदा भगत

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹40
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

रोटरी न्यूज़ में विज्ञापन दें

...1.45 लाख की प्रसार संख्या के साथ 6 लाख पाठकों का जुड़ाव है। जिनमें अति विशिष्ट उद्योगपति, व्यवसायी, वित्त पेशेवर, डॉक्टर, वकील और समाज के अत्यन्त महत्वपूर्ण व प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं।

दर सूची	
बैक कवर	₹1,00,000
इनर फ्रंट कवर	₹60,000
इनर बैक कवर	₹60,000
इनसाइड फुल पेज	₹30,000
हाफ पेज	₹20,000
विशेष विवरण	
17 x 23 cm	फुल पेज
17 x 11 cm	हाफ पेज
केवल रंग में विज्ञापन	

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट

फोन: 044 42145666 **ईमेल:** rotarynews@rosaonline.org